राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 01 मई 2026
वर्ष 07, अंक 206, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बेसिक शिक्षा अधिकारी का एक और भ्रष्टाचार हुआ उजागर...02

सिद्धार्थनगर में जमीन विवाद में घायल युवक की मौत...10

नाबालिग रेप पीड़िता केस पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

» गर्भपात का आदेश नहीं मानने पर स्वास्थ्य मंत्रालय को अवमानना नोटिस
सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और एस को नाबालिग बलात्कार पीड़िता के गर्भपात आदेश का पालन न करने पर अवमानना नोटिस जारी किया है

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को अवमानना नोटिस जारी किया. रेप पीड़िता नाबालिग लड़की का गर्भपात कराने के आदेश का अनुपालन ना कराने पर नोटिस जारी किया. इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक जवाब तलब किया. जस्टिस नागरत्ना की बेंच ने एम्स में गर्भपात कराने का आदेश दिया था, जिसके संबंध में सीजेआई की बेंच के समक्ष आज मामला मेंशन किया गया था. सीजेआई ने हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया था। बेंच ने कथित अवमानना मामले में- मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के सेक्रेटरी और एम्स, नई दिल्ली के डायरेक्टर को सोमवार, 4 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया. कोर्ट ने इशारा किया कि अगर तब तक ऑर्डर का पालन नहीं किया जाता है, तो वह चार्ज फ्रेम करने की कार्रवाई करेगा। यह ऑर्डर नाबालिग लड़की की मां द्वारा फाइल की गई अवमानना याचिका में पास किया गया था. जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'अगर वे सोमवार तक हमारे ऑर्डर का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें कंटेम्प्ट प्रोसिडिंग में आगे के निर्देशों के लिए तैयार रहने दें. हमें किसी भी चीज़ से कोई मतलब नहीं है, सिवाय इसके कि इस कोर्ट के ऑर्डर का पालन किया जाए... अगर वे सोमवार तक इसका पालन नहीं करते हैं, तो हम चार्ज फ्रेम करेंगे. चार्ज फ्रेम करने से पहले हम उन्हें सुनेंगे।

जानें क्या है पूरा मामला

यह कंटेम्प्ट प्ली कोर्ट के 24 अप्रैल के ऑर्डर से जुड़ी है, जिसमें नाबालिग की प्रेग्नेंसी को टर्मिनेट करने की इजाजत दी गई थी, जो सात महीने से ज्यादा हो चुकी थी. कोर्ट ने कहा था कि किसी महिला को सिर्फ इस आधार पर अनचाही प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि बच्चे को जन्म के बाद गोद लेने के लिए दिया जा सकता है.

कोर्ट ने कहा कि प्रेग्नेंट महिला की पसंद सबसे ऊपर रहनी चाहिए. कोर्ट ने कहा था कि किसी महिला, खासकर नाबालिग को, प्रेग्नेंसी को पूरे समय तक रखने का निर्देश देना, उसे गंभीर मेंटल, इमोशनल और फिजिकल ट्रॉमा देगा, और संविधान के आर्टिकल 21 के तहत उसके फंडामेंटल राइट का उल्लंघन करेगा. कोर्ट ने कहा कि अनचाही प्रेग्नेंसी को जारी रखने के लिए मजबूर करना प्रेग्नेंट महिला की भलाई को खत्म कर देगा और इसे पैदा होने वाले बच्चे के अधीन कर देगा। कोर्ट, नाबालिग की मां की उस याचिका पर विचार कर रहा था, जिसमें मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत कानूनी लिमिट से ज्यादा समय तक गर्भपात की इजाजत मांगी गई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कही ये बात

यूनियन ऑफ इंडिया ने याचिका का विरोध किया था, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि इतने एडवांस स्टेज में गर्भपात से मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा होता है और सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के ज़रिए गोद लेने का सुझाव दिया गया था. उन्होंने फाइनेंशियल मदद की भी पेशकश की।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने नाबालिग लड़की की इच्छा जानने के लिए उसकी काउंसलिंग की रिक्वेस्ट की थी. हालांकि, कोर्ट ने इस तरीके को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि अगर कोई महिला प्रेग्नेंसी जारी रखने को तैयार नहीं है, तो कोर्ट उसे फाइनेंशियल मदद या गोद लेने पर निर्भर रहने के लिए नहीं कह सकता।

कोर्ट ने कहा कि प्रेग्नेंसी दो नाबालिगों के बीच सहमति से बने रिश्ते से हुई थी और लड़की ने साफ तौर पर इसे जारी रखने की अपनी अनिच्छा जताई थी. कोर्ट ने मेडिकल सुरक्षा उपायों के तहत, नई दिल्ली के ढ्ढ्रूस् में गर्भपात की इजाज़त दी। इसके बाद, ढ्ढ्रूस् ने एक रिव्यू पिटीशन के जरिए आदेश को चुनौती दी, जिसे उसी बेंच ने खारिज कर दिया. कोर्ट ने कहा कि यह 'अजीब' है कि AIIMS सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने को तैयार नहीं था और इसके बजाय नाबालिग के संवैधानिक अधिकारों को हराने की कोशिश कर रहा था।

कोर्ट ने जताई नाराजगी

इसके बाद AIIMS ने एक क्यूरेटिव पिटीशन दायर की, जिसका जिक्र आज सुबह चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने किया गया. कोर्ट ने क्यूरेटिव पिटीशन पर विचार करने से इनकार कर दिया और दोहराया कि AIIMS महिला पर अपना फैसला नहीं थोप सकता।

कोर्ट ने कहा कि महिला को सोच-समझकर फैसला लेने की इजाजत दी जानी चाहिए. एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि भ्रूण 30 हफ्ते का था और जिंदा था, और गर्भपात से नाबालिग को ऐसा नुकसान हो सकता है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता। उन्होंने जन्म का इंतजार करने और बच्चे को गोद देने का सुझाव दिया. हालांकि, कोर्ट ने कहा कि अनचाही प्रेग्नेंसी किसी महिला पर जबरदस्ती नहीं थोपी जा सकती. जस्टिस बागची ने कहा कि सभी मेडिकल बातों की जानकारी मिलने के बाद लड़की और उसके परिवार को फैसला करना है, न कि एम्स को यह तय करना है. कोर्ट ने एम्स के डॉक्टरों को लड़की की काउंसलिंग करने और मेडिकल रिपोर्ट शेयर करने की इजाजत दी, लेकिन इंस्टीट्यूशन को अपनी बात रखने के लिए कोर्ट में वापस आने की इजाजत नहीं दी. इसी बैकग्राउंड में मौजूदा कंटेम्प्ट की कार्रवाई शुरू की गई है।

कोलकाता में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर हंगामा, धरने पर बैठे टीएमसी नेता, भाजपा के लोग भी पहुंचे

● पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद ईवीएम को स्ट्रांग रूम में रखा गया है. टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया है कि कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम के स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम के साथ गड़बड़ी का प्रयास किया जा रहा है. कुणाल घोष और शशि पांजा जैसे नेता धरना दे रहे हैं

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान संपन्न हो गये हैं और ईवीएम को स्ट्रांग रूम में रखा गया है. कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम के स्ट्रॉन्ग रूम में रखे ईवीएम में गड़बड़ी करने की कोशिश करने का आरोप टीएमसी नेताओं ने लगाया है. इसके विरोध में टीएमसी नेता शशि पांजा एवं कुणाल घोष नेताजी इंडोर स्टेडियम के बाहर स्ट्रॉन्ग रूम के सामने धरने पर बैठे हैं. वहीं, बीजेपी नेता तापस राय भी स्ट्रॉन्ग रूम के पास समर्थकों के साथ पहुंच गये हैं. बीजेपी और टीएमसी के नेता आमने-सामने हैं. दोनों पार्टी के नेताओं की ओर से नारेबाजी की जा रही है.स्ट्रॉन्ग रूम के सामने हंगामा हो रहा है. वहीं सूचना है कि ममता बनर्जी भी धरने में शामिल हो सकती हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और ईसीआई अधिकारी पार्टी के संबंधित प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बिना बैलेट बॉक्स खोलने की कोशिश कर रहे हैं

कुणाल घोष ने कहा, '...आप चुनाव आयोग की लाइवस्ट्रीमिंग और सीसीटीवी कैमरे में देख सकते हैं कि कुछ लोग अंदर काम कर रहे हैं. हमारा कोई भी प्रतिनिधि अंदर नहीं है...वे हमें अंदर नहीं जाने दे रहे हैं।

वे हमसे दूसरे उम्मीदवारों से बात करने के लिए कह रहे हैं. हम दूसरे उम्मीदवारों की जिम्मेदारी क्यों लें?...' शशि पांजा ने कहा, '...हमें चिंता है. कोई हेरफेर नहीं होना चाहिए. हमें यह सब क्यों नहीं दिखाया जा रहा है? '

ईवीएम को लेकर टीएमसी ने लगाए आरोप

बंगाल में दूसरे फेज की वोटिंग पिछले बुधवार को हुई थी. वोटिंग के बाद ईवीएम को खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया था. कुणाल घोष ने कहा, दोपहर 3:30 बजे तक स्ट्रॉन्ग रूम के सामने पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक थे. दोपहर के करीब उन्हें हटा दिया गया

इस बीच, अचानक एक ई-मेल भेजा गया जिसमें बताया गया कि स्ट्रॉन्ग रूम शाम 4 बजे फिर से खुलेगा. फिर हमने पार्टी कार्यकर्ताओं से फोन पर संपर्क किया. हमने पूछा, क्या तुम लोग वहां हो? उन्होंने कहा, चले गए हैं. फिर हम दोनों आए. अब वे हमें अंदर नहीं जाने दे रहे हैं।

4 मई को विधानसभा चुनाव का रिजल्ट

बता दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान हुआ है. अब 4 मई को मतों की गणना होगी. मतों की गणना के लिए बंगाल में 77 काउंटिंग सेंटर बनाए गए हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

छात्रवृत्ति का चौथा चरण शुरू, 13 मई तक पूरी करें प्रक्रिया

देवरिया। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए चतुर्थ चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति तक की पूरी प्रक्रिया इसी चरण में पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय एवं संबद्ध एजेंसियों द्वारा छात्र संख्या के सत्यापन तथा अपात्र छात्रों, पाठ्यक्रमों व संस्थानों को ब्लॉक करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। वहीं, आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 29 अप्रैल से 6 मई तक का समय दिया गया है। छात्रों को संशोधित आवेदन की हार्ड कॉपी आवश्यक दस्तावेजों के साथ संस्थान में जमा करनी होगी। संस्थानों द्वारा आवेदन सत्यापन एवं अग्रसारण की प्रक्रिया 13 मई तक पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने सभी शिक्षण संस्थानों से समय-सारिणी का पालन सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि कोई भी पात्र छात्र लाभ से वंचित न रहे।

1 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

देवरिया, 30 अप्रैल। जनपद में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत रुद्रपुर पुलिस ने एक युवक को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 29 अप्रैल की रात संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर नाथ बाबा मंदिर के पीछे सहनकोट जाने वाले मार्ग से सुनील निषाद (20) निवासी बेलकुंडा, थाना रुद्रपुर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 1 किलो 7 ग्राम अवैध गांजा, 760 रुपये नकद, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। इस संबंध में रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। टीम में उपनिरीक्षक ज्ञान प्रकाश शुक्ला, हेड कांस्टेबल विनोद शर्मा, कांस्टेबल राजेश यादव, मनोज सिंह और पवन चौधरी पुलिसकर्मी शामिल रहे।

महाकुंभ भगदड़: हाईकोर्ट ने कहा- मुआवजा दावों का फैसला 30 दिन में जिला प्रशासन करे, आयोग नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनवरी 2025 के महाकुंभ मेला भगदड़ मामले में स्पष्ट किया है कि पीड़ितों को अनुग्रह (e& gratia) मुआवजा देने के दावों का निपटारा राज्य द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा, और यह प्रक्रिया 30 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस सत्य वीर सिंह की खंडपीठ संजय कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या) को हुई भगदड़ में उनके रिश्तेदार की मौत पर मुआवजा मांगा गया था।

अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजा दावों का निपटारा करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग का कार्य केवल घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करना, भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के सुझाव देना और प्रशासनिक समन्वय की समीक्षा करना है।

कोर्ट ने यह भी नोट किया कि राज्य सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल मनीष गोयल ने भगदड़ की घटना से इनकार नहीं किया और कुछ मृतकों के आश्रितों को पहले ही मुआवजा दिए जाने की बात सामने आई। ऐसे में आयोग द्वारा यह जांच करना कि भगदड़ हुई या नहीं, आवश्यक नहीं है।

बेंच में मतभेद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अदालत ने निर्देश दिए कि सभी मुआवजा दावे जिला प्रशासन/मेलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं, जहां प्रत्येक मामले में मृत्यु या क्षति के तथ्यों का सत्यापन किया जाएगा। पुलिस की इनक्वेस्ट रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को, जब तक विपरीत साक्ष्य न हो, प्रमाणिक माना जाएगा। साथ ही, मेलाधिकारी को प्रत्येक दावे पर 30 दिनों के भीतर अंतिम निर्णय लेना होगा। वर्तमान मामले में अदालत ने पाया कि मृतक की इनक्वेस्ट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट उपलब्ध हैं और विवादित नहीं हैं। इसलिए कोर्ट ने मेलाधिकारी को तीन सप्ताह के भीतर निर्णय लेने और 7 मई तक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

हज यात्रा का बजट गड़बड़ाया यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए जमा करनी होगी अब अतिरिक्त रकम

आगरा। भारतीय हज समिति ने हवाई किराए में 10 हजार रुपये की वृद्धि कर दी है। यह फैसला तब आया है जब आगरा समेत देश से हज फ्लाइटें मक्का मुकर्रमा और मदीना मुनव्वरा के लिए उड़ान भर रही हैं। कई काफिले वहां पहुंच चुके हैं। वहीं, कई हज यात्रा पर रवानगी के लिए दुआ कर रहे हैं। ऐसे में हवाई किराया बढ़ाने से हज यात्रा पर जाने वाले परेशान हैं। अधिकांश लोग हज पर परिवार के साथ जाते हैं। जिनकी संख्या दो से अधिकतम पांच तक होती है। ऐसे में अतिरिक्त किराया उनका बजट बिगाड़ रहा है। बढ़ा हुआ किराया हज यात्रियों को 15 मई तक जमा कराना है। आगरा से इस वर्ष 392 हज यात्री जाने हैं। जिसमें 40 प्रतिशत लोग रवाना हो चुके हैं। हज पर रवाना हो चुके लोगों को भी यह रकम जमा करानी होगी। हिंदुस्तानी बिरादरी के अध्यक्ष डा. सिराज कुरैशी कहते हैं कि जब हज का बजट कई महीने पहले फाइनल हो गया था, अब आखिरी समय में यह क्यों बढ़ाया गया है। वह कहते हैं कि ऐसे कई लोग हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने जैसे-तैसे हज यात्रा के लिए पूंजी का इंतजाम किया था। अचानक 10 हजार रुपये हवाई किराया बढ़ाने से उनका बजट बिगड़ गया है।

मणिपुर एसडीपीओ हत्या: एनआईए ने मुख्य आरोपी ओतखोथांग बैते को पकड़ा, हिंसा के बीच बड़ी कामयाबी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को मणिपुर में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की ओर से किए गए हमले में एक सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी की 2023 में हुई हत्या के मामले में एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम ओतखोथांग बैते उर्फ ओथांग बैते है, जो मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के मोरेह का रहने वाला है। एक खेल के मैदान में जिला पुलिस टीम पर संदिग्ध कुकी उग्रवादी समूह के सदस्यों द्वारा किए गए हमले की साजिश में शामिल था. पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा के चरम पर होने के दौरान 31 अक्टूबर 2023 को उग्रवादियों ने जिला पुलिस टीम पर गोलीबारी की थी. इस हमले में मोरेह के एसडीपीओ चिंगथम आनंदकुमार सिंह के पेट में गोली लगी थी, जिसके बाद चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

मोरेह पुलिस ने दर्ज किया था केस

मोरेह पुलिस ने इस मामले में एक केस दर्ज किया था, जिसे मार्च 2024 में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया. जांच के दौरान एनआईए ने पाया कि इस साजिश का मकसद मणिपुर में आतंक फैलाना था. इस आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने इसी महीने की शुरुआत में इस मामले में एक अन्य आरोपी, कामगिनथांग गांगते को भी गिरफ्तार किया था. इस मामले में रजिस्टर्ड केस RC-02/2024/एनआईए/आईएम पी में जांच अभी भी जारी है।

मणिपुर हिंसा अब कैसे हैं हालात?

मणिपुर में जातीय हिंसा अभी भी जारी है, हालांकि पूर्ण पैमाने पर युद्ध जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन अप्रैल 2026 में नई घटनाओं से तनाव बढ़ा हुआ है. 7 अप्रैल को बिशनुपुर जिले के त्रोंगलाओबी गांव में एक घर पर रॉकेट/बम हमला हुआ. इसमें मेइती समुदाय के 5 साल के लड़के और 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई, उनकी मां घायल हुई. इस घटना ने घाटी क्षेत्र में आक्रोश भड़का दिया. इसके बाद प्रोटेस्ट हुए, सीआरपीएफ कैंप पर हमला, पुलिस फायरिंग में 3 लोगों की मौत और दर्जनों घायल हुए. इंटरनेट बंदी और कर्फ्यू लगाया गया है. तमाम कोशिशों के बाद भी मणिपुर में शांति स्थापित नहीं हो पा रही है।

एएमयू में प्रैक्टिकल एग्जाम के दौरान छात्र ने काटा बवाल

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस विभाग में प्रायोगिक परीक्षा के दौरान बुधवार को जमकर बवाल हुआ। एक छात्र ने अनुशासनहीनता की सारी हदें पार करते हुए कर्मचारियों व शिक्षकों के साथ मारपीट की। परीक्षा कक्ष का गेट बंद कर लिया। जिससे छात्राएं बेहोश हो गई। आरोपित के पक्ष में एक शिक्षक भी पहुंच गए। उनकी कुलपति से शिकायत हुई है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्र को निलंबित कर प्रवेश पर रोक लगा दी है। लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस विभाग में बुधवार को कंप्यूटर लैब में प्रैक्टिकल परीक्षा चल रही थी। आरोप है कि परीक्षा के दौरान ही बीलिब के छात्र सैयद आबिद हैदर ने हंगामा करना शुरु कर दिया। प्राक्टर प्रो. नवेद खान के अनुसार लैब इंचार्ज मोहम्मद आसिफ खान और परीक्षकों और फैकल्टी सदस्यों के साथ मारपीट की। छात्र ने कुर्सियां फेंकीं, छात्राओं के साथ धक्का-मुक्की की और परीक्षा कक्ष को बाहर से बंद कर दिया, जिससे छात्राएं अंदर फंस गई। कई छात्रों की तबीयत बिगड़ गई, कुछ को घबराहट और बेहोशी की शिकायत हुई, जिसके चलते एंबुलेंस बुलानी पड़ी।

रिटायरमेंट के बाद भी कार पर लगाया था सरकारी चिन्ह, विभाग ने पूर्व डी जीपी पर लगा दिया जुर्माना

» पूर्व पुलिस प्रमुख जब विजिलेंस से जुड़े केस की सुनवाई के सिलसिले में एक कोर्ट में पेश हुए. उस दौरान उनकी गाड़ी की नंबर प्लेट के पास एक आधिकारिक सरकारी चिन्ह लगा हुआ पाया गया. यह चीज तेजी से सुर्खियों में आ गई, जिसके बाद परिवहन विभाग को जुर्माना लगाना पड़ा

केरल में नियमों की अवहेलना के आरोप में रिटायर पुलिस महानिदेशक पर जुर्माना लगाया गया है. आधिकारिक सूत्रों ने कल बुधवार को बताया कि पूर्व डी जीपी टॉमिन जे. थाचनकरी पर मोटर वाहन विभाग ने 250 रुपये का जुर्माना लगाया है. उन पर आरोप है कि रिटायर होने के बाद भी वे अपनी कार पर आधिकारिक निशान का इस्तेमाल कर रहे थे।

सूत्रों ने बताया कि परिवहन आयुक्त की ओर से निर्देश जारी किए जाने के बाद विभाग की प्रवर्तन शाखा ने यह कार्रवाई की. यह मामला तब सुर्खियों में आया, जब हाल ही में थाचनकरी विजिलेंस से जुड़े एक केस की सुनवाई के सिलसिले में कोट्टायम की एक कोर्ट में पेश हुए. उस दौरान उनकी गाड़ी की नंबर प्लेट के पास एक आधिकारिक प्रतीक लगा हुआ पाया गया।

यह ड्राइवर की गलती: पूर्व डी जीपी थाचनकरी

टेलीविजन चैनलों की रिपोर्ट के अनुसार, जब इस बात की ओर ध्यान दिलाया गया, तो गाड़ी से उस प्रतीक को हटाने की कोशिश की गई और उसे तुरंत वहां से हटा दिया गया। सूत्रों का कहना है कि पूर्व डी जीपी थाचनकरी ने जुर्माना भर दिया है मोटर वाहन विभाग के सूत्रों ने बताया कि पूर्व डी जीपी थाचनकरी ने दावा किया कि यह ड्राइवर की गलती थी और वे कार पर कोई 'थ्री-स्टार' बोर्ड लगाकर यात्रा नहीं कर रहे थे. थाचनकरी, जो केरल पुलिस में पुलिस महानिदेशक के पद पर थे और करीब 3 साल पहले ही पुलिस सेवा से रिटायर हो गए थे।

भारतीय कृषि एक अहम मोड़ पर: अब बदलने का समय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आज भारतीय खेती एक ऐसे दौर में खड़ी है, जहाँ बदलाव जरूरी हो गया है। मौसम अब पहले जैसा नहीं रहा। कभी बारिश समय पर नहीं होती, कभी जरूरत से ज्यादा हो जाती है। तापमान भी लगातार बढ़ रहा है। इन सबका सीधा असर खेती और किसानों की कमाई पर पड़ रहा है। सिर्फ मौसम ही नहीं, हमारी कुछ खेती की आदतें भी परेशानी बढ़ा रही हैं। जैसे जरूरत से ज्यादा पानी इस्तेमाल करना, रासायनिक खादों पर ज्यादा निर्भर रहना और पराली जलाना। इससे मिट्टी कमजोर हो रही है और पर्यावरण पर भी बुरा असर पड़ रहा है। धीरे-धीरे इससे फसल की पैदावार भी कम हो सकती है।

भारत में बहुत बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है। लेकिन यही क्षेत्र मौसम के बदलाव से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। अगर मानसून कमजोर पड़ जाए या अचानक गर्मी बढ़ जाए, तो इसका असर सिर्फ खेत तक नहीं रहता–किसानों की आय, बाजार के दाम और पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। ऐसे में अब 'जलवायु के हिसाब से खेती' अपनाना जरूरी हो गया है। इसका मतलब है पानी का सही इस्तेमाल, मौसम के अनुसार फसल चुनना, मिट्टी की सेहत बनाए रखना और पराली जलाने से बचना। ये छोटे-छोटे कदम आगे चलकर बड़ा फर्क ला सकते हैं। अच्छी बात ये है कि इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। कई संस्थाएं किसानों को नई तकनीकें सिखा रही हैं। सरकार भी कई योजनाओं के जरिए मदद कर रही है।

जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत पानी बचाने पर जोर दिया जा रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को पता चलता है कि खेत में किस तरह की खाद कितनी मात्रा में डालनी है। परंपरागत कृषि विकास योजना से जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन मौसम के असर को कम करने पर काम करता है, और फसल बीमा योजना मुश्किल समय में किसानों को आर्थिक सहारा देती है।

दिशा सही है, लेकिन काम को और तेजी से आगे बढ़ाने की जरूरत है। क्योंकि मौसम तेजी से बदल रहा है, तो हमें भी उतनी ही जल्दी कदम उठाने होंगे।सीधी बात है- आज जो फैसले हम लेंगे, वही कल की खेती तय करेंगे। अगर अभी सही कदम उठाए गए, तो हम किसानों को मजबूत बना सकते हैं, खाने की सुरक्षा बनाए रख सकते हैं और गांव की अर्थव्यवस्था को बेहतर कर सकते हैं। **अब समय है-** किसानों का साथ देने का, पर्यावरण को बचाने का और सही दिशा में आगे बढ़ने का।

डॉ. नवाज़ अहमद खान- प्रोफेसर
आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

संक्षिप्त खबरें

बेटी मदीहा इमरान ने रचा इतिहास, आईसीएसई (ICSE) 10वीं में जिला टॉप- स्कूल का परिणाम 100%

अमेठी। जनपद के लिए गर्व और उत्साह की खबर सामने आई है। जिले की होनहार छात्रा मदीहा इमरान ने ICSE बोर्ड की 10वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला टॉप कर इतिहास रच दिया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि ने पूरे अमेठी का मान बढ़ा दिया है।मदीहा इमरान, Chris The King School की छात्रा हैं। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, यानी परीक्षा में शामिल सभी छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए। यह उपलब्धि विद्यालय की उच्च स्तरीय शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन और समर्पित शिक्षकों का प्रमाण है।अमेठी के सत्थिन कस्बे की रहने वाली मदीहा की इस सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में गर्व का माहौल है। शिक्षकों के अनुसार मदीहा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने नियमित अध्ययन, बेहतर समय प्रबंधन और स्पष्ट लक्ष्य के साथ तैयारी कर यह मुकाम हासिल किया।विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मदीहा सहित सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। उनका कहना है कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।मदीहा इमरान की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जिले के लिए प्रेरणादायक बन गई है।

खेलने निकला किशोर लापता, गुमशुदगी दर्ज

बलरामपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक 17 वर्षीय किशोर के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। बेटे के घर न लौटने पर परेशान मां ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। मोहल्ला पुरैनिया तालाब, सराय फाटक रोड निवासी फूलजहां पत्नी मुसीर आलम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका करीब 17 वर्षीय बेटा सर्फराज आलम 27 अप्रैल की शाम चार बजे घर से खेलने के लिए निकला था। रात तक वापस न आने पर परिवार वालों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में भी खोजबीन की गई, लेकिन किशोर का कहीं कोई सुराग नहीं मिला। बेटे के अचानक गायब होने से परिवार गहरे सदमे में है। पीड़ित मां ने थाने में लिखित शिकायत देकर बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए शीघ्र बरामदगी की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई है कि बेटे के साथ कोई अनहोनी भी हो सकती है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। किशोर की तलाश शुरू कर दी गई है। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन के साथ-साथ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को भी लापता किशोर के बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस हेल्पलाइन पर सूचित करें, ताकि जल्द से जल्द उसे सुरक्षित वापस लाया जा सके।

बलरामपुर में बाइकों की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत, मरने वालों में एक नाबालिग भी शामिल

बलरामपुर। मंगलवार देर रात उतरौला मार्ग पर स्थित गालिबपुर के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में बलुहा मोहल्ला निवासी आशीष सोनी (22), बड़ापुल खलवा दक्षिणी निवासी सूरज कश्यप (20) और इमलिया रज्जाक गांव निवासी 17 वर्षीय आकाश वर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जांच में सामने आया है कि टक्कर के वक्त किसी भी युवक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जो उनकी जान जाने का एक प्रमुख कारण बना। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले 17 वर्षीय आकाश वर्मा के नाबालिग होने की भी पुष्टि हुई है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी का एक और भ्रष्टाचार हुआ उजागर

● सुविधा शुल्क लेकर नियम विरुद्ध तरीके से ईसीसीई एजुकेटरों का किया ट्रान्सफर

तेजतर्रार ए0डी0 बेसिक के आँखों में धूल झोंकने से जरा सा बाज नहीं आए बेसिक शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जनपद में बेसिक शिक्षा अधिकारी का एक नया भ्रष्टाचार प्रकाश में आया है जहाँ पर सुविधा शुल्क लेकर नियम विरुद्ध तरीके से दो ईसीसीई एजुकेटरों का स्थानातरण कर दिया गया है जबकि शासन स्तर से ईसीसीई एजुकेटरों के स्थानान्तरण की कोई व्यवस्था नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार अभी जल्द ही शासन द्वारा प्री प्राइमरी बच्चों को पढ़ाने हेतु ईसीसीई एजुकेटरों की नियुक्ति की गयी है। शासन द्वारा उनके स्थानान्तरण की अभी कोई व्यवस्था नहीं है फिर भी बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सुविधा शुल्क लेकर नियम विरुद्ध तरीके से अन्यत्र जगह पर स्थानान्तरण कर दिया गया जिसकी जनपद में जोरों शोर से चर्चा है। स्थानान्तरण के क्रम में शिखा पान्डेय ईसीसीई एजुकेटर को प्राथमिक विद्यालय सहिजनपुर से उनके घर के समीप के विद्यालय प्राथमिक विद्यालय बढ़या व श्वेता शुक्ला को सं0 वि0 हसनी विकास क्षे0 रुधौली से सं0 वि0 बनकटी विकास क्षेत्र बनकटी में किया गया है।

स्थानान्तरण का यह गोपनीय खेल सुविधा शुल्क लेकर सुविधा प्रदान किया गया है जबकि स्थानान्तरण की बाट जोह रहे अन्य ईसीसीई एजुकेटरों को निराशा हाथ लगी है। ईसीसीई एजुकेटरों का यह नियम विरुद्ध स्थानान्तरण का खेल बीएसए कार्यालय के भ्रष्टाचार का पोल खोलने के लिए काफी है। यह बेसिक शिक्षा अधिकारी व उनके कार्यालय से जुड़े बाबुओं का कोई पहला व अंतिम भ्रष्टाचार नहीं है बल्कि बेसिक शिक्षा अधिकारी के भ्रष्टाचारों की लंबी चौड़ी सूची है जो इनके जनपद में लम्बे कार्यकाल का प्रतिफल है। अभी कुछ दिन पूर्व विकास खण्ड बहादुरपुर में इसी प्रकार शासनादेशों के विपरीत शिक्षा मित्र व अनुदेशकों का सम्बद्धीकरण किया गया था परन्तु जब प्रकरण महानिदेशक स्कूल शिक्षा के संज्ञान में आया तो जल्दबाजी में संबद्धीकरण समाप्त कर दिया गया अब देखना यह है कि बेसिक शिक्षा अधिकारी नियम विरुद्ध किया गया स्थानान्तरण आदेश निरस्त करते हैं या फिर नया स्थानान्तरण सुविधा शुल्क लेकर यूँ ही करते रहेंगे और विभाग के जिम्मेदार उच्चाधिकारी आँखे मूँद मूकदर्शक बने रहेंगे।

श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माणका रास्ता साफ, 2 करोड़ रूपये स्वीकृत

बस्ती। बस्ती जिले के विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी की पहल पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। धर्मार्थ कार्य निदेशालय वाराणसी के सचिव के पत्र के आधार पर बस्ती के तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा भेजे गये पांच विन्दुओं की आख्या के आधार पर पर्यटन विभाग द्वारा कार्य हेतु 2 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिल गयी है। यह जानकारी देते हुये विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि उन्होने वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र देकर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर के निर्माण और सौन्दर्यीकरण कराने की मांग किया था। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और कारिडोर निर्माण की घोषणा भी कर दिया। धन स्वीकृति के बाद कारीडोर निर्माण आरम्भ हो जायेगा। सौरभ त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर कारिडोर निर्माण और सौन्दर्यीकरण से श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का विकास भी और तेजी से होगा।

छत्रपति शिवाजी पर धीरेन्द्र शास्त्री की अभद्र टिप्पणी से भड़की भारतीय समता मूलक महासभा

● राज्यपाल को भेजा ज्ञापनः धीरेन्द्र शास्त्री के गिरफ्तारी की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में गुरूवार को भारतीय समता मूलक महासभा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह पटेल और जिलाध्यक्ष विजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में महासभा पदाधिकारियों ने राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि कथाकार धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के संदर्भ में की गई अभद्र टिप्पणी के संबंध में उनके विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराते हुये गिरफ्तार कर जेल भेजा जाय।

ज्ञापन देने के बाद महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष आर.के. सिंह पटेल ने कहा कि 25 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस द्वारा आयोजित भद्र दुर्ग शक्ति स्थल के शिलान्यास समारोह के दौरान कथाकार धीरेंद्र शास्त्री ने 'हिंदवी स्वराज' के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नीचा दिखाने का दुष्प्रयास करते हुए कहा कि जब शिवाजी महाराज युद्ध करते हुए बहुत थक गए थे तो उन्होंने समर्थ गुरु रामदास के चरणों में अपना मुकुट सौंपते हुए कहा कि अब आप अपना साम्राज्य संभालिए। धीरेन्द्र शास्त्री का यह वक्तव्य झूठा एवं काल्पनिक है। धीरेंद्र शास्त्री के इस मनगढ़ंत बयान से पूरे भारत के आम जनमानस में गहरा आक्रोश व्याप्त है। कहा कि भारतीय समता मूलक महासभा उनके इस बयान का कडे शब्दों में निन्दा करते हुये मांग करती है कि धीरेन्द्र शास्त्री के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर उन्हें गिरफ्तार कराया जाय।

राज्यपाल को ज्ञापन भेजने के दौरान मुख्य रूप से भारतीय समता मूलक महासभा के बद्री प्रसाद चौधरी, ई. के.सी. चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, सुग्रीव यादव, घनश्याम चौधरी, अहमद रजा, अशोक कुमार चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, लालचंद वर्मा, राम सुरेश चौधरी, विद्या सागर, संजय चौधरी, डा. श्यामनरायन आदि शामिल रहे।

बस्ती के स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन

» 5 से 7 मई तक शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में होंगे कार्यक्रम-राना दिनेश प्रताप सिंह

» बस्ती के स्थापना दिवस पर वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंगुरूवार को स्टेडियम परिसर में विधि विधान से वशिष्ठ महोत्सव के लिये भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। अयोध्या धाम के आचार्य धनंजय मिश्र, आचार्य विवेक तिवारी की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने पूजन अर्चन किया। मुख्य अतिथि गायत्री मंदिर बस्ती के पारिब्राजक पंडित राम प्रसाद त्रिपाठी ने समारोह के सफलता की कामना करते हुए कहा कि अपने जिले स्थापना दिवस मनाया जाना गौरव की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार शीघ्र ही बस्ती का नाम बदल कर वशिष्ठ नगर करेगी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि 05,06 और 07 मई को शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य वशिष्ठ महोत्सव आयोजित होगा।

श्री राना ने कहा कि महर्षि वशिष्ठ जी की पावन भूमि का स्वर्णिम इतिहास सनातन धर्म की गौरव गाथा है। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय खो खो, जनपदीय हैंडबॉल, वालीबाल, कबड्डी प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक संध्या का अदभुद संगम होगा। उन्होंने जनपद वासियों से अपील किया कि कार्यक्रम में सपरिवार पधार कर समारोह का हिस्सा बनें।

समारोह में ओलंपिक संघ के जिला सचिव अजय श्रीवास्तव, राष्ट्रीय खिलाड़ी हिना खातून, विकास कुमार कोच, प्रभाकर ओझा, राम सिंह, मनोज सिंह, चंद्र मणि मिश्र, राजेश त्रिपाठी, रणजीत सिंह, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश चौधरी, विजय सेन सिंह, अनिल श्रीवास्तव, विजय दूबे , विवेक सिंह, रणविजय गौतम, संजय पाण्डेय, विजय श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, अखिलेश गुप्ता, गौरी शंकर तिवारी, संजय कसौधन, धर्मेंद्र चौधरी, सुधीर सिंह, राजन उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा का 01 मई को आगमन

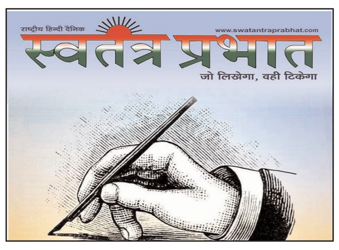

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा 01 मई को अपने एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान जनपद प्रतापगढ़ आयेंगी। महिला आयोग की सदस्य पूर्वान्ह 10 बजे निरीक्षण भवन गेस्ट हाउस प्रतापगढ़ आयेंगी, पूर्वान्ह 11.15 बजे (जीआईसी/श्रीराम चौराहा) धम्म शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी, अपरान्ह 1.20 बजे सुगतानन्द बुद्ध बिहार चिलबिला में अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा में शोभा यात्रा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी। अपरान्ह 2.15 बजे निरीक्षण भवन गेस्ट हाउस प्रतापगढ़ आयेंगी, उसके उपरान्त प्रयागराज के लिये प्रस्थान करेंगी।

गांव से बारात लेकर गया अधेड़ गायब, हाइवे किनारे संदिग्ध परिस्थिति में मिला

● जला शव ग्रामीणों में आक्रोश

● ग्रामीणों का फूटा गुस्सा पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी कानून व्यवस्था ध्वस्त गरीबों का हो रहा उत्पीड़न

● चौकी इंचार्ज जी मृतक के पिता को सुबह से लेकर शाम तक चौकी में बैठ कर 50000 की मांग किया बस्ती जिले में पुलिस का अस्तर गिर चुका है बिना रिश्वत के कोई कार्य नहीं होता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केछावनी थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक चालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। मामले की संवेदनशीलता और तनाव को देखते हुए प्रशासन ने मौके पर पांच थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी है। बुधवार रात में छावनी के रमहटिया गाँव के पास स्थित टावर के पास राहगीरों ने एक शव पड़ा देखा जिसकी शिनाख्त 50 वर्षीय गया प्रसाद वर्मा पुत्र राम सुजग वर्मा निवासी शंकरपुर कुचनपुरवा के रूप में हुई है। मृतक पेशे से चालक था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शव पर जलने के फफोले के निशान पाए गए हैं, जिससे यह मामला सड़क दुर्घटना का नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में स्थानीय लोग और स्वजन मौके पर एकत्रित हो गए और हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख सीओ ने सर्किल व समीपवर्ती थानों से अतिरिक्त बल बुला लिया। वर्तमान में छावनी समेत पांच थानों की पुलिस फोर्स भारी संख्या में मौके पर मौजूद है। मृतक के पिता राम सुजग वर्मा ने विक्रमजोत चौकी इंचार्ज पर हत्या कराने व पड़ोसी से विवाद में पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक पर गांव की एक लड़की ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए पुलिस चौकी विक्रमजोत से शिकायत की थी। उसी मामले की जांच में पुलिस मृतक घर गई थी। आरोपित घर पर नहीं मिला था। सीओ हरैया

स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि स्वजन की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। पांच थानों की पुलिस सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात हैं। फोरेंसिक, स्वाट व सर्विलांस टीमें काम कर रही हैं। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।बता दें कि चालक गया प्रसाद मंगलवार की रात्रि में वाहन लेकर अपने गांव से बारात लेकर परसरामपुर थाना क्षेत्र के कैथी गांव गया था और देर रात्रि वहां से वाहन सहित गायब हो गये। सूचना मिलने पर स्वजन भी खोजबीन में जुट गये । गया प्रसाद की मोबाइल बंद बता रही थी और रमघटिया के पास हाइवे के बगल उसका शव अधजला मिला।

एडीओ पंचायत ने अपने सुविधा के अनुसार कुछ सफाईकर्मियों के कार्य क्षेत्र में किया बदलाव

● ग्राम पंचायत महुआ लखनपुर के 02 राजस्व गांवों में 06 सफाईकर्मियों की हुई थी तैनाती

● एडीओ पंचायत ने 04 सफाईकर्मियों का स्थानांतरण करने के बजाय एक सफाईकर्मी का किया स्थानांतरण

● डियूटी से गायब रहने वाले सफाईकर्मियों से प्रतिमाह वसूली करते हैं एडीओ पंचायत कप्तानगंज- सूत्रकार्य नहीं होता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज विकासखंड के सहायक विकास अधिकारी (एडीओ पंचायत) सुशील कुमार श्रीवास्तव ने अपने सुविधा शुल्क के अनुसार कुछ सफाईकर्मियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया है । एडीओ पंचायत ने ग्राम पंचायत महुआ लखनपुर में 02 राजस्व गांवो में 06 सफाईकर्मियों की तैनाती किया था जिसको लेकर कई बार सम्मानित समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित हुई थी सोशल मीडिया पर वायरल खबरों का संज्ञान लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर ने महुआ लखनपुर में राजस्व गांवों से अधिक सफाईकामियों को स्थांतरित करने का निर्देश दिया था लेकिन एडीओ पंचायत ने डीपीआरओ के निर्देश को दरकिनार करके 04 सफाईकर्मियों का स्थानांतरण करने के बजाए मात्र 01 सफाई कर्मी का स्थानांतरण किया है जिस सफाई कर्मी का स्थानांतरण हुआ है वही सफाईकर्मी निरन्तर डियूटी करता था। स्थानांतरित सफाईकर्मी का स्थानांतरण इसीलिए एडीओ पंचायत ने किया है कि जब सभी सफाईकर्मी डियूटी पर नही आते हैं तो एक सफाईकर्मी का डियूटी पर आने से कोई मतलब नहीं है क्योंकि प्रतिदिन डियूटी पर आने वाला सफाईकर्मी अन्य डियूटी से गायब सफाईकर्मियों की पोल खोल देगा ।सूत्रों की माने तो सरकारी शासनादेश के अनुसार एक राजस्व गांव में एक ही सफाई कर्मी की नियुक्ति होनी चाहिए। ग्राम पंचायत महुआ लखनपुर में 02 राजस्व गांवो में 06 सफाईकर्मियों की तैनाती करना ही एडीओ पंचायत के बड़े भ्रष्टाचार का संकेतक है।

ग्राम पंचायत महुआ लखनपुर समेत अन्य लगभग एक दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में सफाईकर्मियों की तैनाती में बड़ा खेल किया है। कुछ ग्राम पंचायतों में राजस्व गांव अधिक है वहां राजस्व गांवों की अपेक्षा सफाईकर्मियों की तैनाती कम है और जहां राजस्व गांव कम है वहां सफाईकर्मियों की तैनाती ज्यादा है।

सूत्रों की माने तो कप्तानगंज में एक दर्जन से अधिक सफाईकर्मियों को नेतागिरी करने की

छूट दी गई है चाहे वह सफाई घर पर बैठकर, जिला मुख्यालय पर बैठकर, सरकारी कार्यालयों में बैठकर नेतागिरी करता हो। एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव के लापरवाही/मनमानी से सफाई कर्मियों की तैनाती व डियूटी में बड़ा खेल चल रहा है और ग्राम पंचायतों में साफ सफाई की व्यवस्था पूरी तरह चौपट होती जा रही है लेकिन एडीओ पंचायत को मात्र अपने जेब भरने की चिन्ता सता रही है । एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव के भ्रष्टाचार को लेकर जल्द ही उच्च अधिकरियों से शिकायत करने की तैयारी चल रही है क्योंकि जब तक एडीओ पंचायत के कारनामों को उजागर नहीं किया जायेगा तब तक ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मी नियमित डियूटी नही करेंगे और न ही ग्राम पंचायतों में साफ सफाई की व्यवस्था ठीक होगी। उक्त प्रकरण में जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो जिला पंचायत राज अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा

» चोरी की 05 मोटरसाइकिल के साथ 04 अभियुत गिरतार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान 05 मोटरसाइकिलों के साथ 04 अभियुक्तों नावेद पुत्र मैनुद्दीन निवासी तिलोई थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 32 वर्ष, बबलू पुत्र नकछेद निवासी चेतरा थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 24 वर्ष, छेद्दू उर्फ दन्दू पुत्र कन्हैया लाल निवासी पूरे विश्राम मजरे पाकरगांव थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 30 वर्ष, वीरेन्द्र पुत्र मोतीलाल निवासी चेतरा बुजुर्ग थाना मोहनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। मोटरसाइकिलों के कागज मांगने पर दिखा न सके। अभियुक्तों के कब्जे व मौके से कुल 05 मोटरसाइकिलें बरामद हुई। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि वह सभी लोग एक दूसरे को जानते पहचाते हैं और

सभी लोग मिलकर चोरी करते हैं । अपाचे मोटरसाइकिल सं0 (यूपी 32 एमजेड 8974) को जनपद लखनऊ से, अपाचे मोटर साइकिल सं0 (यूपी 36 के 5495) दिनांक 29.04.2026 को थानाक्षेत्र मोहनगंज चेतरा में आयी बरात से, हीरो मोटरसाइकिल सं0 (यूपी 36 एन 5281) को दिनांक 29.04.2026 थानाक्षेत्र मोहनगंज के पूरे विश्राम मजरे पाकरगाँव से, हीरो सुपर स्पेलेण्डर बिना नम्बर प्लेट को रास्ते से एवं हीरो स्पेलेण्डर प्रो साइकिल सं0 (यूपी 33 एई 5792) को थानाक्षेत्र मोहनगंज के तिलोई के कब्रिस्तान के पास से चोरी किये थे । बरामदगी के आधार पर उपरोक्त अभियोगों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।इस सराहनीय कार्य हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस टीम को 15,000 रु नकद पुरस्कार की घोषणा की गई।

बलरामपुर रोजगार मेले में 141 अभ्यर्थियों का सेलेक्शन, 373 लोगों ने लिया हिस्सा

बलरामपुर। बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से जिला सेवा योजन विभाग की से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इसमें 141 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी मीता गुप्ता ने बताया कि रोजगार मेले में डीएसईटीएस प्राइवेट लिमिटेड, आरआर मैनपावर प्रा. लि., डिक्शन टेक्नोलाजी कंपनी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अभ्यर्थियों को जॉब प्रोफाइल, आकर्षक सैलरी पैकेज, पोस्टिंग लोकेशन, वर्किंग आवर्स समेत अन्य की जानकारी दी। मेले में कुल 373 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें साक्षात्कार के बाद 141 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों के लिए चयन किया गया। राजकीय प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. सनत कुमार पांडेय ने चयनित अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से स्थानीय युवाओं को घर के नजदीक रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

बलरामपुर एसपी ने देर रात किया निरीक्षण:कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने, सुरक्षा व्यवस्था पर सख्ती के निर्देश

बलरामपुर। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने देर रात सर्किल नगर क्षेत्र के विभिन्न रात्रि ड्यूटी एवं पिकेट प्वाइंटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, सतर्कता और ड्यूटी के प्रति गंभीरता का बारीकी से जायजा लिया।एसपी ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पिकेट ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर उन्हें रात्रि गश्त के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।एसपी ने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।विकास कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पुलिसकर्मी निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहें और पूरी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।उन्होंने रात्रि गश्त के दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद बनाए रखने का भी निर्देश दिया, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल मिल सके। एसपी ने अधिकारियों को क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम रखने को कहा।इस औचक निरीक्षण के दौरान संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। उन्हें सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना प्रभारी जेठवारा पंकज कुमार राय के नेतृत्व में उ0नि0 वारिज मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर अन्तर्गत धारा 87/64/127 (2)बीएनएस थाना जेठवारा, जनपद प्रतापगढ से संबंधित वांछित अभियुक्त संदीप वर्मा पुत्र ओमकार नाथ वर्मा निवासी ग्राम बुढ़ियापुर थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 25 वर्ष को थाना जेठवारा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बुढ़ियापुर व ग्राम तिलहर के मध्य स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

शान्ति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत एसपी अमेठी द्वारा जनपद भ्रमण कर लिया गया सुरक्षा का जायजा

» 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा कस्बा गौरीगंज व कस्बा जायस में की गयी संदिग्ध व्यतियों एवं वाहनों की चेकिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं आमजनमानस में सुरक्षा व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा चलाये जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत रात्रि में एसपी अमेठी द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान स्वयं, कस्बा गौरीगंज व कस्बा जायस में पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई तथा ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बनाये गये चेकिंग प्वाइंट पर ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से प्रभावी चेकिंग, किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने एवं आमजन से शालीनतापूर्वक व्यवहार करने आदि के संबन्ध में आवश्यक आदेश-निर्देश दिये। 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत जनपद के समस्त थानों के अन्तर्गत जनपद की सीमा पर व सीमा के अन्दर मुख्यमार्गो, चौराहों, संवेदनशील स्थानों आदि विभिन्न चिन्हित हॉट स्पॉटों पर चेकिंग प्वाइंट्स बनाकर सघन एवं प्रभावी चेकिंग की जा रही है । चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जा रही है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन

सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वाले, दोषपूर्ण अथवा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों, काली फिल्म लगे वाहनों के विरुद्ध विधिक मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। एसपी अमेठी ने बताया कि 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' का उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना व संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना है।

संक्षिप्त खबरें

कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

नैमिषारण्य कस्बा के ठाकुर नगर तिराहा पर यशवी के मुंडन संस्कार के शुभ अवसर पर पर एक विराट कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें दूर दूर से आये कवियों ने खूब तालियां बटोरी और श्रोताओं को आनंदित किया। कवि सम्मेलन का मंच संचालन करते हुए मिश्रिख के कवि रोहित विश्वकर्मा मधुर ने पढ़ा चीर हरण में लाज बचइया कृष्ण पुकारे जाएंगे। आज भी सौवीं गाली पर सुन शीश उतारे जाएंगे। यहाँ महाभारत जब जब होगा तब पाँच पांडवो से, कौरव सौ से ज्यादा हों तब भी वो मारें जाएंगे। सिधौली के कवि डॉ देवेन्द्र कश्यप निडर ने बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए पढ़ा पिताजी गर दुखी हो तो वो खाना खा नहीं सकती। बिना परिवार भाई के कहीं भी जा नहीं सकती। लगा लो फूल के पौधे भले ही आप आंगन में, मगर बेटी बिना घर में महक तो आ नहीं सकती। हरदोई के कवि अनिल अनिकेत ने पढ़ा जिन्दा रहूँगा जब तलक जीवित हूँ जहाँ में, शर्तों पे मुझे स्वर्ग भी मंजूर नहीं है। बिलग्राम के कवि हर्षित श्रीवास्तव ने पढ़ा जब तलक लक्ष्य का ज्ञान होगा नहीं। मुश्किलो का समाधान होगा नहीं। चाहे गीता , रामायण पढ़ो भागवत, माँ दुखी है तो कल्याण होगा नहीं। संयोजक नीरज यादव 'खिचड़ी सम्राट' ने पढ़ा जो भी सच है वो लिखने को तैयार है। हम कलमकार है। हम कलमकार है। आयोजक अतुल कश्यप ने सभी कवियों का अंग वस्त्र आदि भेंट कर आभार प्रकट किया। इस दौरान निषाद पार्टी के प्रदेश महासचिव राजेश कश्यप, पूर्व प्रधान सुशील सक्सेना, मुकेश द्विवेदी, प्रदीप सिंह, मनोज विश्वकर्मा, दिनेश सिंह, पुष्कर सिंह यादव, अमर सिंह, मनमोहन, कामिनी कश्यप, रूबी कश्यप आदि श्रोता मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने कार्य करने पर दिया जोर

मिश्रिख मिश्रिख लॉयर्स एसोसिएशन की आवश्यक बैठक अध्यक्ष बृजलाल चौधरी की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा फैजाबाद बार एसोसिएशन बनाम उत्तर प्रदेश बार काउंसिल आदि में पारित निर्देशों का सभी सदस्य अधिवक्ता पूर्णतया अनुपालन करेंगे तथा न्यायिक कार्य में पूर्ण सहयोग और प्रतिभाग करेंगे ताकि वादकारियों को समय पर न्याय सुलभ हो सके संगठन के सदस्यों ने उपजिलाधिकारी मिश्रित से मिलकर कार्यकरण का प्रस्ताव दिया अधिवक्तागण सौरभ सक्सेना, नरेंद्र प्रताप जी,अकरम खान, गौरव वाजपई,ठाकुर प्रसाद, प्रेम प्रकाश राजवंशी,रजनीश कुमार, जलालुद्दीन, अमीर अहमद,सुरेंद्र मोहन, सत्यप्रकाश, अजय पांडेय, विमलेंद्र त्रिपाठी,आनंद यादव, इमरान अहमद,अभिषेक विमल, पुष्पेंद्र गुप्ता, सुनील प्रताप सिंह, आदि उपस्थित रहे।

भाजपा की जन आक्रोश रैली में उमड़ा जनसैलाब,विपक्षी नीतियों के खिलाफ भरी हुंकार

महमूदाबाद- सीतापुर आज महमूदाबाद नगर में भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। जिला मंत्री कमलेश तिवारी के संरक्षण में आयोजित इस रैली के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी एकजुटता और सांगठनिक शक्ति का प्रदर्शन किया। **प्रमुख उपस्थिति एवं नेतृत्व-** रैली का नेतृत्व जिला मंत्री कमलेश तिवारी ने किया, जिनके मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से ?मंडल महामंत्री राजेश जायसवाल एवं विपिन वर्मा उपाध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, श्याम नारायण त्रिपाठी, शिवपाल रावत और मंडल उपाध्यक्ष अनिल यादव, वरिष्ठ नेता संजय वर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे।, इस रैली की सबसे खास बात नारी शक्ति की व्यापक भागीदारी रही। भाजपा की महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कंधे से कंधा मिलाकर रैली को सफल बनाया। इसमें मुख्य रूप से कल्पना वर्मा, किरण यादव, पूनम वर्मा, समेस्टर शर्मा, राधा देवी, किरण वर्मा, अंजलि बाजपेई, प्रीति रावत, श्रेया भार्गव और अंजलि दिवाकर जैसे चेहरों ने शिरकत की। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी इस रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि जनता के बीच विपक्षी नीतियों को लेकर भारी आक्रोश है और भाजपा आगामी समय में इसे और भी प्रखर करेगी। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। रैली के समापन पर वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने का संकल्प लिया।

प्रीपेड मीटर : बैलेंस खत्म होने पर तुरंत नहीं कटेगी बिजली

● मिलेगा 'इमरजेंसी क्रेडिट'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

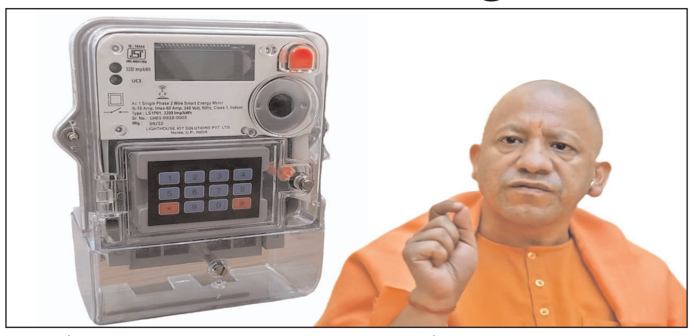

लखनऊः उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक राहत भरी खबर है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के संबंध में नए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नई व्यवस्था के तहत अब प्रीपेड मीटर का बैलेंस खत्म होते ही घर की बत्ती गुल नहीं होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को एक निश्चित अवधि के लिए 'इमरजेंसी क्रेडिट' की सुविधा दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत 1 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को बैलेंस समाप्त होने के बाद भी 30 दिनों तक बिजली मिलती रहेगी। वहीं 1 से 2 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को 3 दिन या 200 तक (जो भी बाद में हो) की राहत दी जाएगी, जबकि अन्य सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को 3 दिनों का इमरजेंसी क्रेडिट मिलेगा। इस अवधि में उपयोग की गई बिजली की लागत अगले रिचार्ज से स्वतः समायोजित कर ली जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को सेवा बाधित होने का खतरा कम होगा। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'नो डिस्कनेक्शन पॉलिसी' भी लागू की गई है। इसके तहत शाम 6:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक बिजली नहीं काटी जाएगी, चाहे बैलेंस शून्य या नेगेटिव ही क्यों न हो। इसके अलावा रविवार, दूसरे शनिवार और सभी सरकारी अवकाशों के दौरान भी बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से रात और छुट्टियों में उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखकर लागू की गई है। रिचार्ज को लेकर भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। विभाग के अनुसार रिचार्ज सफल होने के बाद सामान्यतः 2 घंटे के भीतर बिजली स्वतः बहाल हो जाती है। यदि किसी कारणवश ऐसा नहीं होता है, तो उपभोक्ता टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं, जहां स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था की गई है। उपभोक्ताओं को समय पर रिचार्ज की जानकारी देने के लिए एक प्रभावी SMS अलर्ट सिस्टम भी लागू किया गया है। इसके तहत उपभोक्ताओं को चार चरणों में सूचनाएं मिलेंगी—जब बैलेंस 30 प्रतिशत रह जाएगा, जब 10 प्रतिशत बचेगा, जब बैलेंस पूरी तरह समाप्त हो जाएगा, और प्रत्येक माह की शुरुआत में एक मासिक अलर्ट भी भेजा जाएगा। इससे उपभोक्ता समय रहते रिचार्ज कर सकेंगे और अनावश्यक परेशानी से बच पाएंगे। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अपना मोबाइल नंबर अपडेट रखने की भी सलाह दी गई है। मोबाइल नंबर को PPCL Smart App, विभागीय वेबसाइट या 1912 हेल्पलाइन के माध्यम से आसानी से अपडेट किया जा सकता है, ताकि सभी जरूरी सूचनाएं समय पर प्राप्त होती रहें। यदि किसी उपभोक्ता को यह संदेह होता है कि उनका स्मार्ट मीटर तेज चल रहा है, तो वे संबंधित उपखंड कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनके परिसर में 'चेक मीटर' लगाया जाएगा, जिससे मीटर की सटीकता की जांच की जा सके।

इमरजेंसी क्रेडिट का नया नियम

विभागीय जानकारी के अनुसार, बैलेंस खत्म होने के बाद उपभोक्ताओं को अलग-अलग श्रेणियों में राहत दी गई है:,1 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ता: बैलेंस खत्म होने के बाद भी 30 दिनों तक बिजली नहीं कटेगी।,1 से 2 किलोवाट तक के उपभोक्ता: इन्हें 3 दिन या ?200 (जो भी बाद में हो) तक का इमरजेंसी क्रेडिट मिलेगा।,अन्य सभी उपभोक्ता: बैलेंस शून्य होने के बाद 3 दिनों का समय दिया जाएगा।

रात और त्योहारों पर 'नो डिस्कनेक्शन' पॉलिसी

PPCL ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए शाम 6:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक बिजली नहीं काटी जाएगी, भले ही बैलेंस नेगेटिव क्यों न हो। इसके अलावा रविवार, दूसरे शनिवार और सभी सार्वजनिक अवकाशों के दिन भी बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जाएगी। हालांकि, इस अवधि के दौरान खर्च की गई बिजली की राशि अगले रिचार्ज में काट ली जाएगी।

समय पर मिलेगा SMS अलर्ट

उपभोक्ताओं को रिचार्ज की याद दिलाने के लिए सिस्टम द्वारा चार चरणों में स्म्स भेजे जाएंगे:

प्रथम अलर्ट: पिछला रिचार्ज 30% बचने पर, द्वितीय अलर्ट पिछला रिचार्ज 10% बचने पर, शून्य बैलेंस: बैलेंस पूरी तरह खत्म होने पर, मासिक अलर्ट: प्रत्येक माह के प्रारंभ में।

रिचार्ज और मोबाइल अपडेट की सुविधा

दस्तावेजों के अनुसार, रिचार्ज सफल होने के बाद आमतौर पर 2 घंटे के भीतर बिजली स्वतः बहाल हो जाएगी। यदि ऐसा नहीं होता है, तो उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही, यदि किसी उपभोक्ता का मोबाइल नंबर बदल गया है, तो वे 'UPPCL Smart App' या विभागीय वेबसाइट के माध्यम से उसे अपडेट कर सकते हैं।

तेज मीटर की शिकायत पर 'चेक मीटर' की सुविधा

यदि किसी उपभोक्ता को लगता है कि उनका स्मार्ट मीटर बहुत तेज चल रहा है, तो वे संबंधित उपखंड कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद उनके परिसर में एक 'चेक मीटर' लगाया जाएगा ताकि मीटर की सटीकता की पुष्टि की जा सके।

निष्कर्ष: इन नए दिशा-निर्देशों के लागू होने से प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अब न केवल बिजली कटने का डर कम होगा, बल्कि उपभोक्ता अपनी खपत, बैलेंस और खर्च को अधिक पारदर्शी और नियंत्रित तरीके से मैनेज कर सकेंगे।

बेटियों को मुफ्त लगवाए सर्वाइकल कैंसर का टीका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर: महिलाओं में बढ़ते कैंसर के खतरों को देखते हुए सीतापुर जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियान की शुरुआत की है। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने जनपद वासियों से अपील करते हुए 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) का टीका लगवाने का आह्वान किया है। यह पहल देश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) जैसी घातक बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की गई है।

सर्वाइकल कैंसर: महिलाओं के लिए दूसरा सबसे बड़ा खतरा

जिलाधिकारी द्वारा जारी अपील में बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। वैज्ञानिक रूप से यह प्रमाणित है कि एचपीवी संक्रमण ही इस कैंसर का मुख्य कारण है। 14 से 15 वर्ष की आयु में इस टीके को लगाने से भविष्य में कैंसर की संभावना को पूर्णतः रोका जा सकता है।

मुफ्त टीकाकरण और सुरक्षा का भरोसा

बाजार में इस टीके की कीमत काफी अधिक है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के तत्वावधान में अब यह **निःशुल्क** उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि: यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और इसका कोई शारीरिक दुष्प्रभाव नहीं है। विश्व के 100 से अधिक देशों में इसका सफल प्रयोग किया जा रहा है। अफवाहों से बचने और केवल डॉक्टरों व सरकारी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सलाह मानने का आग्रह किया गया है।

कहां लगवाएं टीका?

टीकाकरण के लिए जनपद में विशेष सत्र चलाए जा रहे हैं। पात्र किशोरियां निम्नलिखित केंद्रों पर जाकर टीका लगवा सकती हैं:

1. सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC)
2. जिला महिला चिकित्सालय, सीतापुर

जरूरी दस्तावेज

टीकाकरण के लिए बेटी का जन्म प्रमाण-पत्र या आयु प्रमाणित करने वाला कोई भी सरकारी दस्तावेज साथ ले जाना अनिवार्य होगा।

'स्वस्थ बेटी, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ राष्ट्र की संकल्पना को साकार करने के लिए मैं अपील करता हूँ कि अपने परिवार और समाज की 14-15 आयु वर्ग की बेटियों को इस सुरक्षा चक्र से जरूर जोड़ें। ' डॉ. राजागणपति आर., जिलाधिकारी, सीतापुर जिला प्रशासन का लक्ष्य जनपद की शत-प्रतिशत पात्र बेटियों का टीकाकरण करना है। अधिक जानकारी के लिए नागरिक अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं।

विरोध पर महिला से मारपीट, केस दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पुरे बख्तावर मजरे हसनापुर गांव में एक महिला व उसके परिजनों से चार लोगों ने मारपीट की। पुलिस ने चारों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। गांव निवासिनी पीड़िता उर्मिला पत्नी सुंदर ने बताया कि पड़ोस का आशीष उसके घर की ओर मुंह करके पेशाब कर रहा था। विरोध करने पर उसने गाली गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आशीष और उसके परिवार की सोनी, सन्नो समेत अन्य लोग आ गए। सभी ने मिलकर उर्मिला को पीटा। बचाने आई उसकी बहन रीना व प्रीति और मां बिट्टो को भी मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

32 लीटर अवैध कच्ची शराब व 230 किलो लहन मौके पर नष्ट, 03 अभियोग पंजीकृत

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 रोबिन आर्य एवं आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 सरिता सिंह मय हमराह द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी।टीम द्वारा महराजगंज तहसील के बछरावाँ थाना अंतर्गत संदिग्ध ग्राम - पासी टूसी, मदन टूसी एवं पश्चिम गांव तथा डलमऊ तहसील में थाना डलमऊ अंतर्गत जोहवा नटकी में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 32 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 230 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट किया गया एवं 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

02 मई को प्रदेश की सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना होगा

● उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी संघर्ष अभियान के अंतर्गत 02 मई को धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 30 अप्रैल, 2026 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी संघर्ष अभियान के अंतर्गत दिनांक 02 मई, 2026 को प्रदेश की सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों पर धरना होगा। धरना के समापन अवसर पर प्रदेश के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं की समस्याओं से युक्त ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जाएगा।

इसी के साथ जिला संगठन द्वारा जनपद स्तरीय समस्याओं का ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक एवं वित्त एवं लेखा अधिकारी को प्रेषित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा एवं जिला मंत्री महेश चंद्र ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री को प्रेषित किए जाने वाले ज्ञापन में चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 18 एवं 21 की वापसी, पुरानी पेंशन की बहाली, वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन दिए जाने, 22 मार्च, 2016 की राजाज्ञा से आच्छादित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिए जाने, वंचित तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण आदि प्रमुख मांगे सम्मिलित है। जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रेषित किए जाने वाले जनपद स्तरीय ज्ञापन में विशेष कैम्प के माध्यम से शिक्षकों के अवशेषों की अनुमन्यता एवं भुगतान, एनपीएस के खातों को अपडेट किया जाना तथा एनपीएस के सेवानिवृत्त शिक्षकों को पेंशन एवं अन्य देयकों का भुगतान, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान की स्वीकृति आदि प्रमुख मांगे सम्मिलित हैं।

शिक्षक नेताओं ने बताया कि लखनऊ में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर मध्यान्ह 12:00 बजे से धरना होगा एवं धरना के समापन अवसर पर सायं 3:00 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। इसी के साथ जनपद स्तरीय समस्याओं का ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वित्त एवं लेखाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

जन आक्रोश रैली में भाजपा ने महिला आरक्षण पर विपक्ष को घेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश रैली निकाली। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष के विरोध में जमकर नारेबाजी की। रैली की शुरुआत नगर पंचायत कार्यालय परिसर से हुई। इसके बाद कार्यकर्ता वीरापासी चौक, करुणा बाजार चौराहा और मेन रोड से होते हुए आचार्य नगर मोड़ तक पहुंचे। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और विपक्षी दलों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। नामित सभासद व भाजपा नेत्री दीपा सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष की मंशा स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में बाधा बन रहे हैं। आचार्य नगर मोड़ पर सभा का आयोजन किया गया। यहां भाजपा के मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियां आधी आबादी के अधिकारों का हनन कर रही हैं। महिला आरक्षण बिल का विरोध कर वे महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहतीं। मंडल अध्यक्ष प्राची शालू ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को महिलाओं के लिए लाभकारी हैं। रैली के दौरान पुलिस व्यवस्था भी सतर्क रही। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता रवींद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष प्राची शालू, दीपा सिंह, सपना पासवान, राजेश निर्मल, रमेश सिंह, शानू बाजपेई, ब्रह्मेंद्र सिंह, महेश सोनी, अवधेश सविता, यतीन चौहान और अखिलेश बाजपेई सहित कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

● सुरक्षित व सुगम यातायात के लिए दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान राजमार्गों पर अवैध रूप से बनाए गए कटों को बंद कराने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने, पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रवर्तन कार्यवाहियों को और अधिक सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस में विभिन्न विभागों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों को समय से अद्यतन करने पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के प्रमुख चौराहों को यातायात की दृष्टि से अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाया जाए तथा सड़कों पर किए गए अतिक्रमणों को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। साथ ही, चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार एवं निवारण के कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर पेट्रोलिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गंगा एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रारंभ हो चुका है, अतः वहां भी सघन पेट्रोलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेसवे पर किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी अथवा अराजक गतिविधिया न हो यह सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि गुड सेमेरिटन योजना के प्रोत्साहन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता महिपाल सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन उमेश चंद कटियार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा में छोड़े गए 30 हजार मछली के अंगुलिका बीज

प्रयागराज। गंगा नदी में घटती मत्स्य प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन को लेकर केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सिफरी) प्रयागराज ने संगम तट पर 30 हजार मछलियों के अंगुलिका बीज गंगा में छोड़ा। गुरुवार को यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत आयोजित किया गया। इस रैंचिंग कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रमुख कार्प प्रजातियों कतला, रोहू और मृगल के अंगुलिका बीज गंगा नदी में प्रवाहित किए गए। वैज्ञानिकों के अनुसार एक किलोग्राम में लगभग 66 मछलियां होती हैं, इस प्रकार कुल करीब 455 किलोग्राम मछलियों को नदी में छोड़ा गया। वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. धर्म नाथ झा ने कहा कि गंगा नदी में घटती महत्वपूर्ण मत्स्य प्रजातियों के संरक्षण के लिए नियमित रूप से बीज रैंचिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल मछलियों की संख्या बढ़ाना ही नहीं बल्कि लोगों को गंगा की स्वच्छता और जैव विविधता के प्रति जागरूक करना भी है। सिफरी के केंद्राध्यक्ष डा. बीआर चव्हाण ने अपने संबोधन में गंगा नदी में मछलियों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मत्स्य संसाधन नदी के पारिस्थितिकी तंत्र का अहम हिस्सा हैं।

मेधावियों का महाकुंभ: महमूदाबाद में गूंजा सफलता का जयघोष

●साइकिल और सोलर पैनल से नवाजे गए होनहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर स्व. महेन्द्र सिंह वर्मा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित'प्रतिभा सम्मान समारोह' ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश की। इस भव्य आयोजन में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की प्रदेश मेरिट सूची में टॉप 10 में स्थान बनाने वाले सीतापुर के मेधावियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा और ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्कर्ष वर्मा ने कुल 17 छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और गुरुजनों को सम्मानित कर उनके संघर्ष को सलाम किया। मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए स्मृतिचिन्ह, साइकिल और विशेष उपहार भेंट किए गए। इस दौरान न केवल बच्चों को, बल्कि उनकी सफलता की नींव रखने वाले माता-पिता और गुरुओं को भी माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने मेधावियों की आगे की पढ़ाई के लिए दिल खोलकर सहयोग किया, जिनमे डॉ. अनिरुद्ध वर्मा (प्रसिद्ध चिकित्सक) ने प्रकाश ग्रुप ऑफ कॉलेज की टॉपर छात्रा को प्रोत्साहन राशि 21 हज़ार भेंट की। साथ ही, दो मेधावी छात्राओं की अगले दो वर्षों तक शिक्षा का संपूर्ण खर्च उठाने का जिम्मा लिया।

वरिष्ठ समाजसेवी अरुण कुमार वर्मा 'मुन्ना' ने भी प्रकाश ग्रुप की दो बेटियों की दो साल की पढ़ाई की जिम्मेदारी लेते हुए प्रति माह 1100 की सहायता राशि सीधे विद्यालय पहुँचाने की घोषणा की। सत्यम वर्मा ने हाईस्कूल की प्रदेश मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा को 2 किलोवाट का सोलर पैनल भेंट किया, ताकि बिजली की समस्या उनकी पढ़ाई में बाधा न बने। पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'मैं केवल एक सेवक हूँ' यह कहते हुए वे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। ट्रस्ट द्वारा किया गया यह सम्मान समारोह मात्र एक छोटा सा प्रयास है। मैं तो आप सबके बीच एक सेवक के रूप में हूँ। इस सफलता के पीछे उन गुरुओं और अभिभावकों का त्याग है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी बच्चों को टूटने नहीं दिया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष आमिर अराफ़ात, प्रकाश इंटर कॉलेज के प्रबंधक ओमप्रकाश वर्मा, शशि सिंह, कोमल वर्मा, अरुण वर्मा, जीनियस कोचिंग के प्रबंधक आनंद सिंह, ब्लॉक प्रमुख मुकेश वर्मा सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में इन युवा प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह आयोजन न केवल एक सम्मान समारोह था, बल्कि समाज के लिए एक संदेश था कि यदि प्रतिभा को सही प्रोत्साहन मिले, तो ग्रामीण अंचल के बच्चे भी आसमान को छू सकते हैं।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार को बाइक चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास चोरी की हुई बाइक बरामद की। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है। मंगलवार को बछरावां रोड पर मेरुई गांव के निकट से बाइक चोरी हुई थी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर तलाश शुरू की। पुलिस ने पूरे गुरदी का पुरवा मजरे कोरिहरा गांव निवासी अंशु शर्मा वह सचिन को गिरफ्तार किया। दोनों के पास चोरी की गई बाइक बरामद हुई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार का जेल भेजा गया है।

बादाम देकर अनोखा प्रदर्शन: लो वोल्टेज और स्मार्ट मीटर बिलिंग के खिलाफ किसानों का विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/ सीतापुर क्षेत्र में लगातार बनी लो वोल्टेज की समस्या और स्मार्ट मीटर में अधिक बिल आने से परेशान ग्रामीणों ने आज एक अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। भारतीय किसान यूनियन के जिला मीडिया प्रभारी शुभम रस्तोगी के नेतृत्व में किसानों व क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बादाम भेंट कर 'याददाश्त ताजा करने' का संदेश दिया। प्रदर्शनकारियों ने अधिशासी अभियंता, विद्युत विभाग बिसवां को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति होने के बावजूद वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे, मोटर और अन्य उपकरण सही से काम नहीं कर पाते। वहीं, स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में असामान्य वृद्धि की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। किसान नेता शुभम रस्तोगी का कहना है कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि लो वोल्टेज की समस्या का शीघ्र स्थायी समाधान कराया जाए और स्मार्ट मीटर की बिलिंग की जांच कर सही बिलिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। इस मौके पर वीरेन्द्र वर्मा, अमर सिंह पटेल, मोहित कश्यप, फैसल खान, अफसर अंसारी, अशोक यादव, सुनील, अभिषेक आदि लोग मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान 'बादाम देकर याद दिलाने' का यह तरीका लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

भारत में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ: लापरवाही

तेज रफ्तार और अव्यवस्थित व्यवस्था के बीच हर साल उजड़ते हजारों परिवारों की दर्दनाक

मध्य प्रदेश के धार जिले में हाल ही में हुआ भीषण सड़क हादसा एक बार फिर देश को झकझोर गया। मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन, जिसमें क्षमता से कहीं अधिक लोग सवार थे, टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया और दूसरी दिशा में जाकर एक अन्य वाहन से टकरा गया। इस दर्दनाक घटना में कई लोगों की जान चली गई, जिनमें मासूम बच्चे भी शामिल थे। यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भारत में हर साल होने वाली हजारों सड़क दुर्घटनाओं की लंबी और चिंताजनक श्रृंखला का एक हिस्सा है।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बेहद अधिक है। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों लोगों की जान चली जाती है। इन हादसों के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है तेज रफ्तार, यातायात नियमों की अनदेखी, वाहन चालकों की लापरवाही और सड़कों की खराब स्थिति। इसके अलावा ओवरलोडिंग और ओवरटेकिंग जैसी गलत आदतें भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती हैं।

तेज रफ्तार आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। लोग समय बचाने या जल्द गंतव्य तक पहुंचने की होड़ में अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल देते हैं। वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन न करना एक आम समस्या बन गई है। खासकर हाईवे पर लोग 80-100 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे भी अधिक गति से वाहन चलाते हैं, जिससे जरा सी चूक भी बड़ी दुर्घटना का रूप ले लेती है।

इसके साथ ही ओवरलोडिंग भी एक गंभीर समस्या है। धार की घटना में भी देखा गया कि पिकअप वाहन में क्षमता से अधिक मजदूर सवार थे। इस तरह की लापरवाही अक्सर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में देखने को मिलती है, जहां लोग सस्ते और आसान परिवहन के लिए जोखिम उठाते हैं। लेकिन जब हादसा होता है, तो इसका परिणाम बेहद भयावह होता है।

भारत में सड़कों की स्थिति भी कई जगहों पर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। गड्ढों से भरी सड़कें, अधूरी निर्माण प्रक्रिया, खराब संकेत व्यवस्था और अंधे मोड़ जैसी समस्याएं अक्सर दुर्घटनाओं को न्योता देती हैं। कई बार सड़क निर्माण में गुणवत्ता की कमी भी सामने आती है, जिससे सड़क जल्दी खराब हो जाती है और दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

ड्राइवर की लापरवाही और थकान भी एक बड़ा कारण है। कई ड्राइवर लंबे समय तक लगातार वाहन चलाते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता कम हो जाती है। नींद के झोंके में वाहन चलाना बेहद खतरनाक होता है। कई बड़े हादसों में यह पाया गया है कि ड्राइवर की थोड़ी सी झपकी ने कई जिंदगियां छीन लीं। अगर पिछले एक साल की बड़ी सड़क दुर्घटनाओं पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। देश के विभिन्न राज्यों में हुए हादसों में सैकड़ों परिवार उजड़ गए। कहीं बस खाई में गिर गई, तो कहीं ट्रक और कार की टक्कर में पूरा परिवार खत्म हो गया। कई मामलों में शादी या धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे लोग दुर्घटना का शिकार हो गए। इन घटनाओं में एक समानता देखने को मिलती है—ज्यादातर हादसे मानवीय गलती या लापरवाही के कारण हुए।

उत्तर भारत में कई ऐसे हादसे हुए जहां बसें नदी या खाई में गिर गईं। दक्षिण भारत में तेज रफ्तार कारों की टक्कर से कई लोगों की मौत हुई। पश्चिम भारत में हाईवे पर ट्रकों की भिड़ंत ने बड़े नुकसान पहुंचाए। इन सभी घटनाओं ने यह साबित किया कि सड़क सुरक्षा के मामले में अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। सरकार ने सड़क सुरक्षा के लिए कई नियम बनाए हैं, जैसे हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, शराब पीकर वाहन न चलाना और गति सीमा का पालन करना। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस द्वारा चालान और सख्ती भी की जाती है। लेकिन इन नियमों का पालन तभी संभव है जब आम लोग जागरूक हों और अपनी जिम्मेदारी समझें।

दुर्घटनाओं के बाद सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाता है, जैसे मृतकों के परिवार को आर्थिक सहायता और घायलों के इलाज का खर्च। लेकिन यह सहायता उस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती जो एक परिवार अपने किसी सदस्य को खोने के बाद झेलता है। कई बार परिवार का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति ही दुर्घटना का शिकार हो जाता है, जिससे पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ जाता है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हमें वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। वाहन की नियमित जांच और रखरखाव भी जरूरी है, ताकि तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना न हो।

स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है। युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि तेज रफ्तार और स्टंट करना कोई बहादुरी नहीं, बल्कि यह जानलेवा हो सकता है। मीडिया और सोशल मीडिया भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अंततः यह समझना होगा कि सड़क पर हर व्यक्ति की जान की कीमत बराबर है। एक छोटी सी गलती कई जिंदगियों को खत्म कर सकती है। इसलिए जब भी हम सड़क पर निकलें, तो जिम्मेदारी और सावधानी के साथ वाहन चलाएं। धार जैसी घटनाएं हमें चेतावनी देती हैं कि अगर हमने अभी भी नहीं संभले, तो ऐसे हादसे आगे भी होते रहेंगे। जरूरत है सख्त नियमों के साथ-साथ मजबूत इरादों की, ताकि हम एक सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था बना सकें।

कांतिलाल मांडोत

कछुए की तरह रेंग रहा है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सपना

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

[छठे वर्ष में भी चुनौतियाँ बरकरार, क्रियान्वयन की गति धीमी]

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को लागू हुए छह वर्ष बीत चुके हैं। इस दौरान 5+3+3+4 की नई संरचना, बहु-विषयी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और निरंतर मूल्यांकन जैसे सुधारों की दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन आधारभूत चुनौतियाँ—शिक्षक कमी, बुनियादी ढांचे की कमी, शिक्षक प्रशिक्षण की अपर्याप्तता और धनराशि की कमी—अभी भी शिक्षा व्यवस्था को जकड़े हुए हैं। विशेषज्ञों और रिपोर्टों के अनुसार, नीति का वास्तविक रूपांतरण अभी भी दूर है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और सरकारी स्कूलों में।

NEP 2020 का मूल उद्देश्य रट्टा-आधारित शिक्षा को समाप्त कर कौशल-उन्मुख, लचीली और समावेशी शिक्षा प्रणाली विकसित करना था। नीति में सार्वजनिक शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 2026 तक यह आंकड़ा अभी भी लगभग 2.9-3 प्रतिशत के आसपास ही है। इससे बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षक क्षमता निर्माण और डिजिटल विस्तार प्रभावित हो रहा है।

देशभर में शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है। संसद में प्रस्तुत आंकड़ों और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर लाखों पद खाली हैं, जबकि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर रिक्तियां और बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में यह समस्या और गंभीर है, जहां शिक्षक-छात्र अनुपात प्रभावित हो रहा है। कई शिक्षक अनुबंधित या अपर्याप्त प्रशिक्षित हैं, जिससे NEP की नई शिक्षण पद्धतियों– अनुभव- आधारित सीखना, समस्या- समाधान का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण हो गया है।

बुनियादी ढांचे की स्थिति भी चिंताजनक है। ग्रामीण स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और स्थिर इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी डिजिटल डिवाइड को बढ़ा रही है। NEP में बहु-भाषी शिक्षा और मातृभाषा में शिक्षण पर जोर दिया गया है, लेकिन पाठ्यपुस्तकों, प्रशिक्षित शिक्षकों और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए मानकीकरण की चुनौती बनी हुई है। कई राज्यों में, विशेषकर दक्षिण भारत में, तीन-भाषा फॉर्मूला और कुछ प्रावधानों पर विरोध या आंशिक स्वीकार्यता देखी जा रही है।

उच्च शिक्षा में भी चुनौतियाँ समान हैं। लचीले प्रवेश-निकास विकल्प , क्रेडिट बैंक और बहु-विषयी पाठ्यक्रमों को लागू करने में संसाधनों और शिक्षक प्रशिक्षण की कमी बाधक बन रही है। डिजिटल कनेक्टिविटी और उपकरणों की उपलब्धता ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक नहीं पहुंच पा रही है।

उत्तर प्रदेश, जहां शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी संख्या में बच्चे प्रभावित होते हैं, NEP 2020 को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहा है। 2026-27 के बजट में शिक्षा क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दी गई है—बुनियादी शिक्षा के लिए 77,622 करोड़ रुपये, माध्यमिक शिक्षा के लिए 22,167 करोड़ रुपये (15 प्रतिशत वृद्धि) और उच्च शिक्षा के लिए 6,591 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। व्यावसायिक शिक्षा पर फोकस बढ़ाते हुए UP बोर्ड ने 2026-27 सत्र से कक्षा 9 और 11 में व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। यह कदम NEP के स्किल डेवलपमेंट लक्ष्य से मेल खाता है।

हाल ही में लखनऊ में आयोजित एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में 'योगी मॉडल' ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा। फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (FLN), अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, AI और एडटेक के उपयोग, निरंतर मूल्यांकन और शिक्षक सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। राज्य सरकार स्मार्ट स्कूलों का विस्तार, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल और अभ्युदय कोचिंग जैसी पहलों पर काम कर रही है।

फिर भी, UP में भी शिक्षक रिक्तियां (लगभग 1.93 लाख से अधिक), स्कूल मर्जर की प्रक्रिया और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी चर्चा में रहती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन अभी कम है, जो दर्शाता है कि जागरूकता और बुनियादी ढांचे पर और काम की जरूरत है। NEP के छठे वर्ष में हम एक मोड़ पर खड़े हैं।

जहां नीति की दिशा सही है, वहीं क्रियान्वयन की गति और गुणवत्ता बढ़ाना अनिवार्य है। यदि इन चुनौतियों का समाधान नहीं किया गया, तो लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित होगा। सरकारों, शिक्षाविदों और समाज को मिलकर इस 'शिक्षा क्रांति' को वास्तविकता बनाने की जरूरत है।

शिक्षा राष्ट्र का भविष्य है। नई शिक्षा नीति 2020 को मात्र नीति-पत्र नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बनाना होगा। बजट बढ़ोतरी और राज्य-स्तरीय पहलें सराहनीय हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव तभी दिखेगा जब हर स्कूल में योग्य शिक्षक, उचित बुनियादी ढांचा और छात्र-केंद्रित वातावरण उपलब्ध होगा। समय अब प्रतीक्षा का नहीं, त्वरित और प्रभावी कार्रवाई का है।

बाल श्रम की व्यथा और कठोर श्रम करते हाथ मूल सुविधाओं से वंचित

(1 मई ,अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उन असंख्य अदृश्य हाथों की पीड़ा को भी सामने लाता है जो आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। भारत जैसे विकासशील देश में यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहाँ श्रम के साथ-साथ बाल श्रम की समस्या भी एक गहरी सामाजिक विडंबना के रूप में उपस्थित है। संविधान और कानूनों के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से खतरनाक उद्योगों, कारखानों, होटलों, ढाबों या अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों में कार्य कराना अपराध है। इसके बावजूद वास्तविकता यह है कि देश के छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों में लाखों बच्चे आज भी श्रम के बोझ तले दबे हुए हैं। वे कभी चाय की दुकानों पर काम करते दिखते हैं, कभी पटाखा उद्योगों में, तो कभी कचरा बीनते या भीख मांगते हुए। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य का भी हनन है।

बाल श्रम की जड़ें गहरी हैं।

गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, अशिक्षा और सामाजिक जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं। कई परिवारों में आर्थिक मजबूरी इतनी तीव्र होती है कि वे स्वयं अपने बच्चों को श्रम के दलदल में धकेल देते हैं। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की असामयिक मृत्यु, बीमारी या परिवार में अधिक सदस्यों का होना भी बच्चों को समय से पहले जिम्मेदारियों के बोझ तले ला देता है। बाल श्रमिकों का शोषण बहुआयामी होता है शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक। उन्हें वयस्क श्रमिकों की तुलना में बहुत कम पारिश्रमिक दिया जाता है, जिससे नियोजकों के लिए वे सस्ते और सुविधाजनक श्रम का स्रोत बन जाते हैं। यही कारण है कि बाल श्रम की प्रवृत्ति समाप्त होने के बजाय कई स्थानों पर बढ़ती दिखाई देती है। इस समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कानून और योजनाएँ लागू की हैं, जैसे बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, तथा राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ जैसे संगठन बाल श्रम उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के कन्वेंशन 138 और 182 विशेष रूप से बाल श्रम के उन्मूलन और खतरनाक कार्यों से बच्चों को मुक्त कराने पर केंद्रित हैं। फिर भी, समस्या का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से ही संभव है। दुर्भाग्यवश, कई बार इन कानूनों का पालन कराने वाली एजेंसियाँ भ्रष्टाचार, लापरवाही और लालफीताशाही की शिकार हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, नियोजक आसानी से बच निकलते हैं और बच्चे शोषण की आग में झोंक दिए जाते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बाल श्रम केवल एक कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जब तक समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ेगी, जब तक हम बच्चों को श्रम नहीं बल्कि शिक्षा और संस्कार का अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

मजदूर वर्ग की व्यापक स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक आज भी न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षित कार्यस्थल जैसे मूल अधिकारों से वंचित हैं। प्रवासी मजदूरों की स्थिति, विशेषकर महामारी के समय, ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया कि श्रमिक वर्ग हमारे विकास का आधार होने के बावजूद सबसे अधिक उपेक्षित है।आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल श्रम और श्रमिक शोषण के विरुद्ध एक समन्वित और सख्त नीति अपनाई जाए। इसके लिए कानूनों का कठोर और पारदर्शी क्रियान्वयन,शिक्षा और पोषण योजनाओं का प्रभावी विस्तार, गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा,और समाज में जागरूकता का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सचमुच एक सशक्त और विकसित राष्ट्र का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपने बच्चों को श्रम की बेड़ियों से मुक्त कर शिक्षा और अवसरों की मुख्यधारा में लाना होगा। अन्यथा, आज का यह बाल श्रमिक कल का कमजोर नागरिक बनेगा, और एक सुदृढ़ राष्ट्र का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

संजीव ठाकुर

कविता

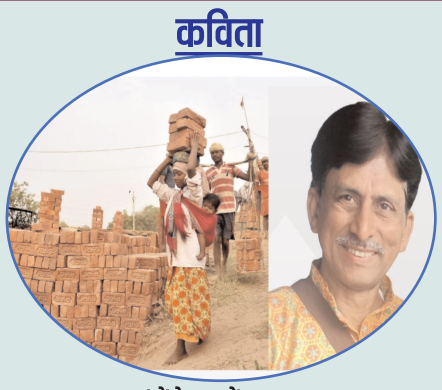

कंधों पे सपनों का भार...!

सुबह की पहली किरण संग, कंधों पे सपनों का भार,
चल पड़ता है वह चुपचाप, रचने दुनिया हर एक बार।
हाथों में मेहनत की रेखा, बहे पसीना उसकी पहचान,
ईंट-पत्थर में बसती है, उसकी हर अधूरी-सी मुस्कान।

धूप में जल रहें उसके अरमान, छांव में भी ना आराम,
रोटी, कपड़ा और मकान, बस इतना-सा उसका धाम।
ऊँची-ऊँची इमारतें बोलती, उसकी खामोश हैं कहानी,
हरेक मंज़िल में गूंज रही है, उसकी मेहनत की रवानी।

ना कोई शोर, ना कोई मांग, बस काम ही उसका गीत,
दर्द को साथी बना लिया, हौसलों से रचता नव संगीत।
आओं आज ये वादा करें, सम्मान मिले हर श्रमिक को,
न सिर्फ़ शब्दों से, हृदय से कद्र करें उनकी मेहनत को।

संजय एम तराणेकर

कविता

संजीव-नी

क्योंकि आज हरिया
ने खाना नहीं खाया

क्योंकि
आज श्रमिक
हरिया ने खाना
नहीं खाया,
हथौड़े की
तेज आवाज से
भी तेज,
मस्तिष्क के तंतु कहीं
तेजी से
शून्य में विलीन हो जाते।

फिर तैरकर,
वापसी की प्रतीक्षा किए बिना,
आकर वापस बैठ जाते,
किसी अलग जगह में
जो पुरानी नहीं होती।

लेकिन हरिया
कबाड़ में हथोड़ा चलाकर
वापस आए उन विचारों का
विरोध खुलकर करना चाह रहा था,
जिसकी उसे आजादी थी,
पर इतनी ऊर्जा,ताकत और चाहत नहीं
थी।

जो बेवजह
उसकी अपनी
जिंदगी में,
अन्चाहों
की तरह,
आकर, दिमाग में चक्कर
लगाते,
हथोड़ा और जंग लगा लोहा,
आपस में जुगलबंदी कर
कोई मधुर गीत नहीं गा सकते,
कोई आशा का संकेत नहीं दे सकते।

की आने वाला कल
खुशहाली, हरीतिमा का होगा,
किसी को शायद मालूम न था
की कि हरिया ने
हथोड़ा चलाने से पहले
और बहुत पहले, और
बहुत बाद तक खाना नहीं खाया।

संजीव ठाकुर

कंकाल से उपजते व्यवस्था पर सवाल

ओडिशा के क्योंझर जिले से आई कंकाल ढोने की खबर ने देश की सामूहिक चेतना को इस कदर झकझोर दिया कि उसने आधुनिक भारत के विकास और डिजिटल साक्षरता के दावों पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। यह घटना केवल एक व्यक्ति के निजी दुख या उसकी अज्ञानता की कहानी नहीं है बल्कि यह उस अमानवीय स्थिति का जीवंत चित्रण है जहाँ एक निर्धन और असहाय नागरिक को अपनी मृत बहन के कंकाल को लेकर बैंक की दहलीज तक जाना पड़ा। 19402 रुपये की एक ऐसी राशि जो किसी संपन्न व्यक्ति के लिए बहुत मामूली हो सकती है पर एक गरीब के लिए वह उसके जीवन भर की संचित पूंजी थी। इस छोटी सी राशि को प्राप्त करने के लिए एक भाई का यह भयावह कदम समाज की संवेदनहीनता और हमारे प्रशासनिक ढांचे की चरम विफलता का एक ऐसा प्रमाण है जिसे इतिहास कभी भुला नहीं पाएगा। यह घटना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जब सरकारी नियम और कानून मानवीय संवेदनाओं से ऊपर हो जाते हैं तो व्यवस्था किस प्रकार एक नागरिक को अपमानित और लाचार बना देती है। बहन की मृत्यु के लगभग 2 महीने बीत जाने के बाद भी जब वह व्यक्ति अपनी छोटी सी जमा राशि को प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकता रहा तो उसकी गहरी हताशा ने उसे इस मार्ग को चुनने पर विवश कर दिया। वह व्यक्ति लगभग 3 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करते हुए उस कंकाल को कंधे पर लादकर बैंक तक पहुंचा ताकि वह वहां बैठे अधिकारियों को यह अंतिम और अकाट्य प्रमाण दे सके कि उसकी बहन अब वास्तव में इस दुनिया में नहीं है। इस दृश्य ने न केवल वहां उपस्थित लोगों को स्तब्ध कर दिया बल्कि इसने पूरे देश के प्रशासनिक और बैंकिंग तंत्र की खामियों को भी सार्वजनिक रूप से नग्न कर दिया।

इस घटना की पृष्ठभूमि में यदि हम गहराई से उतरें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत में एक मृत्यु प्रमाण पत्र केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह एक ऐसा कानूनी दस्तावेज है जिसके बिना व्यक्ति का अस्तित्व समाप्त होने के बाद भी उसकी संपत्तियां और अधिकार एक कानूनी जाल में फंसे रहते हैं। भारत के नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु का पंजीकरण 21 दिनों के भीतर कराना अनिवार्य होता है। यह अवधि बीत जाने के बाद प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है जिसमें शपथ पत्र और विभिन्न स्तरों पर सत्यापन की आवश्यकता होती है। क्योंझर के उस आदिवासी व्यक्ति के पास न तो शिक्षा थी और न ही उसे इन जटिल कानूनी प्रक्रियाओं का कोई ज्ञान था। उसके लिए उसकी बहन की मृत्यु एक अपूरणीय क्षति थी लेकिन व्यवस्था के लिए वह केवल एक आंकड़ा भर थी जिसके लिए दस्तावेजों की पूर्ति अनिवार्य थी। जब वह व्यक्ति पहली बार बैंक गया होगा तो शायद उसे नियमों का हवाला देकर लौटा दिया गया होगा। उसके पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था और न ही वह कानूनी उत्तराधिकारी होने का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत कर पा रहा था। यहाँ बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और पारदर्शिता के तर्क तो सही हो सकते हैं लेकिन जिस संवेदनशीलता के साथ ऐसे मामलों का निपटारा किया जाना चाहिए था उसका वहां पूर्ण अभाव दिखा। बैंक अधिकारियों का यह कहना कि उन्होंने केवल कानूनी दस्तावेजों की मांग की थी और कभी भी मृत शरीर की उपस्थिति नहीं मांगी थी तकनीकी रूप से सही हो सकता है लेकिन एक अशिक्षित व्यक्ति की दृष्टि से यह उसकी असफलता और निराशा का अंत था।

यह त्रासदी तीन मुख्य स्तरों पर हुई विफलता का परिणाम है। पहला स्तर प्रशासनिक है जहाँ स्थानीय प्रशासन और पंचायत स्तर पर उस व्यक्ति को कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। यदि स्थानीय प्रशासन ने समय पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में उसकी सहायता की होती या उसे सही दिशा दिखाई होती तो शायद उसे इस अपमानजनक स्थिति से नहीं गुजरना पड़ता। दूसरा स्तर जागरूकता की कमी है जो हमारे देश के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में आज भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकारें भले ही डिजिटल इंडिया का नारा देती हों लेकिन धरातल पर आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिसे यह नहीं पता कि एक सामान्य प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया क्या है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तर संस्थागत संवेदनशीलता का है। बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों में नियम अत्यंत कठोर होते हैं क्योंकि वहां धन की सुरक्षा का प्रश्न होता है। लेकिन क्या नियमों की इस कठोरता में मानवीय विवेक के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए? जब एक व्यक्ति बार-बार आकर अपनी विवशता बता रहा था तो क्या बैंक प्रबंधक या स्थानीय अधिकारी किसी वैकल्पिक सत्यापन की प्रक्रिया को नहीं अपना सकते थे?

इस पूरी घटना का सबसे विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि जिस प्रशासनिक तंत्र ने उस व्यक्ति को महीनों तक चक्कर कटवाए उसी तंत्र ने इस घटना के तूल पकड़ते ही मात्र कुछ घंटों के भीतर सारे दस्तावेज तैयार कर दिए। जैसे ही यह मामला समाचारों की सुर्खियों में आया और उच्च अधिकारियों तक पहुंचा तो उसी दिन मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। यहाँ तक कि बैंक ने भी तुरंत 19402 रुपये की राशि संबंधित वारिसों को हस्तांतरित कर दी। यह गतिशीलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी व्यवस्था अक्षम नहीं है बल्कि वह उदासीन है। जब तक कोई मामला राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण नहीं बनता तब तक फाइलों के पहिए नहीं घूमते। यदि यही सक्रियता दो महीने पहले दिखाई गई होती तो उस व्यक्ति को अपनी बहन के अवशेषों के साथ 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर समाज को अपनी विवशता का यह भयावह प्रदर्शन नहीं करना पड़ता।

इस मामले में कानूनी उत्तराधिकार का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कानून के अनुसार उत्तराधिकार की श्रेणियां निर्धारित होती हैं और अक्सर भाई या अन्य रिश्तेदारों को प्रथम श्रेणी का वारिस नहीं माना जाता जब तक कि कुछ विशिष्ट परिस्थितियां न हों। यह कानूनी बारीकियां एक आम आदमी की समझ से परे होती हैं। वह व्यक्ति केवल इतना जानता था कि उसकी बहन का पैसा बैंक में है और उसे उसकी आवश्यकता है। समाज में मौजूद आर्थिक असमानता यहाँ एक और बड़ा कारक बनकर उभरती है। एक निर्धन व्यक्ति के लिए कानूनी प्रक्रिया की लागत और समय दोनों ही उसकी क्षमता से बाहर होते हैं। वह वकील नहीं कर सकता और न ही वह कचहरी के चक्कर काटने के लिए अपनी मजदूरी छोड़ सकता है। ऐसे में उसके पास केवल निराशा ही शेष रह जाती है।

यह घटना हमें यह सोचने पर भी मजबूर करती है कि क्या हमारी बैंकिंग और सरकारी प्रणालियाँ केवल साक्षर और शहरी जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं? ग्रामीण भारत की वास्तविकताएं शहरों से बिल्कुल अलग हैं। वहाँ पहचान के संकट से लेकर भाषा और प्रक्रियागत बाधाएं कदम-कदम पर खड़ी होती हैं। इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं हुई और जांच के आदेश भी दिए गए लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई बुनियादी बदलाव किए जाएंगे? केवल जांच करना या किसी कर्मचारी को निलंबित कर देना इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। समाधान तब होगा जब हमारी व्यवस्था प्रत्येक नागरिक को एक संख्या के बजाय एक इंसान के रूप में देखना शुरू करेगी।

अंत में यह कहना उचित होगा कि क्योंझर की यह घटना एक व्यक्ति की अज्ञानता से कहीं अधिक एक पूरे तंत्र की सामूहिक हार है। यह हमें यह सबक देती है कि नियम समाज की सुविधा के लिए होने चाहिए न कि समाज को प्रताड़ित करने के लिए। 19402 रुपये की उस राशि ने उस दिन केवल एक खाते का निपटारा नहीं किया बल्कि उसने हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक ऐसा दाग लगा दिया जो लंबे समय तक हमें हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता रहेगा। विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें या तेज इंटरनेट नहीं है बल्कि विकास का असली अर्थ तब है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति भी सम्मान के साथ अपना अधिकार प्राप्त कर सके और उसे अपनी सच्चाई साबित करने के लिए किसी कंकाल का सहारा न लेना पड़े। जब तक संवेदनशीलता को प्रशासन का अनिवार्य अंग नहीं बनाया जाएगा तब तक ऐसी हृदयविदारक घटनाएं व्यवस्था की पोल खोलती रहेंगी और हम केवल मूकदर्शक बनकर रह जाएंगे। हमें एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है जहाँ नियम मानवीय गरिमा के साथ सामंजस्य बिठा सकें ताकि कोई भी व्यक्ति स्वयं को इतना अकेला और लाचार महसूस न करे कि उसे अपनी मर्यादा और मृत अपनों के सम्मान को दांव पर लगाना पड़े।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

गोरखपुर में मिट्टी में दफन मिली महिला और नवजात की लाश, ऑनर किलिंग की आशंका से सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सूखे नाले की मिट्टी में दफन एक महिला और नवजात बच्चे का शव बरामद हुआ। जैनपुर ग्राम सभा के टोला मसूदाबाद स्थित चोरहिया नाले के पास टहलने गए लोगों की नजर मिट्टी से बाहर निकले एक हाथ पर पड़ी। यह दृश्य देखकर लोग दहशत में आ गए और शोर मचाने लगे, जिसके बाद देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और खुदाई कराई। करीब दो फीट नीचे से लगभग 30 वर्षीय महिला और एक नवजात बच्चे का शव बरामद किया गया। महिला ने जींस और टॉप पहन रखा था, जबकि बच्चे का शव पूरी तरह सड़ चुका था। प्रारंभिक जांच में शव करीब एक सप्ताह पुराना बताया जा रहा है।

मौके पर फोरेंसिक टीम को कुछ बाल भी बिखरे हुए मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि यह बाल जानवरों द्वारा नोचे गए हो सकते हैं, हालांकि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शवों की हालत बेहद खराब होने के कारण उनकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने ऑनर किलिंग की आशंका भी जताई है। अधिकारियों का कहना है कि महिला और नवजात को सुनियोजित तरीके से मारकर मिट्टी में दबाया गया हो सकता है। फिलहाल आसपास के गांवों में गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है और पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घटनास्थल पर सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए, जिससे इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने भीड़ को हटाकर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

तीव्र गति से आई आंधी ने विद्युत व्यवस्था को किया ध्वस्त, क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था नहीं हो पाई बहाल

गोलाबाजार गोरखपुर: गोला क्षेत्र में बुधवार की शाम तेज गति से आई धूल भरी आंधी ने गोला उपनगर के मन्नीपुर, डिहवा, रानीपुर आदि में तार व पोल गिरने से करीब साढ़े तीन सौ घरों से अधिक लोगों के बिजली रात से ही गायब है। विद्युत विभाग द्वारा सभी जगह पर कार्य तेजी से चल रहा है। लेकिन क्षेत्र विद्युत व्यवस्था पूरी तरह समाचार लिखे जाने तक बहाल नहीं हो पाया है। गोला उपकेंद्र के नगरजेई अजय कन्नौजिया का कहना है कि बुधवार की शाम आई तेज धूल भरी आंधी से मन्नीपुर में तार गिर जाने से पूरे वार्ड की बिजली गायब है। डिहवा वार्ड में दो पोल गिर गया है। जिससे इस वार्ड में कुछ घरों में बिजली आपूर्ति बंद है। रानीपुर वार्ड में एक पेड़ में आग लग जाने से कुछ घर की बिजली गायब है। इस प्रकार 350 घर से अधिक लोगों के घरों में रात से ही बिजली गायब है। सभी जगह कर्मचारी लगे हुए हैं कार्य प्रगति पर है। शाम तक सभी जगह विद्युत आपूर्ति बहाल हो जाएगा। पड़ौली फीडर पर 20 घंटा बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हुई है। गोपाल फीडर पर 18 घंटे पर बिजली आपूर्ति बहाल हुई है। मदरिया फीडर में विद्युत आपूर्ति की स्थिति खराब है। हरपुर चीनीमिल उपकेंद्र के केशवापार चाडी के उपभोक्ता दिवाकर राय ने बताया कि हमारे फीडर के करीब 50 गांव की बिजली कल रात तेज गति आई आंधी के कारण गायब है। उपभोक्ता परेशान होकर उपकेंद्र का चक्कर लगा रहे है।

बारह वर्ष का किशोर घर से लापता

रामलक्षन देवरिया। रूद्रपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लक्ष्मीपुर रामलक्षन चौराहा से बारह वर्षीय किशोर अपने घर से गायब है। परिजन खोजबीन किए लेकिन किशोर का कहीं पता नहीं चला तो थक हार कर पुलिस को तहरीर दी है। ग्राम सभा लक्ष्मीपुर राम लक्षन चौराहा निवासी रामगती यादव का नाती हर्ष यादव पुत्र रामबदन यादव उम्र बारह बर्ष दिनांक चौबीस अप्रैल को सुबह सात बजे के लगभग घर से किसी को बीना बताए कहीं चला गया है।वह पाचवीं का छात्र है। हर एक जगह जहां जहां भी उम्मीद थी तलाश करने के बाद जब वह कहीं नहीं मिला तो थक हारकर पुलिस को इसकी तहरीर परिजनों ने दी है ताकि पुलिस की मदद से उसका पता चल सके।

तहसील महरौनी में लेखपालों की हड़ताल, तहसीलदार के खिलाफ खोला मोर्चा — राजस्व कार्य ठप, जनता परेशान

महरौनी (ललितपुर)। तहसील महरौनी में लेखपाल संघ ने तहसीलदार तनवीर हसन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सामूहिक हड़ताल शुरू कर दी है। बड़ी संख्या में लेखपाल तहसील परिसर में धरने पर बैठ गए हैं, जिसके चलते प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होने लगे हैं। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि तहसीलदार के कार्य व्यवहार और कार्यप्रणाली से लेखपालों में लंबे समय से असंतोष व्याप्त है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस और संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में सभी लेखपालों ने एकजुट होकर हड़ताल का रास्ता अपनाया है। संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक तहसीलदार तनवीर हसन का तबादला नहीं किया जाता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने की स्थिति में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हड़ताल के चलते तहसील में राजस्व से जुड़े कार्य बाधित हो रहे हैं, जिससे आम जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जमीन, नामांतरण, दाखिल-खारिज जैसे जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। इस संबंध में लेखपाल संघ ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके।

पुलिस ने पंद्रह हजार का ईनामिया वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, बलात्कार के अपराध में था फरार

● धारा 64(1) BNS महिला के साथ जबरदस्ती (बलात्कार) और धारा 75(2) BNS - यौन उत्पीड़न के मामले में दर्ज था मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज। जिले के ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा बलात्कार करने का मामला प्रकाश में आया था। उस दौरान मामले की पड़ताल के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। लेकिन पीछे लगभग पांच माह से आरोपी फरार चल रहा था। जिसके बाद उच्च अधिकारियों ने 15000 हजार का ईनाम राशि आरोपी पर घोषित कर दिया था। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक ठूठीबारी श अमित कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 11/26 धारा 75(2), 64(1) BNS से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

उक्त प्रकरण में वांछित अभियुक्त राजाराम साहनी पुत्र गणेश साहनी निवासी डिगही थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज, जो दिनांक 23.01.2026 से फरार चल रहा था, की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 15,000/- (पंद्रह हजार रुपये) का इनाम घोषित किया गया था। जिसके बाद बृहस्पतिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

अभियुक्त को विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय जनपद महाराजगंज के समक्ष पेश किया गया ।जिसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह, थाना ठूठीबारी, दरोगा बृजेश पाण्डेय, कांस्टेबल मृत्युंजय तिवारी, कांस्टेबल अभिषेक पाण्डेय, आदि मौजूद रहे।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 73 वाहनों का चालान

देवरिया। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस ने शहर में सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में यातायात प्रभारी गुलाब सिंह के नेतृत्व में यह अभियान बस स्टैंड, कचहरी चौराहा, गोरखपुर ओवरब्रिज और कसया ओवरब्रिज सहित विभिन्न स्थानों पर चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क पर वाहन खड़ा कर सवारी भरने वाले बस, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा बिना हेलमेट और तीन सवारी लेकर चलने वाले बाइक चालकों पर भी एमवी एक्ट के तहत चालान किया गया। राघव नगर और कसया रोड पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 73 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

साधु के वेश में पहुंचे ठग ने गहने दूना करने के नाम जेवरात उड़ाया केस दर्ज

सहजनवा/गोरखपुर। सहजनवा तहसील के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के भेउसा में साधु के वेश में पहुंचे ठग ने महिला के जेवरात दूना करने के नाम पर आभूषण लेकर फरार हो गया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस अज्ञात ठग के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के भेउसा निवासी पोतना देवी पत्नी बजरंगी के घर पर मंगलवार सुबह 8.30 बजे के करीब एक ठग साधु के वेश में पहुंचा। बोला कि अयोध्या में चढ़ावा के लिए कुछ पैसे दे। महिला ने 120 रुपया दे दिया। इसके बाद ठग ने गुड और पानी मांगा उसने घर की पूरी स्थित जानने के बाद महिला को झांसा देते हुए कहा कि घर पर काली शक्ति की शाया है। जिसके झांसे में महिला आ गई। कहा कि घर में जो जेवरात हो उसे लाए जिसे दूना कर देगे। महिला झांसे में आकर घर के अंदर से सोने की कनफूल लेकर आई। ठग ने एक कागज में पत्थर रखकर महिला को दे दिया। और महिला को झांसा दिया कि इसे रात्रि में 9 बजे खोलना जेवरात दूना हो जायेगा। जब महिला ने कागज को खोला तो उसमें रंगीन पत्थर था। इसके महिला के होश उड़ गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ठग के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने वांछित आठ वारंटियों को दबोचा, भेजा न्यायालय

● ठूटीबारी थाना अंतर्गत फरार चल रहे 8 वारंटियों को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ठूठीबारी/ महराजगंज। निचलौल तहसील क्षेत्र के कोतवाली ठूठीबारी पुलिस द्वारा फरार चल रहे आधा दर्जन से अधिक वारंटियों को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार को न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्यवाही पुलिस कप्तान शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत किया गया।

जानकारी के अनुसार थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज पलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में जनपद में वांछित वारण्टी अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। जिसके दृष्टिगत बसन्त सिंह क्षेत्राधिकारी निचलौल के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी अमित कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में बृहस्पतिवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

बताते चले कि दरोगा बब्बन प्रसाद वर्मा, खुशबू , मनोहर यादव, सरिता, के द्वारा कुल 8 नफर वारण्टी को विभिन्न मुकदमा अपराध में महिला अभियुक्त रीना गौतम पत्नी नागेन्द्र, सुनीता पत्नी नरसिंह , सोनचानी पत्नी विकेन्द्र, विरेन्द्र पुत्र रामचन्द्र, अरुण पुत्र विरेन्द्र निवासीगण ठूठीबारी मरचहवा टोला थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज तथा अमेरिका पुत्र रामा, भदई पुत्र अमेरिका, गुड्डू पुत्र परमानन्द निवासीगण ठूठीबारी टोला सड़कहवा थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज की गिरफ्तार कर हिरासत में पुलिस द्वारा लिया गया। और अग्रिम विधिक कार्यवाही के लिए न्यायालय भेज दिया गया।

गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम

उपनिरीक्षक बब्बन प्रसाद वर्मा, महिला दरोगा खुशबू, कांस्टेबल मनोहर यादव, महिला कांस्टेबल सरिता,अन्तिमा मौजूद रहें।

खजनी में महिला शक्ति का उबाल: अंशु सिंह के नेतृत्व में हजारों महिलाओं का प्रदर्शन, इंडी गठबंधन का पुतला दहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- गोरखपुर जनपद के खजनी क्षेत्र में बुधवार को महिला शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला, जब ब्लॉक प्रमुख खजनी अंशु सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतर आई। खजनी चौराहे पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) के खिलाफ लोकसभा में विपक्ष द्वारा किए गए विरोध के प्रति कड़ा आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों ने इंडी गठबंधन के नेताओं का प्रतीकात्मक पुतला फूंककर जोरदार नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह से जोश और आक्रोश से भरा रहा। महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर 'नारी सम्मान में ठेस नहीं सहेंगे ', 'महिला अधिकारों का अपमान नहीं चलेगा' जैसे नारों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। पूरे चौराहे पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। इस मौके पर भाजपा नेत्री एवं ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'नारी शक्ति को कमजोर करने की किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। आज की महिला जागरूक है, सशक्त है और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को पूरी तरह तैयार है।' उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, जिसका विरोध करना महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है। अंशु सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी जी की सराहना करते हुए कहा कि 'प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमेशा महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। देश की हर नारी आज उनके साथ खड़ी है और उनके नेतृत्व में खुद को सुरक्षित और सशक्त महसूस कर रही है। '

प्रदर्शन में भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें जिला उपाध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह, जगदीश चौरसिया, अंशुमाली धर द्विवेदी, विनोद शर्मा, आदर्श राम त्रिपाठी, अवध बिहारी मिश्रा, सुशील सिंह और मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में महिला आरक्षण बिल के समर्थन और विपक्ष के विरोध की निंदा की। यह प्रदर्शन न सिर्फ राजनीतिक संदेश देने में सफल रहा, बल्कि यह भी स्पष्ट कर गया कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग और मुखर हो चुकी हैं।

गोरखपुर: विरासत गलियारा पर डीएम का सख्त एक्शन

● बारिश के बाद खुद उतरे सड़कों पर, ड्रेनेज से बिजली तक दिए ताबड़तोड़ निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बेमौसम बारिश के बाद शहर के बहुचर्चित विरासत गलियारा की हकीकत जानने के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा गुरुवार को खुद मैदान में उतर गए। पाण्डेय हाता से धर्मशाला तक पैदल निरीक्षण कर उन्होंने न सिर्फ व्यवस्थाओं की पोल खोली, बल्कि मौके पर ही जिम्मेदार अधिकारियों को कड़े निर्देश भी दिए। डीएम के तेवर साफ था।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ा फोकस जल निकासी व्यवस्था पर रहा। डीएम ने बेड ड्रेन, मुख्य नालों और गलियों की कनेक्टिविटी को बारीकी से परखा। कई स्थानों पर नालियों का स्तर असंतुलित मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और साफ निर्देश दिया कि गलियों और मुख्य मार्ग की नालियां एक समान स्तर पर हों, ताकि बारिश में जलभराव की समस्या पैदा न हो। उन्होंने तत्काल सफाई, ढलान सुधार और कनेक्टिविटी दुरुस्त करने के आदेश दिए। स्थानीय व्यापारियों से सीधे संवाद करते हुए डीएम ने उनकी समस्याएं सुनीं। व्यापारियों ने जलभराव, अंधेरे और सुरक्षा को लेकर शिकायतें रखीं, जिस पर डीएम ने मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलियों में आवागमन आसान बनाने के लिए नालों के ऊपर स्लैब (पटिया) लगाए जाएं, ताकि लोगों को दिक्कत न हो।

बिजली व्यवस्था पर भी डीएम ने सख्त रुख अपनाया। कई जगह खुले में लटकते बिजली के तारों को गंभीर खतरा बताते हुए उन्होंने विद्युत विभाग को प्राथमिकता के आधार पर इन्हें अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए। साथ ही स्ट्रीट लाइट की कमी पर नाराजगी जताते हुए तुरंत नई लाइटें लगाने को कहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी डीएम ने कोई ढील नहीं दी। खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को जल्द ठीक कराने और जरूरत पड़ने पर नए कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विरासत गलियारा शहर की पहचान है, यहां सुरक्षा और सुविधाओं में किसी भी तरह की कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के अंत में डीएम ने सभी विभागों को चेतावनी दी कि समन्वय के साथ काम करें और चिन्हित समस्याओं का स्थायी समाधान तय समय सीमा में सुनिश्चित करें। इस दौरान एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

सपा नेता हाफिज हाउस अरेस्ट, देवरिया में बढ़ी सियासी गर्मी

रामलक्षन देवरिया। प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन से ठीक पहले प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव हाफिज शहादत हुसैन अंसारी को हाउस अरेस्ट कर लिया। यह कार्रवाई संभावित भीड़ और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर एहतियातन की गई। बताया जा रहा है कि बरहज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम प्रधान राजेश यादव और गामा यादव को कथित फर्जी मुकदमे में फंसाए जाने के विरोध में आज बड़ा धरना-प्रदर्शन प्रस्तावित था। प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड में था और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए यह कदम उठाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मौके पर अनुवारुल हसन, नवशाद कुरैशी, निजामुद्दीन मुन्ना राय और अख्तर अंसारी समेत कई लोग मौजूद रहे, जिन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई पर नाराजगी जताई।

अनुशासन व परिश्रम के बल पर विद्यार्थी किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है - नवीन पांडेय प्रवंधक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के खजनी क्षेत्र स्थित श्री गणेश पांडे इंटर कॉलेज, कटघर में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक नवीन कुमार पांडेय उर्फ श्याम पांडेय ने कहा कि जीवन में अनुशासन और परिश्रम के बल पर विद्यार्थी किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास के साथ-साथ गुरुजनों का मार्गदर्शन भी बेहद आवश्यक होता है, जो विद्यार्थियों के ज्ञान और व्यक्तित्व को निखारता है। उन्होंने मेधावी छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम से न केवल विद्यालय, बल्कि अपने परिवार का भी नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रणजीत सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अन्य छात्रों को भी इनसे प्रेरणा लेकर लगन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

परीक्षा परिणाम में हाईस्कूल वर्ग में कृष्ण कुमार ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि इंटरमीडिएट में मंशा ने 75.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस दौरान मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी राघवेंद्र प्रताप चंद, विनय कुमार सिंह, मुकेश उपाध्याय, मीना मिश्रा, ओमवीर सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, राघवेंद्र मिश्र, अरविंद गौतम, अभिषेक सिंह, स्नेह लता यादव, हरीश कुमार त्रिपाठी, योगेंद्र कुमार, अरुण सिंह, करौली द्विवेदी और अशोक कुमार राज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता आंदोलन के महान सेनानी थे रामनरेश कुशवाहा: चंद्रभूषण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया, 30 अप्रैल। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजवादी चिंतक, कवि, लेखक एवं पूर्व सांसद स्मृतिशेष रामनरेश कुशवाहा की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि रामनरेश कुशवाहा जैसे बेबाक और सिद्धांतवादी नेता राजनीति में विरले ही मिलते हैं, जो लाभ-हानि की चिंता किए बिना सत्य को स्पष्ट रूप से रखते थे।

उन्होंने कहा कि कुशवाहा जी समाजवादी धारा के मजबूत स्तंभ थे और उन्होंने जीवनभर ईमानदारी के साथ राजनीति की। सामाजिक न्याय की स्थापना और पाखंडवाद के खिलाफ उनका संघर्ष निरंतर जारी रहा।

यश-अपयश या लाभ-हानि की परवाह किए बिना उन्होंने हमेशा अपने विचारों को निर्भीकता से रखा। उनकी चर्चित रचना 'खंड-खंड पाखंड' उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। इस अवसर पर सुरेश नारायण सिंह, संतोष सिंह, गेना यादव, लोरिक गोंड, चंद्रिका यादव, व्यास यादव, गोविंद यादव, दयानंद यादव, मुरलीधर, शंकर गोंड, नारायण प्रसाद, अयोध्या वर्मा, नगीना यादव, श्यामसुंदर प्रसाद और बेलभद्र गोंड सहित अन्य लोगों ने भी रामनरेश कुशवाहा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

देवरिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत जनपद में जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में सभी थानों की मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीमों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान पुलिस टीमों ने महिलाओं व छात्राओं को पंपलेट वितरित कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। थाना खामपार क्षेत्र में पुलिस टीम ने ग्रामीण महिलाओं व बच्चियों को जागरूक किया, वहीं थाना रामपुर कारखाना क्षेत्र के कोटवा, पटनवापुल और सिरसिया चौराहे पर भी छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा उपायों के बारे में बताया गया। अभियान के तहत डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, एंबुलेंस सेवा-108 और साइबर हेल्पलाइन-1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थानों पर भी लोगों को जागरूक करते हुए महिलाओं से किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने की अपील की है।

तीसरे सिख गुरु श्रीगुरु अमरदासजी का प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। श्रीगुरुसिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा में तीसरे सिख गुरुश्री गुरु अमरदासजी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान गुरुद्वारा परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने भाग लेकर गुरु की शिक्षाओं का श्रवण किया। शुरुआत श्रीसहज पाठ साहिब की समाप्ति के साथ हुई, जिसकी सेवा सरदार सुरजीत सिंह खालसा एवं अवतार सिंह द्वारा संपन्न कराई गई। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए लंगर का आयोजन भी इन्हीं परिवारों द्वारा किया गया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दलजीत सिंह ने गुरबाणी कीर्तन एवं कथा के माध्यम से संगत को निहाल करते हुए गुरु अमरदासजी के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गुरु अमरदासजी का जन्म मई 1479 में बसारके गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम तेज भान भल्ला और माता का नाम भक्त कौर था। उन्होंने सिख धर्म में सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दिया और सती प्रथा का विरोध करते हुए विधवा विवाह तथा समानता के सिद्धांतों को प्रोत्साहित किया। ज्ञानी दलजीत सिंह ने कहा कि गुरु अमरदासजी ने लंगर परंपरा को सशक्त बनाया और आनंद साहिब जैसी महत्वपूर्ण बाणी की रचना की। उन्होंने सिख धर्म को संगठित स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाई और गुरु नानक देवजी एवं गुरु अंगद देवजी की शिक्षाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा ने बताया कि आगामी 18 जून को श्रीगुरु अर्जन देवजी का शहीदी दिवस मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत 9 मई से गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा में 41 दिनों तक प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे से श्रीसुखमणि साहिब के पाठ, गुरबाणी कीर्तन एवं कथा का आयोजन होगा। साथ ही प्रतिदिन चाय-नाश्ता और लंगर की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। इस दौरान गुरुसिंह सभा के अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष डा.सुरेंद्र कौर वालिया, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह छतवाल, मंत्री मंजीत सिंह सलूजा सहित चरणजीत सिंह, जगजीत सिंह, अवतार सिंह, सतनाम सिंह भाटिया, आनंद सिंह, गौरव सिंह, हरजीत सिंह, अमरजीत सिंह सलूजा, गुणवीर सिंह, बिंदु कालरा, गोल्डी कौर, नीतू कौर, जसप्रीत कौर, जसविंदर कौर सलूजा, सरनजीत कौर सलूजा समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवाहन पर ट्रेड डील को रद्द करवाने के संबंध में ज्ञापन

गोला गोकर्णनाथ खीरी- भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के शीर्ष नेतृत्व आवाहन पर जिला अध्यक्ष बलकार सिंह के नेतृत्व में किसानों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी लखीमपुर खीरी के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारी खुशहाल को प्रेषित किया ज्ञापन में ट्रेड डील भारत अमेरिका का समझौता ट्रेड डील को रोके जाने की अपील की, जिला अध्यक्ष ने 8 सूत्री ज्ञापन देते हुए बताया की ट्रेड डील लागू होने से देश के किसानों पर भविष्य में विदेशी कंपनियों और पूजी पति किसानों का शोषण करेंगे किसानों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा फसलों के वाजिद दम नहीं मिल सकेंगे एवं किसान अपनी ही जमीन पर मजदूरी करने को विवश हो जाएगा ज्ञापन देने समय किसान मोहम्मद सईद खान जिला महासचिव, सुखदेव सिंह जिला उपाध्यक्ष, उत्तम यादव ब्लॉक अध्यक्ष, मोहम्मद आरिफ, गुरु साहब सिंह, गुरदेव सिंह, गुलजार सिंह, इसरार गाजी, अमनदीप सिंह, अमरिंदर सिंह राहुल यादव आज किसान भाई मौजूद रहे।

ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई से इलाके में हड़कंप

लखीमपुर खीरी - परिवहन विभाग ने ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है।दरअसल, सदर कोतवाली क्षेत्र के मेहवागंज इलाके में लखीमपुर-निघासन मार्ग पर नवभारत स्कूल के पास एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने चेकिंग अभियान के दौरान बालू से लदी एक ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया।जांच के दौरान वाहन में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली तय सीमा से अधिक बालू लादकर चल रही थी। इसके साथ ही वाहन के पास प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं था और हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट भी नहीं लगी हुई थी।इन सभी उल्लंघनों को देखते हुए एआरटीओ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन को सीज कर दिया और कुल 52,200 रुपये का चालान किया गया। कार्रवाई के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को मेहवागंज चौकी में खड़ा करा दिया गया है।चालक के अनुसार वह शारदा नगर से बालू लेकर लखीमपुर की ओर जा रहा था, तभी चेकिंग के दौरान उसे रोका गया। एआरटीओ ने साफ तौर पर कहा है कि ओवरलोडिंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप का माहौल है।

ग्राम करमुलिया में कोटेदार की मनमानी से ग्रामीण परेशान, कई महीनों से नहीं मिल रहा पूरा राशन

लखीमपुर खीरी (पसगवां): जनपद लखीमपुर खीरी के ब्लॉक पसगवां अंतर्गत ग्राम पंचायत करमुलिया में कोटेदार द्वारा राशन वितरण में धांधली की शिकायतें लगातार आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार अपनी मनमानी कर रहा है और कई महीनों से उन्हें पूरा राशन नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार महीने में सिर्फ एक बार राशन देता है, वह भी तय मात्रा से काफी कम। जब वे इस पर सवाल करते हैं तो कोटेदार गाली-गलौज करता है और राशन कार्ड खारिज करवाने की धमकी देता है।ग्रामीणों ने बताया, हम हर महीने अंगूठा लगाते है लेकिन हमें पूरा राशन नहीं मिलता है। जब हम कोटेदार से पूछते हैं तो वह हमें डराता-धमकाता है। ' हमें महीनों से पूरा राशन नहीं मिलाता है। कोटेदार राशन कम देता है और जब हम शिकायत करते हैं तो वह हमें अपशब्द कहता है।ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार सरकारी राशन की कालाबाजारी कर रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की जांच करने और कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में अभी तक प्रशासन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बोलेरो की टक्कर से एक ही परिवार के चार की मौत

● पुवायां-मोहम्मदी रोड पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। शादी समारोह से बाइक पर लौट रहे परिवार को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शाहजहांपुर। पुवायां-मोहम्मदी रोड पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। शादी समारोह से बाइक पर लौट रहे परिवार को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पति-पत्नी समेत दोनों मासूम बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। निगोही कस्बे के मोहल्ला रामनगर बगिया निवासी मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था और परिवार खुशहाल जीवन बिता रहा था। वह अपनी पत्नी सीमा (32), पुत्री दीक्षा (6) तथा पुत्र नैतिक (4) के साथ पुवायां क्षेत्र में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने गया था। जब वह पत्नी तथा दोनों बच्चों के साथ बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह पुवायां-मोहम्मदी रोड पर पहुंचा, सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त कि बाइक सवार चारों लोग दूर जा गिरे। गंभीर चोट लगने के कारण अरुण तथा उसके दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पत्नी ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक बोलेरो छोड़कर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक सलोना कशवाहा व पूर्व विधायक ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंच कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से रामनगर बगिया मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। घर के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, घर लौटने से पहले ही उजड़ गया पूरा परिवार

सुरेंद्र सिंघल शाहजहांपुर। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद निगोही के मोहल्ला रामनगर बगिया में शायद ही कोई घर ऐसा रहा हो, जहां चूल्हा जला हो। कुछ ही घंटे पहले जिस परिवार में हंसी-खुशी का माहौल था, वही घर अब चीख-पुकार से गूंज रहा है। अरुण अपनी पत्नी सीमा और दोनों बच्चों दीक्षा और नैतिक के साथ एक शादी में शामिल होने गया था। बच्चों के चेहरे पर खुशी थी। नए कपड़े, मिठाई और शादी का उत्साह। किसी को क्या पता था कि यह उनकी जिंदगी की आखिरी खुशियां होंगी। वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद अरुण ने घर लौटने की सोची। पत्नी पीछे बैठी थी, दोनों बच्चे बीच में सिमटे हुए थे। शादी में शामिल होने का उनमें अलग ही उत्साह था।

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था अचानक तेज रफ्तार बोलेरो ने एक पल में सब कुछ खत्म कर दिया। न कोई आखिरी बात, न कोई अलविदा।जब हादसे की खबर मोहल्ले में पहुंची, तो हर कोई स्तब्ध रह गया। घर के बाहर लोगों की भीड़ लग गई। हर चेहरे पर दर्द के आंसू थे जैसे अपने ही परिवार का कोई हिस्सा खो दिया हो। यह हादसा सिर्फ एक परिवार को नहीं, पूरे मोहल्ले को जिंदगी भर का दर्द दे गया।

तेंदुआ प्रभावित क्षेत्रों में हाई अलर्ट

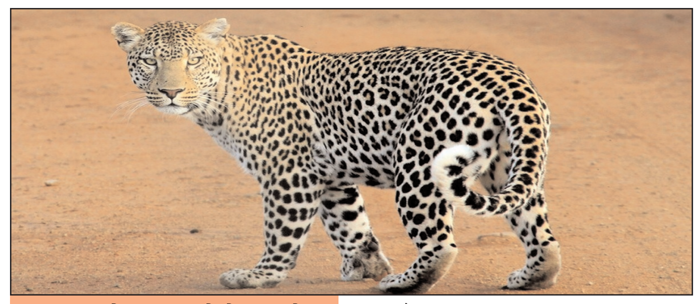

● रात में बाहर सोने पर रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी! दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन विभाग ने सख्त अलर्ट जारी किया है। विभाग ने प्रभावित गांवों के लोगों को रात में घर के बाहर सोने से मना किया है और सतर्क रहने की अपील की है। जानकारी के अनुसार, बेलरायां रेंज के करीब 11 गांव तेंदुए के खतरे की जद में हैं। बीते एक सप्ताह में हमले की दो घटनाएं सामने आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्रभागीय वनाधिकारी रेंजर भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण के लिए वन विभाग 'ऑपरेशन लैपर्ड' चला रहा है। इसके तहत टीमें गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं और जरूरी सुरक्षा उपायों की जानकारी दे रही हैं। तेंदुए को पकड़ने के लिए विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। उसकी लोकेशन ट्रेस करने के लिए 15 सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन लगाए गए हैं। चिन्हित स्थानों पर 9 पिंजरे भी लगाए गए हैं, जिनकी बेलरायां रेंज की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर बिजली विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावित गांवों में रात के समय बिजली आपूर्ति बाधित न हो, ताकि अंधेरे का फायदा उठाकर तेंदुआ हमला न कर सके। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे बच्चों और पशुओं को अकेला न छोड़ें, समूह में रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को दें।

अस्वस्थ शिक्षक, छोटे बच्चों की माता शिक्षिकाओं को जनगणना ड्यूटी से मुक्त किया जाए- नरेश गंगवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। राष्ट्रीय कार्यक्रम जनगणना में इस समय मकान गणना के लिए प्रशिक्षण चल रहा जिस के लिए बेसिक शिक्षा विभाग सभी के सभी शिक्षक यानी 99. 5% शिक्षक, शिक्षा मित्र अनुदेशकों की ड्यूटी लगा दी गई है, इसमें कई खामियां देखने में आई हैं। जैसे स्कूल के हेड इंचार्ज की ड्यूटी लगा दी गई है इनकी ड्यूटी लगने से स्कूल का संचालन, सूचनाओं के आदान प्रदान के साथ साथ विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में दिक्कतें होंगी, साथ ही वह जो ड्यूटी करने की स्थिति में नहीं है। उनमें गंभीर रूप से अस्वस्थ शिक्षक ,वृद्ध, और छोटे बच्चों की माता शिक्षिकाओं की इस भीषण गर्मी में कोई अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े इसीलिए आज उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार, मांडलिक मंत्री केसी पटेल, जिला मंत्री बलवीर सिंह ने बुधवार को जिला जनगणना अधिकारी अपर जिलाधिकारी (वित्त) को पत्र ज्ञापन दे कर मांग की है। सभी शिक्षकों को को जनगणना के कार्य से मुक्त रखा जाए। आवश्यक हो तो अन्य विभाग से कर्मचारी लगाए जाने की मांग की है।

किसानों के साथ 'खेल': सिंगाही-तिकुनियां में गेहूं खरीद की आड़ में बड़े घोटाले की आहट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले के सिंगाही और तिकुनियां क्षेत्र में इन दिनों गेहूं की सरकारी खरीद महज कागजों तक सिमटती नजर आ रही है। अन्नदाता की मेहनत पर बिचौलियों और भ्रष्ट तंत्र की गिद्ध दृष्टि पड़ चुकी है। आरोप है कि क्षेत्र में किसानों के हक पर डाका डालते हुए एक बड़े सिंडिकेट द्वारा 'अंगूठा लगवाओ, मुनाफा कमाओ' का खेल धड़ल्ले से चलाया जा रहा है।

कागजों पर 'सरकारी रेट', हकीकत में 'कौड़ियों' के भाव

स्थानीय मंडियों और क्रय केंद्रों की सुस्ती का फायदा उठाकर बिचौलियों ने गांवों में जाल बिछा दिया है। जानकारी के अनुसार, व्यापारी किसानों से औने-पौने दामों पर गेहूं खरीद रहे हैं। मजबूरी का आलम यह है कि कर्ज और अगली फसल की तैयारी के लिए किसान अपनी उपज को सरकारी समर्थन मूल्य (MSP) से काफी कम दाम पर बेचने को विवश हैं।

ऐसे रचा जा रहा है 'भ्रष्टाचार का चक्रव्यूह'

सूत्रों का दावा है कि तिकुनियां और आसपास के क्षेत्रों में व्यापारियों ने एक नायाब तरीका खोज निकाला है:

अंगूठे का खेल: अशिक्षित या सीधे-सादे किसानों को गुमराह कर उनके अंगूठे लगवा लिए जाते हैं।

फर्जी कागजी कार्रवाई: कागजों पर यह दिखाया जाता है कि किसान ने सरकारी रेट पर मंडी में फसल बेची है।

मुनाफे की बंदरबांट: बिचौलिए इस गेहूं को ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि किसान के हाथ सिर्फ निराशा लग रही है।

जिम्मेदारों की चुप्पी और मिलीभगत के संकेत

हैरानी की बात यह है कि नाक के नीचे चल रहे इस खेल से मंडी समिति और संबंधित विभाग के अधिकारी अनजान बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है कि आखिर किसके संरक्षण में यह लूट चल रही है? क्या बिना प्रशासनिक मिलीभगत के इतने बड़े पैमाने पर किसानों के नाम का दुरुपयोग संभव है? अधिकारियों की यह 'रहस्यमयी चुप्पी' भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है।

किसानों का दर्द: 'हमें मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचनी पड़ रही है। केंद्र पर घंटों इंतजार और तमाम औपचारिकताओं के नाम पर परेशान किया जाता है, जिसका फायदा उठाकर व्यापारी हमारे घर से ही सस्ते में माल उठा लेते हैं।'

जांच की दरकार: क्या जागेगा प्रशासन?

सिंगाही और तिकुनियां की फिजाओं में तैरते ये सवाल अब जिला प्रशासन की साख को चुनौती दे रहे हैं। किसानों ने मांग की है कि:तत्काल प्रभाव से गेहूं खरीद केंद्रों की क्रॉस-चेकिंग की जाए।जिन किसानों के अंगूठे लगवाए गए हैं, उनका भौतिक सत्यापन हो।व्यापारियों और मंडी अधिकारियों के गठजोड़ की उच्चस्तरीय जांच हो।यदि समय रहते जिला प्रशासन ने इस 'सिंडिकेट' पर नकेल नहीं कसी, तो जिले का किसान कर्ज के दलदल में और धंस जाएगा। अब देखना यह है कि जिलाधिकारी इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई करते हैं या अन्नदाता के साथ यह खेल यूं ही जारी रहेगा।

वन विभाग की मिलीभगत से पिपरा उद्यान ग्राम में तालाब किनारे पेड़ों की कटाई

● खसरा कहीं और का काट दिया तालाब की परिधि के पेड़ लेखपाल, वन विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में?

क्या तालाब की परिधि के पेड़ काटे जा सकते हैं?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद के वन रेंज मैगलगंज के पिपरा उद्यान ग्राम में पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव स्थित तालाब की परिधि पर लगे हरे-भरे पेड़ों को अवैध रूप से काटे जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह कटान वन विभाग की मिलीभगत से किया गया, जिससे पूरे प्रकरण में विभागीय अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, तालाब के चारों ओर वर्षों पुराने पेड़ क्षेत्र की हरियाली और जल संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा थे। अचानक भारी संख्या में पेड़ों की कटाई से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है, बल्कि तालाब के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। लोगों का कहना है कि बिना किसी वैध अनुमति के इस तरह पेड़ों का कटान संभव नहीं है, जिससे विभागीय संलिप्तता की आशंका और गहरी हो गई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन बिगड़ सकता है और भविष्य में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वहीं, इस संबंध में वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या दोषियों पर कार्रवाई होती है या नहीं।

यात्री प्रतीक्षालय में खुली दुकान, सुविधा या अव्यवस्था?

● निघासन के अदलाबाद में नियमों की अनदेखी पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निघासन-खीरी। क्षेत्र के अदलाबाद स्थित यात्री प्रतीक्षालय में दुकान खोले जाने का मामला सामने आया है, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है। यात्रियों के बैठने और आराम करने के लिए बनाए गए इस प्रतीक्षालय का उपयोग अब व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किए जाने से मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतीक्षालय सार्वजनिक सुविधा के लिए बनाया गया था, लेकिन यहां दुकान संचालित होने से यात्रियों को बैठने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही साफ-सफाई और व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि यात्रियों को मिलने वाली सुविधा बाधित न हो और सार्वजनिक स्थानों का सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

व्यापारी ने लगाई किसान को लाखों की चपत

मितौली खीरी- मितौली कस्बे के एक व्यापारी द्वारा किसान के साथ धोखाधड़ी कर एक लाख रुपए की चपत लगाई है पूरा मामला है मितौली थाना के एक कपड़ा व्यापारी मजीद ने धोखाधड़ी कर नीमगांव थाना पैला की महिला किसान नीलम मौर्या से एक प्लाट का बैनामा करा लिया और पच्चास हजार रुपए नकद देकर एक लाख रुपए की बाउंस चेक काट कर उसके साथ धोखाधड़ी करके उस महिला को गुमराह कर रहा है।जिसकी शिकायत पीड़ित महिला ने सीओ मितौली सहित मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है पर अभी तक उसको कोई न्याय नहीं मिल सका है अगर महिला को मितौली सीओ से न्याय नहीं मिला तो महिला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में अपनी गुहार लगायेगी ।

कुत्ते ने सात लोगों को काटकर किया घायल, महिला की हालत गंभीर

● नाराज लोगों ने पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

(बहराइच)। बुधवार रात को घर में सो रहे लोगों को कुत्ते ने काट लिया। जिसमें महिला समेत सात लोग घायल हो गए। महिला की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। नाराज ग्रामीणों ने कुत्ते को घेर कर लाठियों से पीट दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। खैरीघाट के ग्राम मक्कापुरवा में आवारा कुत्ता रात ढाई बजे अचानक लोगों को नोंचना शुरू कर दिया। कुत्ते ने आंगन में सो रही 45 वर्षीय शिव कुमारी के सिर को नोच लिया। इसके बाद 48 वर्षीय समसुल्लका, 30 वर्षीय मीरा देवी, उनके आठ वर्षीय बेटे अंकित, 38 वर्षीय बंशीलाल, 13 वर्षीय गजरिया देवी व पांच वर्षीय चंटी देवी को काटकर घायल कर दिया।

घर में सो रहे लोगों पर किया हमला

सभी लोग अपने-अपने घरों में सो रहे थे, तभी कुत्ते ने उन पर हमला बोल दिया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिवारजनों व ग्रामीणों ने किसी तरह घायलों को बचाया और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया। इलाज के दौरान शिव कुमारी की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुत्ते के हमले से नाराज ग्रामीणों ने उसे घेरकर लाठियों से पीट दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई।

दो लोगों की हो चुकी है मौत

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में काफी समय से आवारा कुत्तों के हमले हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। बीते वर्ष मटेरा कलां निवासी मानसी देवी और रखौना निवासी नूर मुहम्मद को कुत्तों ने नोच नोच कर मर डाला था। घटना के बाद लोगों में भय का माहौल है और रात में घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

महिला आरक्षण के समर्थन में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी

तिलहर शाहजहांपुर। महिला सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत बृहस्पतिवार शाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजनपुर मार्ग स्थित मोहद्दीपुर गांव के पास जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह चौहान और महिला मोर्चा मंत्री आरती सिंह ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण बिल के समर्थन में आवाज उठाते हुए विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने महिला हितों की अनदेखी करते हुए बिल का विरोध किया, जिससे उनकी सोच स्पष्ट होती है। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप विपक्ष का पुतला दहन किया और केंद्र सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदर्शन में आशीष अवस्थी, मिथिलेश्वर सिंह, मीना शर्मा, सुनैना वर्मा समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय उमरिया में मनाया गया वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह

● अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें तभी सफलता:- नरेश मिश्र अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उमरिया विकासखंड खैराबाद जनपद सीतापुर में वार्षिकोत्सव, छात्र अलंकरण समारोह व नव प्रवेशी बच्चों का प्रवेशोत्सव कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित व विशिष्ट अतिथि संगठन के प्रांतीय प्रवक्ता मनीष पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, एस आर जी करुणेश मिश्र, अलोक श्रीवास्तव, ए आर पी पूनम बाजपेयी, वंदना दीक्षित, पूनम राठौर, आशा रानी, फूल चंद्र पाल आदि के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। प्रधानाध्यापक नरेश मिश्र द्वारा आये हुए अतिथियों का बैज लगाकर व बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत के माध्यम से स्वागत किया गया। बच्चों द्वारा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। मोबाइल के बढ़ते प्रयोग के दुष्परिणाम पर आधारित नाटिका के माध्यम से बच्चों ने समाज को जागरूक करने का प्रयास किया जिसे दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम मे कक्षा 1 व 6 के नवप्रवेशी लगभग 60 बच्चों का तिलक लगाकर व स्टेशनरी देकर स्वागत किया गया। वार्षिक परीक्षा सत्र 2025-26 मे सभी कक्षाओं मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अरविंद, एसएमसी अध्यक्ष सोबरन लाल, एसएमसी सदस्य श्री रामपाल, राजाराम, लालता प्रसाद सहित बहुत से महिला पुरुष अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे बच्चों व अभिभावकों की सराहनीय उपस्थिति रही। अपने सम्बोधन मे प्रदेश अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित ने परिषदीय विद्यालयों मे सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों का प्रवेश करा कर उनका लाभ उठाने व बच्चों के उज्ज्वल भविष्य बनने का आह्वान किया। श्री दीक्षित ने उपस्थित अभिभावकों को अपने बच्चों को विद्यालय नियमित भेजना व उनकी शिक्षा पर ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम आयोजन में रंजीता मौर्य, दीप्ति यादव, प्रीति त्रिवेदी, प्रतिभा, शोभना सिंह रोली मौर्या, रंजना सिंह, राजेश कुमार, रेनू यादव, नींतू अग्रवाल,गुरमीत कौर, अजय कुमार त्रिपाठी का सराहनीय योगदान रहा। अंत मे प्रधानाध्यापक नरेश मिश्र द्वारा आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

कॉल्विन इंटर कॉलेज में 'प्रतिभा अलंकरण समारोह' का भव्य आयोजन

महमूदाबाद- सीतापुर स्थानीय कॉल्विन इंटर कॉलेज में प्रतिभा अलंकरण समारोह का भव्य और उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शैक्षणिक, खेल एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य मेजर डॉ. बृजकिशोर ने मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को आगे बढ़ने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। समारोह का मुख्य आकर्षण एनसीसी के सीनियर अंडर ऑफिसर हिमांशु सिंह रहे, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हिमांशु ने न केवल कॉलेज बल्कि प्रदेश स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हाल ही में उन्होंने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें भारत स्काउट गाइड, सीतापुर द्वारा 'विशिष्ट प्रतिभा सम्मान' तथा कॉलेज की ओर से 'बेस्ट कैडेट अवार्ड' और 'प्रेरणा स्रोत छात्र' के खिताब से नवाजा गया। इस अवसर पर उनके अभिभावक 'मामा' आचार्य विजेंद्र सिंह 'उदण्ड' को भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने हिमांशु की सराहना करते हुए कहा कि वे कॉलेज के सबसे तेज-तर्रार कैडेट्स में से एक हैं और भविष्य में निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों को छुएंगे। समारोह में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। जिनमे मयंक शर्मा, मो. एहतेशाम, पीयूष चौधरी, अरुण कुमार इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग का व सत्यम, मोनू, मो. कैफ (78.60%) इंटरमीडिएट कला वर्ग का, हिमांशु सिंह, अयान खान, अबू बक्र व्यावसायिक वर्ग अरुण कुमार का सम्मान किया गया। विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और छात्रों की उपलब्धियों ने क्षेत्र में संस्थान का मान बढ़ाया है।

संक्षिप्त खबरें

अर्दली रूम में जांच प्रगति की समीक्षा, विवेचकों को चेतावनी

भदोही। जनपद पुलिस द्वारा लंबित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण और शिकायतों के प्रभावी समाधान को लेकर कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संबंधित क्षेत्राधिकारियों द्वारा अर्दली रूम आयोजित कर मामलों की समीक्षा की गई। क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह ने औराई व चौरी क्षेत्र में तथा क्षेत्राधिकारी भदोही अशोक मिश्रा ने थाना भदोही पर प्रभारी निरीक्षकों एवं विवेचकों के साथ अर्दली रूम कर लंबित मामलों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान लंबे समय से लंबित विवेचनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित विवेचकों को गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

बैठक में लोक शिकायतों, विभिन्न माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों, लंबित आईजीआरएस एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाना सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधिकारियों ने विवेचकों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करें, जिससे आमजन को त्वरित न्याय मिल सके और कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

साइबर ठगी के शिकार युवक को मिला एक लाख रुपये वापस

ज्ञानपुर साइबर हेल्पडेस्क की त्वरित कार्रवाई, पीड़ित ने जताया आभार

भदोही। जनपद पुलिस की सक्रियता से साइबर ठगी के शिकार एक युवक को बड़ी राहत मिली है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में साइबर हेल्पडेस्क थाना ज्ञानपुर की टीम ने कार्रवाई करते हुए पीड़ित के एक लाख रुपये वापस कराए हैं। जानकारी के अनुसार थाना ज्ञानपुर क्षेत्र के बालीपुर निवासी आदित्य सिंह यादव से साइबर ठगों ने लोन दिलाने का झांसा देकर एक लाख रुपये की ठगी कर ली थी। पीड़ित ने इस संबंध में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर हेल्पडेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से जांच कर त्वरित कार्रवाई की। पुलिस की प्रभावी पैरवी के बाद न्यायालय के आदेश पर ठगी गई धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। अपने पैसे वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए टीम की सराहना की। पुलिस अधीक्षक ने साइबर अपराधों पर रोकथाम के लिए सभी को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और किसी भी अंजान लिंक या कॉल पर भरोसा न करें।

भैस से टकराकर बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल ट्रामा सेंटर रेफर

हलिया (मीरजापुर): हलिया थाना क्षेत्र के बैधा गांव में बुधवार की रात्रि में बाइक सवार भैंस से टकराकर दो युवक घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव निवासी 30 वर्षीय अंसार अपने साथी लायन गांव निवासी 35 वर्षीय करियवा के साथ बाइक से पिपरा बाजार की तरफ से लौट रहे थे की अज्ञात बोलोरो वाहन ने वैधा गांव में एक भैंस को टक्कर मार दिया जिससे भैंस की मौत हो गई बाइक सवार भैंस से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये चिकित्सक द्वारा दोनों की हालत गंभीर देखकर ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है।

दो अन्तर्जनपदीय शातिर गो-तस्कर पुलिस के लंगड़ा आपरेशन में गिरफ्तार

● मौके से वध हेतु पैदल हांकते हुए ले जाए जा रहे 45 राशि गोवंश तथा घटना में प्रयुक्त दो देशी कट्टा व कारतूस भी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। थाना अहरौरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आज दिनांक 29 अप्रैल दिन बुधवार को थाना अहरौरा पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि पैदल अहरौरा के जंगल के रास्ते चंदौली होते हुए बिहार गोवंश ले जाया जा रहा है । मुखबिर के सूचना पर थानाध्यक्ष अजय मिश्रा व नगर चौकी प्रभारी आशीष सिंह मय पुलिस टीम द्वारा बैजू बाबा तपस्थली के जाने वाले रास्ते के दक्षिण जंगल में (भलदरिया) वहद ग्राम हिनौता छातों में अभियुक्तो को रोका गया, अभियुक्तो द्वारा गिरफ्तारी से बचने हेतु पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किये परन्तु थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की गयी, जिसमें दो गो-तस्कर के पैर में गोली लग गई। उसी दौरान पुलिस के लंगड़ा आपरेशन में दोनों अभियुक्त रामबच्चन यादव पुत्र रामअवतार यादव (37) वर्ष निवासी लौंडा झांसी जनपद चंदौली व रामप्रकाश यादव पुत्र रामसूरत (50) वर्ष निवासी ग्राम मुबारकपुर थाना चकिया जनपद चंदौली को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में इलाज हेतु अस्पताल भिजवाया गया है, जहां उनकी स्थिति सामान्य है। पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से घटना में प्रयुक्त दो देशी कट्टा, दो जिन्दा व दो खोखा कारतूस तथा वध हेतु पैदल हांकते हुए ले जाए जा रहे कुल 45 राशि गोवंश बरामद किया गया।

उक्त पुलिस मुठभेड़ एवं गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थानाध्यक्ष अजय मिश्रा ने बताया कि दोनों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास- पहला- रामबच्चन यादव पुत्र रामअवतार यादव निवासी लौंडा झांसी थाना अलीनगर, धारा- 3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर, धारा-3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनिमय, 3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना नौगढ़ जनपद चंदौली, धारा-3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना राजगढ़, धारा-307 भा0द0वि0, 3/5/8 गोवध निवारण अधनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम व 3/25 शस्त्र अधिनियम थाना राजगढ़, धारा -307 भा0द0वि0 व 3/25 शस्त्र अधि0 थाना कछवां, धारा-307 भा0द0वि0 व 3/8 गोवध निवारण तथा11 पशु क्रूरता अधिनियम व 3/25 शास्त्र अधिनियम थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर। धारा-138 (1) ड्ढ भारतीय विद्युत

अधिनियम थाना एंटी पावर थेफ्ट थाना चंदौली, गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना नौगढ़ जनपद चंदौली।

और दूसरा अभियुक्त रामप्रकाश यादव पुत्र रामसूरत निवासी ग्राम मुबारकपुर, धारा- 3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना चकिया, धारा- 3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना नौगढ, धारा-3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम व 4/25 आर्म्स एक्ट थाना चकिया, धारा- 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना चकिया, धारा- धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना नौगढ जनपद चंदौली है। ये दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर संबंधित 5धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

अधिशासी अधिकारी रामबचन यादव को नम आंखों से दी गई भावभीनी विदाई

● गरिमामय समारोह में अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया सम्मान, कार्यशैली की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित विदाई समारोह उस समय भावुक हो उठा, जब अधिशासी अधिकारी रामबचन यादव को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कम समय के कार्यकाल में अपनी कर्तव्यनिष्ठा, सरलता और सौम्य व्यवहार से सभी के दिलों में विशेष स्थान बनाने वाले यादव की विदाई ने माहौल को भावनात्मक बना दिया। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, अधिकारी, कर्मचारी एवं सभासदगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न नगर पालिकाओं के अधिकारियों ने उन्हें गुलदस्ता, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य व स्वस्थ जीवन की कामना की।

वक्ताओं ने कहा कि रामबचन यादव ने अपने कार्यकाल में विकास कार्यों, जनहित और प्रशासनिक पारदर्शिता को नई दिशा दी। उन्होंने अपने मृदुल स्वभाव और समर्पित कार्यशैली से न केवल दायित्वों का निर्वहन किया, बल्कि सभी के साथ आत्मीय संबंध भी बनाए। कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके साथ बिताया गया समय हमेशा यादगार रहेगा। अपने संबोधन में रामबचन यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां मिला स्नेह उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है। समारोह के अंत में माहौल पूरी तरह भावुक नजर आया, जहां हर कोई एक कुशल अधिकारी के साथ-साथ एक संवेदनशील इंसान की कमी महसूस करता दिखा।

करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत ग्रामीणों में आक्रोश

हलिया, (मीरजापुर) लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा चौकी अंतर्गत कठारी गांव में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी छोटेलाल दुबे की भैंस चरते हुए कठारी प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंच गई। इसी दौरान वहां लगे बिजली के खंभे के स्टे में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिससे भैंस उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते खंभों में करंट उतर रहा है, जिससे आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने विभाग से शीघ्र जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने और पीड़ित को मुआवजा देने की मांग की है।

अवर अभियंता मुख्य परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, 6 केंद्रों पर होगी परीक्षा

● नकल विहीन परीक्षा के लिए सख्ती, 2640 परीक्षार्थी होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा को सकुशल व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर पूर्वाह्न 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 2640 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने को कहा गया। परीक्षा को नकल विहीन बनाने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने भी पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढिलाई न बरती जाए। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच सुनिश्चित की जाएगी और आसपास संदिग्ध व्यक्तियों पर

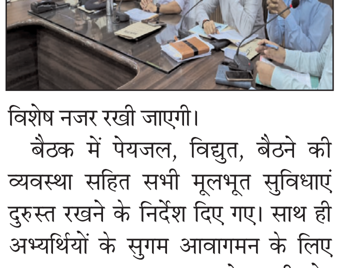

विशेष नजर रखी जाएगी।

बैठक में पेयजल, विद्युत, बैठने की व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा को पारदर्शिता व शुचिता के साथ संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीएम की समीक्षा बैठक में लापरवाही पर सख्ती, कई अधिकारियों को नोटिस के निर्देश

● मुआवजा भुगतान, गोल्डन कार्ड व गेहूं खरीद पर प्रगति तेज करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी समीक्षा के दौरान नत्थईपुर रोड मुआवजा प्रकरण में अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग ने बताया कि मुआवजा वितरण के लिए 06 जूनियर इंजीनियर एवं 08 लिपिकों को लगाकर भुगतान कार्य कराया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों को मुआवजा भुगतान समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी न हो।

जिलाधिकारी स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में गोल्डन कार्ड योजना की प्रगति अत्यंत खराब पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष चक एवं

संबंधित नोडल अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं गेहूं खरीद की समीक्षा के दौरान डिप्टी आरएमओ को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय सीमा 15 जून तक लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत किसानों से गेहूं क्रय सुनिश्चित किया जाए।

गोवंश संरक्षण की समीक्षा में हरे चारे की बुवाई में प्रगति न होने और कार्य के प्रति उदासीनता पाए जाने पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. सचान को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि कार्य में सुधार नहीं हुआ तो शासन को पत्र भेजकर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आमने-सामने बाइक भिड़ंत में युवक गंभीर घायल, पीएचसी में चल रहा उपचार

बैधा मोड़ पर हुआ हादसा, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पहुंचाया अस्पताल

हलिया (मीरजापुर) थाना क्षेत्र के हलिया-देवरी मार्ग स्थित बैधा मोड़ पर गुरुवार को दो बाइकों की आमने-सामने से भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार कैर कोल (44) निवासी दिवान गुरुवार को हलिया की ओर से बैधा की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह बैधा मोड़ के पास पहुंचा सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में कैर कोल मौके पर ही गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 100 के उपनिरीक्षक राजेंद्र कुमार गुप्ता टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को अपने वाहन से तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया। चिकित्सा अधिकारी डा. आलोक सिंह यादव द्वारा घायल का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

नगर पालिका की बैठक में 49.76 करोड़ का बजट पास

चुनार, मीरजापुर। बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष मंसूर अहमद की अध्यक्षता में नगरपालिका परिषद चुनार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का वजट की बोर्ड की बैठक में पेश किया गया। जिसमें नगरपालिका की कुल अनुमानित रूपए 49.76 करोड़ का वजट प्रस्तुत किया गया। जिसे दो तिहाई से अधिक बहुमत से बोर्ड के सदस्यों द्वारा स्वीकृत किया गया । बैठक में गंगा पुल के पास तिराहे का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज तिराहा कर छत्रपति शिवाजी महाराज का मूर्ती का स्थापना एवं चुनार किला तिराहे का नाम बाबा भर्तहरी तिराहे के नाम किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से निर्वाचित एवं नामित सभासद, अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक राजस्व निरीक्षक, प्रभारी लेखाकार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जनगणना-2027 को लेकर बैठक, स्व-गणना पर दिया गया जोर

● 07 से 21 मई तक ऑनलाइन स्व-गणना, 22 मई से घर-घर होगा मकान सूचीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनगणना-2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्व-गणना एवं मकान सूचीकरण कार्य को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 07 से 21 मई के बीच आमजन ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी और अपने परिवार की गणना कर सकेंगे। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक प्रगणक व पर्यवेक्षक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण व गणना का कार्य करेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार जनगणना प्रक्रिया डिजिटल और अधिक सुगम होगी। स्व-गणना सुविधा के माध्यम से लोग जनगणना अधिकारी के घर आने से पहले ही अपना डाटा ऑनलाइन भर सकेंगे।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग कर राष्ट्र निर्माण के इस महाभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों के दायित्व तय करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया। स्कूलों में स्मार्ट टीवी के माध्यम से वीडियो दिखाकर छात्रों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए, ताकि वे अपने परिवार की स्व-गणना कर सकें। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण समय से पूर्ण कर प्रगणकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जन-जागरूकता बढ़ाई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेट्रोल-डीजल व गैस की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से रहें दूरः डीएम

● संचालकों संग बैठक में डीएम ने की आपूर्ति व सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

● अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की कमी को लेकर फैल रही भ्रामक सूचनाओं के बीच जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। गुरुवार को जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक कर आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा अन्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। सभी आवश्यक वस्तुएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अफवाहें फैलाकर आमजन को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह निराधार है।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनता से अपील की कि किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें और न ही उसे सोशल मीडिया पर साझा करें। प्रशासन लगातार सभी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है, जिससे किसी प्रकार की दिक्कत उत्पन्न न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश भी दिए गए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में उपस्थित

पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी संचालकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। जिला प्रशासन ने बताया कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को पारदर्शी बनाए रखने के लिए लगातार निरीक्षण व मॉनिटरिंग की जा रही है। संबंधित विभागों को नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं। अंत में प्रशासन ने जनपदवासियों से संयम बरतने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की, ताकि शांति व व्यवस्था बनी रहे।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को भावभीनी विदाई, सम्मानित कर दी शुभकामनाएं

● उपनिरीक्षक व दो मुख्य आरक्षी चालक हुए सेवानिवृत्त, समारोह में किया गया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद पुलिस में लंबे समय तक सेवा देने वाले एक उपनिरीक्षक व दो मुख्य आरक्षी चालक के सेवानिवृत्त होने पर भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए सम्मानित किया। पुलिस कार्यालय में आयोजित समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को उपहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल, सुखमय और समृद्ध जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों ने अपने सेवाकाल के दौरान निष्ठा, ईमानदारी और लगन से कार्य करते हुए विभाग को

गौरवान्वित किया है।

सेवानिवृत्त होने वालों में उपनिरीक्षक बुधिराम यादव (अधिवर्षता आयु पूर्ण), मुख्य आरक्षी चालक शिवकुमार राय (अधिवर्षता आयु पूर्ण) एवं मुख्य आरक्षी चालक शशिधर राय (ऐच्छिक सेवानिवृत्ति) शामिल हैं। समारोह में उपस्थित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ के सेवन से किशोरी की बिगड़ी हालत,ट्रामा सेंटर रेफर

हलिया, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के परसिया कला गांव निवासी एक किशोरी ने अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ के सेवन से हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने अचेतावस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के परसिया कला गांव निवासी रामसखा की बेटी पुष्पा (15) गुरुवार को भोर में विषाक्त पदार्थ खा लिया जिससे किशोरी की स्थिति गंभीर हो गई हालत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा निजी साधन से अचेतावस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया ले आए जहां पर चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेंटर मिर्जापुर के लिए रेफर कर दिया।इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि बीज में डालने वाली कीटनाशक जहरीली दवा का सेवन करने पर किशोरी को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घर से निकले बुजुर्ग का खभवा बंधी में मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के परसिया मुड़पेली गांव निवासी एक व्यक्ति का शव गुरूवार की सुबह खभवा बंधी में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर ग्रामीणो की भारी भीड़ जमा हो गई ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रशांत दुबे की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल करते हुए शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई किया।परसिया मुड़पेली गांव निवासी राम किशोर (55) बीते बुधवार शाम पांच बजे के करीब घर से निकले थे लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की,मगर कोई सुराग नहीं मिल सका। सुबह गौरवा स्थित सिंचाई विभाग के खभवा बंधी के किनारे ग्रामीणों ने एक जोड़ी जूता देखा जिसकी सूचना परिजनों को दी गई मौके पर पहुंचे परिजनों ने तलाश की तो बंधी में राम किशोर का शव मिला वृद्ध की मौत से पत्नी छबीलीया तथा परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है।

हलिया पुलिस मौके पर पहुंचकर जाच पड़ताल करते हुए शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लेकर कार्रवाई किया। मृतक के इकलौते पुत्र मुरली की 3 वर्ष पूर्व मौत हो गई थी मृतक वृद्ध मेहनत मजदूरी कर अपने तीन अविवाहित नतनी तथा दो नातीयों का जिवकोपार्जन का इकलौता सहारा था घटना से गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि खभवा बंधी में अधेड़ की मौत की सूचना पर शव कब्जे में लेकर पीएम कार्रवाई की जा रही है मृत्यु का स्पष्ट कारण

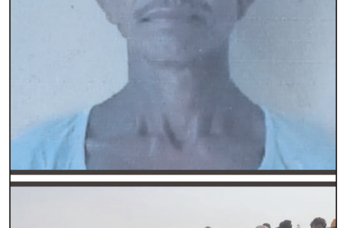

पोष्ट मार्डन रिपोर्ट के बाद होगा।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 28.04.2026 को एक महिला द्वारा वादिनी के नाबालिग पुत्री को बहला फुसला के भगाने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-145/2026 धारा 137(2), 87, 352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी लालगंज को निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए दिनांकः 30.04.2026 को उप निरीक्षक सुजीत कुमार सेठ मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त सूरज पुत्र जग्गन निवासी कोल्हुआ थाना लालगंज जनपद

मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,352,351(3),64(2)एम,65(1) बीएनएस व ड(2),5(एल)/6 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास के मामले में 2 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हंडिया/प्रयागराज। हत्या के प्रयास से जुड़े एक मामले में फरार चल रहे दो वांछित अभियुक्तों को पुलिस टीम ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को थाना क्षेत्र के कस्बा बरौत स्थित पिलर नंबर-01 के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, मु0अ0सं0-189/2026 के तहत धारा 191(2), 191(3), 115(2), 352, 351(2) और 109 भारतीय न्याय संहिता में दर्ज इस मामले में आरोपी रामनरेश बिन्द (52 वर्ष) और गुल्लू राम (41 वर्ष), निवासी ग्राम तिलकपुर उपरदहा, थाना हण्डिया, लंबे समय से फरार चल रहे थे।

पुरानी रंजिश बनी हमले की वजह

घटना 28 अप्रैल 2026 की है, जब दोनों अभियुक्तों ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते वादी पक्ष के घर पहुंचकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। इस हमले में वादी के चाचा को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर थाना हण्डिया में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। थाना हण्डिया के प्रभारी निरीक्षक अनूप सरोज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को सटीक सूचना के आधार पर दबिश देकर दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

अनुशासन और उत्कृष्टता का परीक्षण

ब्यूरो प्रयागराज: सीताराम सिंह इण्टर कालेज, बाबूगंज, प्रयागराज में 15 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस निरीक्षण का नेतृत्व 15 यूपी बटालियन एनसीसी प्रयागराज की कमान अधिकारी कर्नल ऋतु श्रीवास्तव रावत द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान कर्नल रावत ने कैडेट्स की परेड, ड्रिल, अनुशासन, वर्दी की सुसज्जा एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने कैडेट्स के उत्साह, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला है, जो युवाओं में कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व क्षमता और सेवा भाव का संचार करती है। प्रधानाचार्य चंद्रशेखर सिंह एवं एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश भगत के कुशल मार्गदर्शन में कैडेट्स ने अनुशासन और एकरूपता का उत्कृष्ट परिचय दिया। कर्नल रावत ने अपने संबोधन में कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहने, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने का माध्यम है। यह निरीक्षण कार्यक्रम विद्यालय के लिए प्रेरणादायी एवं गौरवपूर्ण रहा, जिसने कैडेट्स के मनोबल को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हुए उन्हें राष्ट्र सेवा के पथ पर दृढ़तापूर्वक अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर 15 यूपी बटालियन के सूबेदार मेजर सुरेंद्र सिंह, नायब सूबेदार अनिल सिंह एवं हवलदार संदीप कुमार की उपस्थित रहे!

कचहरी में 2 दिन से बिजली गुल, अधिवक्ताओं का फूटा गुस्सा—चक्का जाम कर किया जोरदार प्रदर्शन

प्रयागराज। कचहरी परिसर में पिछले दो दिनों से लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। गुरुवार को गुस्साए अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया और जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं का कहना है कि लगातार बिजली कटौती के कारण न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। न तो कंप्यूटर सिस्टम काम कर पा रहे हैं और न ही जरूरी दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी हो पा रही है, जिससे वादकारियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने प्रशासन और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। चक्का जाम के कारण कचहरी के आसपास यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधिवक्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग पर अड़े रहे। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था सुचारू नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वहीं, प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि समस्या का जल्द समाधान कर बिजली आपूर्ति बहाल की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के राडार पर 'इलाहाबाद हाईकोर्ट

● दहेज हत्या मामले में दी गई ज़मानत रद्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट से सवाल किया कि उसने एक ऐसे व्यक्ति को ज़मानत क्यों दी, जिस पर पहली नज़र में दहेज हत्या के आरोप हैं। कोर्ट ने आरोपी पति की ज़मानत रद्द कर दी और उसे एक हफ़्ते के अंदर सरेंडर करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि ट्रायल एक साल के अंदर पूरा किया जाए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच, मृतक के पिता द्वारा दायर एक स्पेशल लीव पिटीशन पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा पति को दी गई ज़मानत को चुनौती दी गई थी। शुरुआत में, कोर्ट ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देखी, जिसमें बताया गया था कि मृतक की गर्दन के आस-पास चोट के निशान थे। जब कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकील से इस बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे एक काउंटर-एफ़िडेविट (जवाबी हलफ़नामा) दायर करेंगे। जस्टिस पारदीवाला ने कहाः 'इस तरह के आरोपों और शादी के सात साल के अंदर हुई मौत के मामले में, आपको ज़मानत क्यों दी जानी चाहिए? वकील साहब, मुद्दे पर बात करें, कमज़ोर दलीलें न दें, वरना हम यहीं और अभी आपकी ज़मानत रद्द कर देंगे। आप पर दहेज हत्या का आरोप है, और आपकी पत्नी आपके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। उसके शरीर पर बाहरी चोट के निशान थे। आप अपनी पत्नी की मौत के बारे में क्या सफ़ाई देंगे?' इसके बाद जस्टिस पारदीवाला ने हाई कोर्ट से सवाल किया: 'इस हाई कोर्ट में क्या दिक्कत है, यह हमारी समझ से बाहर है। जिन मामलों में ज़मानत नहीं दी जानी चाहिए, उनमें भी ज़मानत दे दी जाती है।' राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट से अनुरोध किया कि वह इस बात पर भी विचार करे कि आरोपी 18 महीने से हिरासत में है। इस पर, जस्टिस पारदीवाला ने मौखिक रूप से टिप्पणी कीः 'आप कुछ कहना चाहते हैं, मिस्टर वकील साहब? यह हत्या का मामला है। 304क्क हाँ। उसकी गला घोंटकर हत्या की गई है; क्या आप चाहते हैं कि हम इसे करके दिखाएँ? पेज 31 [पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का] पर आइए।' कोर्ट ने ज़मानत रद्द करने का आदेश दिया। अपने आदेश में, कोर्ट ने कहा कि शादी फरवरी 2019 में हुई थी और पत्नी की अप्राकृतिक मौत जुलाई 2024 में हुई। कोर्ट ने आगे कहा कि यह बात निर्विवाद है कि मृतक की मौत शादी के सात साल के अंदर हुई थी और आरोप दहेज से जुड़ी मौत के हैं। ऐसे हालात में, हाई कोर्ट को भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113क्कके तहत अनुमान को ध्यान में रखना चाहिए था। कोर्ट ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया, जिसमें मृतक के शरीर पर मौत से पहले लगी चोटों का ज़िक्र था। कोर्ट ने साफ़ किया कि वह मामले के गुण-दोष पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि अभी मुक़दमा चल रहा है और अब तक सिर्फ़ एक गवाह की ही गवाही हुई है। हालाँकि, कुल मिलाकर हालात को देखते हुए, कोर्ट इस बात से संतुष्ट था कि ज़मानत देने वाला विवादित आदेश क़ानून की नज़र में सही नहीं है। इसलिए, प्रतिवादी को दी गई ज़मानत रद्द कर दी गई। प्रतिवादी को निर्देश दिया गया कि वह एक हफ़्ते के अंदर जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करे। ट्रायल कोर्ट को भी निर्देश दिया गया है कि वह एक साल के अंदर मुक़दमा पूरा करने की कोशिश करे। इसी जज ने तब भी निराशा ज़ाहिर की थी, जब हाई कोर्ट ने दहेज से जुड़ी मौत के एक मामले में, पहली नज़र में लगे आरोपों पर विचार किए बिना, अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए ज़मानत दे दी थी। इसके बाद, हाई कोर्ट के उस जज ने हाई कोर्ट के चीफ़ जस्टिस से अनुरोध किया कि उन्हें ज़मानत से जुड़े मामलों की ज़िम्मेदारी न दी जाए, और सुप्रीम कोर्ट की आलोचना को 'हतोत्साहित करने वाला' बताया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने पिछले साल एक अनोखा आदेश दिया था।

उन्होंने हाई कोर्ट के एक दूसरे जज के आदेश पर आपत्ति जताई थी, जिसमें पैसे की वसूली के लिए सिविल उपाय के प्रभावी न होने के आधार पर एक आपराधिक शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। बेंच ने कड़ी टिप्पणियाँ करते हुए कहा कि उक्त जज से उनके रिटायरमेंट तक आपराधिक क्षेत्राधिकार वापस ले लिया जाना चाहिए और उन्हें हाई कोर्ट के किसी अनुभवी वरिष्ठ जज के साथ एक डिवीज़न बेंच में बैठाया जाना चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट में हड़कंप

● चीफ जस्टिस की कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान चला अश्लील वीडियो; जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को उस समय अजीबोगरीब और शर्मनाक स्थिति पैदा हो गई, जब मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एक मामले की वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग (VC) के जरिए सुनवाई की तैयारी चल रही थी। जैसे ही जज अपनी कुर्सी पर बैठे, अचानक वीसी सिस्टम पर अश्लील वीडियो प्ले होने लगा। इस अप्रत्याशित घटना से कोर्टरूम में मौजूद जज, वकील और कर्मचारी सन्न रह गए। जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब हाईकोर्ट अपनी नियमित कार्यवाही शुरू करने वाली थी। बताया जा रहा है कि अश्लील वीडियो एक बार नहीं बल्कि दो बार चला। इस स्थिति को देखते हुए तुरंत एहतियातन वीसी सिस्टम को बंद कर दिया गया और तकनीकी टीम को बुलाया गया। सूत्रों के हवाले से खबर है कि यह वीडियो श्रीधर सार्नोबत और शितजीत सिंह नामक व्यक्तियों के लॉग-इन आईडी से जुड़ा पाया गया है।हालांकि, इस मामले में अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है कि क्या यह किसी की जानबूझकर की गई शरारत थी या सिस्टम की सुरक्षा में कोई सेंध लगाई गई थी। अदालतों में हाइब्रिड और वर्चुअल सुनवाई की व्यवस्था पारदर्शी न्याय के लिए की गई है, लेकिन इस घटना ने इसके मॉनिटरिंग सिस्टम की खामियों को उजागर कर दिया है। घटना के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर वीसी सिस्टम को ठप कर दिया गया ताकि आगे ऐसी स्थिति न बने और हाई कोर्ट की आईटी व तकनीकी टीम को इस मामले की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल, इस पूरी घटना के लिए जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया चल रही है और यह स्पष्ट किया गया है कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

निलंबन से आहत अवर अभियंता मोबाइल टावर पर चढ़े

ब्यूरो प्रयागराज- थाना जार्जटाउन क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब निलंबन से परेशान एक अवर अभियंता अभय कुमार यादव मोबाइल टावर पर चढ़ गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अवर अभियंता अचानक टावर पर चढ़ गए, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तत्काल हरकत में आया और क्षेत्र को सुरक्षित घेराबंदी में ले लिया गया। काफी देर तक पुलिस अधिकारियों और विभागीय कर्मियों द्वारा उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने संयम और सूझबूझ से काम लेते हुए अवर अभियंता को नीचे उतरने के लिए मनाया। लंबी बातचीत और समझाइश के बाद आखिरकार उन्हें सुरक्षित नीचे उतार लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हाल ही में हुए निलंबन के चलते अवर अभियंता मानसिक तनाव में थे और इसी दबाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। घटना के बाद प्रशासन ने उनकी काउंसलिंग कराने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है। इस दौरान एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा गया था, ताकि किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं। इन आरोपों के बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने खेड़ा और अन्य के खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज कराया। जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान खेड़ा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए आरोप ट्रायल का विषय हैं और गिरफ्तारी की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन धाराओं में मामला दर्ज है, उनमें से कई जमानती हैं और बाकी में भी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है, इसलिए अग्रिम जमानत से इनकार करना उचित नहीं होगा। सिंहवी ने यह भी तर्क दिया कि यदि ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत नहीं दी जाती, तो इस कानूनी प्रावधान का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। वहीं, असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी के पासपोर्ट से जुड़े फर्जी और छेड़छाड़ किए गए दस्तावेज पेश किए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खेड़ा जांच से बच रहे हैं और लगातार वीडियो जारी कर गलत तथ्यों को प्रचारित कर रहे हैं।

मेहता ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निराधार और गलत हैं। पवन खेड़ा ने 24 अप्रैल को गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें सात दिनों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने इस राहत पर अंतरिम रोक लगा दी और खेड़ा को गुवाहाटी हाईकोर्ट का रुख करने को कहा था। अब सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें टिकी हैं, जो तय करेगा कि पवन खेड़ा को गिरफ्तारी से राहत मिलेगी या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जताई कड़ी नाराज़गी, CBI जांच पर विचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कड़ी फटकार लगाई, जब यह सामने आया कि जिस सामूहिक दुष्कर्म आरोपी को पुलिस महीनों से फरार और अज्ञात स्थान पर बता रही है। वही आरोपी हाइकोर्ट की कार्यवाही में परोक्ष रूप से शामिल हो रहा था और हाल ही में हलफनामा दाखिल करने के लिए उसका आधिकारिक फोटोग्राफ भी न्यायालय परिसर में लिया गया। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह स्थिति चौंकाने वाली है और प्रथम दृष्टया जांच अधिकारी की निष्ठा पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। मामला उस आपराधिक रिट याचिका से संबंधित है, जिसमें पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पुलिस पांच महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आरोपी याकूब को गिरफ्तार नहीं कर सकी और न ही जांच पूरी कर पाई। पूर्व सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने जांच में देरी पर असंतोष जताते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी और जांच अधिकारी को तलब किया था। हालांकि, जांच अधिकारी आरोपी को पकड़ने में विफल रहा और अपने अनुपालन हलफनामे में प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया। इस पर अदालत ने कहा, 'वह हमें केवल यह कहानी सुना रहा है कि उसने कितने प्रयास किए पर सब व्यर्थ रहे। यह हलफनामा केवल समय लेने का प्रयास प्रतीत होता है। हमें नहीं पता कि यह समय आरोपी की मदद के लिए लिया जा रहा है या पुलिस की।' सुनवाई के दौरान घटनाक्रम ने तब नया मोड़ लिया जब फरार बताए जा रहे आरोपी की ओर से एक अधिवक्ता अदालत में उपस्थित हुआ। पीठ ने जब आरोपी को पेश करने को कहा, तो उसके वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि आरोपी अदालत के साथ खेल खेल रहा है और यह भी कहा कि आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा कि पुलिस उसकी मदद कर रही है या नहीं। अदालत तब और अधिक आश्चर्यचकित हुई जब यह पाया गया कि आरोपी की ओर से दाखिल संक्षिप्त जवाबी हलफनामे के साथ उसका फोटो संलग्न है, जिसे हाईकोर्ट के आधिकारिक कैमरे से सुनवाई से मात्र दो दिन पूर्व लिया गया था। इस पर खंडपीठ ने कहा, 'यह अत्यंत चौंकाने वाला है कि एक फरार आरोपी, जो हाईकोर्ट के इतने निकट घूम रहा है और लगभग इस याचिका की सुनवाई की प्रक्रिया में भाग ले रहा है, वह पुलिस की पकड़ से बाहर है। यह जांच अधिकारी की निष्ठा के बारे में बहुत कुछ कहता है।' हाईकोर्ट ने पुलिस को आरोपी को पकड़ने के लिए अंतिम 10 दिन का समय दिया है। साथ ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को पक्षकार बनाने का निर्देश देते हुए संकेत दिया कि जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

2 लाख के लिए 150 किमी 'दौड़ते' आया सब इंजीनियर व उसका साथी, लोकायुक्त ने पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- मध्य प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त (Lokayukta Action) रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत (Bribe) लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का है जहां रायसेन जिले में पदस्थ एक सब इंजीनियर व एक सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए भोपाल लोकायुक्त की टीम ने रंगेहाथों पकड़ा है। रायसेन जिले की उदयपुरा नगर परिषद में पदस्थ उपयंत्री (सब इंजीनियर) दीपांशु पटेरिया व सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी शंकर साहू के खिलाफ भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाले जयंत चतुर्वेदी ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में आवेदक जयंत चतुर्वेदी ने बताया था कि वो 'नवीन बिल्डकॉम' फर्म का संचालक है। उनकी फर्म द्वारा नगर परिषद उदयपुरा के अंतर्गत बस स्टैंड का सीसी निर्माण कार्य एवं मेन रोड पर सीसी रोड निर्माण कार्य किया गया था। उक्त कार्य के लिए फर्म की दो सिक्योरिटी डिपॉजिट (SD) नगर परिषद उदयपुरा में जमा थी। इन दोनों स्ठ को रिलीज करने तथा अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने के एवज में नगर परिषद उदयपुरा में पदस्थ उपयंत्री दीपांशु पटेरिया एवं सहायक ग्रेड-2 शंकर साहू द्वारा 5,00,000 रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। लोकायुक्त की टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर आवेदक जयंत चतुर्वेदी को रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 2 लाख रुपये देने के लिए रिश्वतखोर सब इंजीनियर और कर्मचारी के पास भेजा। रिश्वत की रकम लेने के लिए रिश्वखोर सब इंजीनियर दीपांशु पटेरिया और सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी शंकर साहू उदयपुरा से 150 किमी दूर भोपाल पहुंचे। भोपाल में 6 नंबर हॉकर्स कॉर्नर के सामने, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के पास जैसे ही रिश्वतखोरों ने आवेदक से 2 लाख रुपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त की टीम ने दोनों को रंगेहाथों पकड़ लिया। आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा-7, 12 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-61 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

करेली के मुर्गा दरबार क्षेत्र में भीषण आग, छोटू लाल की दुकान जलकर राख

करेली/प्रयागराज। शहर के करेली थाना क्षेत्र अंतर्गत मुर्गा दरबार इलाके में गुरुवार को एक भीषण आग की घटना सामने आई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग छोटू लाल की दुकान में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग अचानक भड़की और कुछ ही मिनटों में पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार इतना ज्यादा था कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने किया बचाव का प्रयास घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के सामने उनके प्रयास नाकाम साबित हुए। इसके बाद तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी गई। दमकल की टीम ने पाया काबू सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में काफी समय लगा, तब जाकर स्थिति नियंत्रित हो सकी।आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारण मानी जा रही है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि वास्तविक कारण की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। लेकिन दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक अरब के सट्टे का खेल बेनकाब, रडार पर BJPनेता

● खड़ी की आकूत संपत्ति; झांसी के पार्षद पति समेत नौ सटोरिये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- झांसी के नवाबाद पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले बड़े गिरोह का बुधवार को भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने तीन बड़े सटोरिये-तिलयानी बजरिया निवासी शुभम उपाध्याय, सिंधी कॉलोनी निवासी विजय बाधवा, बड़ागांव गेट निवासी नितिन अग्रवाल को गिरफ्तार कर उनके पास से 100 करोड़ रुपये अधिक के लेनदेन का रिकॉर्ड बरामद किया है। इसके आधार पर पुलिस को भाजपा किसान मोर्चा उपाध्यक्ष एवं सहकारिता बैंक के निदेशक आशीष उपाध्याय, पार्षद पति पप्पू यादव समेत नौ सटोरियों का पता चला है। पुलिस उनको तलाश रही है। इस बीच सटोरियों के बैंक खातों में जमा 50 लाख रुपये की रकम जब्त करवा दी गई है। पुलिस अफसरों का दावा है कि जल्द इन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि बुधवार तड़के मुस्तरा से सखी के हनुमान मंदिर के पास नवनिर्मित जेडीए कॉलोनी के पहाड़ी मार्ग पर कुछ सटोरियों के मौजूद होने की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। आरोपियों ने भागने के लिए अपनी फॉर्च्यूनर कार से पुलिस की सरकारी जीप में टक्कर मार दी, इससे चालक समेत विश्वविद्यालय चौकी प्रभारी निखिल कुमार घायल हो गए।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को घेरकर पकड़ लिया। उनके पास से आठ मोबाइल, एक टैबलेट, 84 हजार 500 रुपये समेत कार को बरामद किया। सट्टे से संबंधित बहीखाता भी बरामद हुआ। गिरफ्तार शुभम उपाध्याय का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पूछताछ में भाजपा नेता आशीष उपाध्याय समेत पार्षद पति पप्पू निवासी उन्नाव गेट, पंकज राय, सौरभ लिखधारी, सोनू चड्ढा, हरीश कुमार, आकाश चंचलानी, सुमित साहू, रोशन मुंशी का भी नाम सामने आया है। एसएसपी के मुताबिक जल्द इनकी गिरफ्तारी की जाएगी। सट्टा बाजार के जरिये शुभम उपाध्याय, नितिन अग्रवाल और विजय बाधवा ने कम समय में करोड़ों रुपये की अकूत संपत्ति खड़ी कर ली। पुलिस की छानबीन में तीनों की संपत्तियों का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। अब पुलिस इनकी संपत्ति का पूरा ब्योरा जुटाकर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, शुभम लग्जरी कारों का शौकीन है और उसने बेशकीमती रेंज रोवर समेत कई महंगी गाड़ियां खरीद रखी हैं। इसके अलावा दिल्ली के राजेंद्र नगर, इंदौर, धौलपुर (राजस्थान), रक्सा, उन्नाव गेट के बाहर, बूढ़ा रोड समेत झांसी में करीब 12 स्थानों पर कीमती प्लॉट खरीदे गए हैं। पत्नी और बच्चों के नाम दो फार्महाउस व एक दुकान भी दर्ज है। म्यूचुअल फंड और एफडी में भी निवेश किया गया है, जो पत्नी के नाम पर है। नितिन अग्रवाल और विजय बाधवा के पास भी झांसी, धौलपुर और इंदौर में कीमती जमीन होने की जानकारी मिली है। दोनों के बैंक खातों में भी बड़ी रकम का पता चला है। पुलिस का कहना है कि आयकर से बचने के लिए शुभम नकद रकम अपने परिचितों को देता था और उनके माध्यम से खर्च करता था। नवाबाद थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव के अनुसार, तीनों की सभी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। शुभम जिस मोबाइल एप के जरिये सट्टा चलाता था, उसका मुख्य एडमिन दुबई में बताया गया है। वहां एक क्वाइन की कीमत करीब सात रुपये थी, जबकि यहां उसे 25 रुपये में बेचा जाता था। इस तरह प्रति क्वाइन करीब 18 रुपये का कमीशन वसूला जाता था। इसी अंतर से रोजाना लाखों रुपये की कमाई होती थी। एप में जीत की संभावना अधिक दिखने के कारण लोग बड़ी रकम दांव पर लगाते थे, जिससे सटोरियों की आमदनी लगातार बढ़ती रही। शुभम उपाध्याय के पकड़े जाने के बाद अली गोल से पार्षद राजकुमारी यादव का पति पप्पू यादव एवं छनियापुर से पार्षद अर्चना राय का पति पंकज राय का नाम सामने आया है। ये दोनों अपने घरों से भाग निकले। पुलिस अफसरों का दावा है कि जल्द ही इनको भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस को नगर निगम के कई अन्य पार्षदों के भी नाम मालूम चले हैं। इनमें अधिकांश पार्षद प्रेमनगर एवं कोतवाली इलाके के हैं। पुलिस इनको तलाश रही है। आईपीएल आरंभ होने के साथ ही पुलिस ने सभी थानों से 970 से अधिक सट्टेबाजों की सूची बनाई है, इनमें पांच पार्षद के नाम सामने आए थे। गिरोह के भंडाफोड़ होने के बाद इनकी संख्या बढ़ गई। प्रेमनगर इलाके में सत्ताधारी दल से जुड़े दो पार्षद का नाम सामने आया। कुछ दिन पहले पकड़े गए भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष हरेंद्र परिहार एवं विजय परिहार से इन दोनों पार्षदों की दर्जनों बार व्हाट्सएप पर कॉल हिस्ट्री मिली है। आईपीएल शुरू होने के बाद से दोनों पार्षद सटोरियों से दिन में कई बार व्हाट्सएप पर बात करते थे। पुलिस इसके आधार पर इनकी निगहबानी कर रही है। इसी तरह कोतवाली इलाके में पहली बार जीत हासिल करने वाले पार्षद को भी पुलिस तलाश रही है।

13 टन बिजली केबल चोरी का खुलासा, मुट्ठीगंज पुलिस ने 2 अभियुक्त दबोचे

● 35-40 लाख रुपये की 33 केवी केबल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुट्ठीगंज/प्रयागराज। थाना मुट्ठीगंज पुलिस और सर्विलांस टीम नगर के संयुक्त प्रयास से बिजली केबल चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर करीब 13 टन वजन की दो ड्रम 33 केवी विद्युत केबल बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत 35 से 40 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर 30 अप्रैल 2026 को परेड ग्राउंड थाना दारागंज क्षेत्र में की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मो. आसिफ मलिक (25 वर्ष) निवासी शामली और सावी खान (19 वर्ष) निवासी बागपत के रूप में हुई है। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब बिजली विभाग के ठेकेदार अभिषेक सिंह ने थाना मुट्ठीगंज में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि बैरहना पावर हाउस से गऊघाट पावर हाउस तक 33 केवी केबल डालने का कार्य चल रहा था। इसी दौरान पुराने यमुना पुल के पास रखा 506 मीटर लंबा केबल ड्रम चोरी हो गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और सर्विलांस टीम की मदद से आरोपियों तक पहुंच गई।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे एक प्राइवेट फर्म में काम करते हैं और अपने ठेकेदार के कहने पर ही केबल चोरी की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने एक और ड्रम की चोरी की बात कबूली, जिसे कीडगंज थाना क्षेत्र के बोट क्लब के पास से चुराया गया था। अभियुक्तों ने बताया कि चोरी किए गए केबल को बेचकर मिलने वाले पैसे को आपस में बांटकर अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर दो ड्रम केबल बरामद किए, जिनमें एक लाल और एक पीले रंग का है। दोनों ड्रमों का कुल वजन करीब 13 टन है और बाजार मूल्य 35-40 लाख रुपये आंका गया है। इस मामले में पहले से दर्ज मुकदमा संख्या 40/2026 में धारा 303(2) बीएनएस के साथ अब धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। पुलिस ने बताया कि आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है और इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश जारी है।

संक्षिप्त खबरें

17 KM का सफर, यूट्यूब से सेल्फ स्टडी; ICSE स्टेट टॉपर कौशिकी नासा में करना चाहती हैं काम

चासनाला। मेहनत, अनुशासन व लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण क्या होता है, इसका जीता- जागता उदाहरण बनी हैं डिनोबिली स्कूल एफआरआई डिगवाडीह की छात्रा कौशिकी दत्ता। आईसीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर उन्होंने न केवल विद्यालय में टॉप किया। बल्कि राज्य के शीर्ष छात्रों में भी अपना स्थान पक्का कर लिया। उनकी इस शानदार सफलता से स्कूल, परिवार व पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। कौशिकी की सफलता का सफर आसान नहीं था। वह पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के संथालडीह टाउनशिप से रोजाना करीब 17 से 18 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर स्कूल पहुंचती थीं।

बिना ट्यूशन के हासिल किया मुकाम

लगभग एक घंटे की यह दैनिक यात्रा उनके हौसले को कभी कमजोर नहीं कर सकी। पढ़ाई के प्रति उनकी लगन इतनी थी कि उन्होंने बिना किसी ट्यूशन के ही यह मुकाम हासिल किया। कौशिकी के पिता कौशिक कुमार दत्ता हुगली जिले के बेडंल टाउनशिप में विद्युत विभाग में सहायक महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। जबकि उनकी मां मौसमी दत्ता गृहिणी हैं। इकलौती संतान होने के बावजूद कौशिकी ने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। पढ़ाई के दौरान आने वाली समस्याओं को वह यूट्यूब की मदद से सुलझाती थीं। उनकी दिनचर्या भी बेहद अनुशासित रही। स्कूल से लौटकर थोड़ी देर आराम करने के बाद वह शाम सात बजे से लेकर रात डेढ़- दो बजे तक पढ़ाई करती थीं व सुबह भी दो घंटे नियमित अध्ययन करती थीं। यही निरंतरता उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बनी।

NASA में करना चाहती हैं काम

कौशिकी का सपना आईआईटियन बनकर नासा में काम करना है। अंतरिक्ष, सैटेलाइट व विज्ञान के रहस्यों को समझने में गहरी रुचि है। पढ़ाई के साथ- साथ कौशिकी को जासूसी कहानियां पढ़ना, डांस करना, खाना बनाना व खेलों में हिस्सा लेना भी पसंद है। वह बॉस्केटबॉल व क्रिकेट की अच्छी खिलाड़ी भी हैं। अपनी सफलता का श्रेय कौशिकी अपने माता- पिता व विद्यालय के शिक्षकों को देती हैं। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन व कड़ी मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कौशिकी की यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

हजारीबाग में भीषण सड़क हादसा, SUV और ट्रक की भीषण टक्कर, छह की मौत

झारखंड के हजारीबाग जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह हादसा शाम करीब 6 बजे हा-2 पर चौपारण थाना क्षेत्र के दनुआ घाटी में हुआ। चौपारण थाना प्रभारी सरोज कुमार सिंह ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण SUV चालक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और SUV ट्रक से टकरा गई।

शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे मृतक

बताया जा रहा है कि परिवार धनबाद से गया जिले के आमस थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में शामिल होने आ रहा था। मृतक सभी लोग गया जिले के आमस प्रखंड की सावकला पंचायत अंतर्गत तेतरिया गांव स्थित कटसवा महादलित टोला के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं प्रारंभिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि परिवार मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले के वुदोरा कॉलोनी का रहने वाला था। हादसे के बाद इलाके में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए शव

SUV का रजिस्ट्रेशन धनबाद का है। हादसा इतना जबरदस्त था कि स्कू पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बताया कि वाहन से सभी शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सुपौल में LPG संकट से निपटने के लिए कोयला वितरण की तैयारी, प्रशासन अलर्ट

● क्लस्टर के माध्यम से कुकिंग कोयला आपूर्ति की पहल, गैस एजेंसियों पर निगरानी और छापेमारी तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जिले में रसोई गैस (LPG) की कमी से आमजन को हो रही परेशानी को देखते हुए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कोयला आपूर्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एवं के प्रावधानों के तहत जन वितरण प्रणाली (LPG) दुकानों के माध्यम से जरूरतमंद लाभुकों को कुकिंग कोयला उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों और अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यकता का आकलन कर कोयले के आवंटन की मांग भेजने का निर्देश दिया है। वहीं द्वारा जिले में दो कोयला विक्रेताओं के चयन के लिए राज्य स्तर पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस बीच, प्रशासन ने वैवाहिक कार्यक्रमों के साथ-साथ श्राद्ध, मुंडन, उपनयन एवं अन्य सामाजिक-धार्मिक आयोजनों के लिए वाणिज्यिक LPG सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की है। इसके लिए कैटरर्स एवं रसोइयों को तेल कंपनियों के साथ निबंधन कराना अनिवार्य किया गया है, जिसकी प्रक्रिया 5-7 दिनों में पूरी की जाएगी। सीमावर्ती क्षेत्रों में गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि ईंधन की कालाबाजारी और तस्करी पर रोक लगाई जा सके। वर्तमान में जिले की 51 गैस एजेंसियों में से 46 पर LPG उपलब्ध है, जबकि शेष एजेंसियों में जल्द आपूर्ति की संभावना है। प्रशासन के अनुसार, जिले में लगभग 11825 सिलेंडरों का स्टॉक मौजूद है और 5917 सिलेंडर जल्द प्राप्त होने वाले हैं। प्रतिदिन औसतन करीब 4937 उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की जा रही है, जबकि अभी 23615 उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर गैस देना बाकी है। गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 21 होटलों व

प्रतिष्ठानों की जांच की गई है और घरेलू गैस के वाणिज्यिक उपयोग के आरोप में तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जहां प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 1906 सहित संबंधित गैस कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि LPG की उपलब्धता में लगातार सुधार हो रहा है और अस्पतालों व सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।।

कारोबारी की बेटी-दामाद की खगड़िया में सड़क हादसे में मौत

मधुपुर। देवघर जिले के मधुपुर के चांदवारी मोहल्ला निवासी शंभू मोदी के दामाद और उनकी बेटी की मौत खगड़िया जिले के महेशखुट थाना क्षेत्र में हो गई। एनएच-31 पर गौछारी के पास गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में यह दर्दनाक घटना हुई। तेज रफ्तार गिट्टी लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर एक ऑटो के ऊपर पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि ऑटो सवार लोग ट्रक के नीचे दब गए, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में शंभू मोदी के दामाद, सीआईएसएफ जवान बिपिन चौरसिया, उनकी पत्नी दीपमाला चौरसिया और ऑटो चालक टांकेश मुनि शामिल हैं। मधुपुर चांदवारी निवासी शंभू मोदी की पुत्री दीपमाला और उनके पति बिपिन चौरसिया एक साथ इस हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मृतका का मायका शोक में डूब गया। मृतक के परिजन खगड़िया के लिए रवाना हो गए। घटना की खबर फैलते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने शोक व्यक्त किया। झारखंड के कैबिनेट मंत्री सह स्थानीय विधायक हफीजूल हसन, पूर्व मंत्री राज पलिवार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों और व्यवसायिक संगठनों ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। बताया जाता है कि दीपमाला चौरसिया शादी के 20 साल बाद अपने पति के साथ ससुराल के पैतृक गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। वहीं से लौटने के दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए।

सीमावर्ती नदियों के प्रबंधन व बाढ़ नियंत्रण को लेकर अहम बैठक

● भारत-नेपाल समन्वय मजबूत करने पर जोर

जल संसाधन विभाग व केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया हिस्सा

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर भी हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। सीमावर्ती नदियों के समुचित प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बिहार सरकार और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य खासकर भारत-नेपाल के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत बनाना रहा।बैठक में जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण से जुड़े अभियंता प्रमुख वरुण कुमार, मुख्यालय के अभियंता प्रमुख ब्रजेश मोहन, मुख्य अभियंता संजीव शैलेश (बीरपुर), अनिल कुमार मंडल

(दरभंगा) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सुपौल के जिलाधिकारी सावन कुमार सहित अन्य तकनीकी व प्रशासनिक पदाधिकारी भी शामिल हुए। केंद्र सरकार की ओर से जल शक्ति मंत्रालय के आयुक्त शरद चंद्र, जीएफसीसी के सदस्य सुनील कुमार, वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार तथा सहायक निदेशक पीयूष कुमार त्रिपाठी सहित विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद रहे।बैठक में सीमावर्ती नदियों के बेहतर प्रबंधन, बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने, तथा सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, भारत-नेपाल के बीच समन्वय को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस बैठक के माध्यम से लंबित मुद्दों का समाधान होगा और भविष्य की कार्ययोजना तय कर क्षेत्र के विकास एवं आपदा प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी।

लातेहार पुलिस में बड़ा फेरबदल

● 29 अधिकारियों का तबादला, तुरंत योगदान का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- लातेहार जिले में पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए 29 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। तबादले के तहत पुअनि हरिशंकर सिंह को छिपादोहर थाना से पुलिस केंद्र लातेहार भेजा गया है। वहीं सअनि नागेश्वर महतो को लातेहार से महुआडांड़, रामप्रसाद राम को चंदवा से बारेसांढ़ तथा शशिरंजन सिंह को चंदवा से महुआडांड़ स्थानांतरित किया गया है। सत्येंद्र प्रसाद को चंदवा से गारू और संजय चौधरी व चंद्रशेखर दुबे को बालुमाथ से महुआडांड़ भेजा गया है। इसके अलावा मिथिलेश सिंह को बारियातू से मनिका, द्वारिका नाथ पांडेय को बारियातू से पीसीआर-1 तथा अरुण कुमार सिंह को हेरहंज से जिला नियंत्रण कक्ष में पदस्थापित किया गया है। नरेश राम को बरवाडीह से जिला नियंत्रण कक्ष, पंचरत्न राय यादव को बरवाडीह से बारेसांढ़ और मो. अनवर को बरवाडीह से बालुमाथ भेजा गया है। छिपादोहर से निरंजन तिवारी को पुलिस केंद्र लातेहार तथा सच्चिदानंद सिंह को जिला नियंत्रण कक्ष स्थानांतरित किया गया है। वहीं एनामुल टुडू को गारू से चंदवा, धमेंद्र कुमार को बारेसांढ़ से बरवाडीह और अमर कुमार को बारेसांढ़ से चंदवा भेजा गया है। खुशदिल अंसारी को बारेसांढ़ से बारियातू तथा मधुसूदन प्रसाद को महुआडांड़ से चंदवा स्थानांतरित किया गया है। उमेश प्रसाद मेहता को महुआडांड़ से बालुमाथ, भोलानाथ भंडारी को महिला थाना महुआडांड़ से पुलिस केंद्र लातेहार, दिनेश कुमार को पीसीआर-1 से बारियातू थाना तथा सहदेव प्रसाद वर्मा को जिला नियंत्रण कक्ष से बरवाडीह भेजा गया है। इसके साथ ही बच्चु राम को जिला नियंत्रण कक्ष से छिपादोहर, मो. मुमताज अहमद को जिला नियंत्रण कक्ष से हेरहंज, रामविनय कुमार को बालुमाथ से लातेहार तथा रामजी ठाकुर को पुलिस केंद्र लातेहार से छिपादोहर थाना में पदस्थापित किया गया है। इस व्यापक तबादले को जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गैर-इरादतन हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। जनपद में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बरियारपुर पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या के एक मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, थाना बरियारपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 71/2026 धारा 105 बीएनएस से संबंधित आरोपी सूर्यभान चौहान (55) निवासी घटैलाचेती को मुखबिर की सूचना पर पड़री मल्ल-देवरिया मीर नहर रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। मामले के अनुसार, 28 अप्रैल को वादी जनार्दन शर्मा ने तहरीर देकर बताया था कि उनके पुत्र देवानंद शर्मा को 26 अप्रैल की शाम गांव के ही सूर्यभान चौहान ने अपने घर बुला मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इलाज के दौरान 28 अप्रैल की सुबह उसकी मृत्यु हो गई थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।टीम में थानाध्यक्ष दीपक सिंह, कांस्टेबल अखिलेश गुप्ता,द्यद्वद्व संजय यादव, महिला आरक्षी रोशनी यादव एवं सोनम आदि पुलिस कर्मी शामिल रहे।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई

● युवक गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज। नगर परिषद क्षेत्र के लालपट्टी में गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई, जिसमें बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल लाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बाहर रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,गुरुवार दोपहर एक बाइक पर सवार दो युवक बाजार से पिपरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 16 लालपट्टी में एनएच 327ई पर सहदेव यादव के घर के समीप तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क किनारे खड़ी थ्रेसर मशीन पर जा गिरा। घायल युवक की पहचान नगर परिषद वार्ड 20 निवासी राकेश

रजक के पुत्र बॉबी देवल (23) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय बॉबी स्वयं बाइक चला रहा था,जबकि पीछे बैठे दूसरे युवक को मामूली चोट भी नहीं आई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद अनुमंडलीय अस्पताल में घायल युवक को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा रही कि घायल युवक अपने कुछ साथियों के साथ किसी नशीली इंजेक्शन लेने और स्मैक के सेवन के बाद पिपरा की ओर ओवर स्पीड में जा रहा था और सड़क हादसे का शिकार हो गए। इलाज के दौरान देखते ही देखते घायल युवक के करीब एक दर्जन से अधिक स्मैकर्स दोस्त भी अस्पताल पहुंच गए। हालांकि इस संबंध में पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं ईलाज के दौरान घायल युवक भी अस्पताल के डॉक्टरों नर्सों को ईलाज तक करने नहीं दे रहे थे स्ट्रेचर पर लेटाने के साथ ही घायल युवक के शरीर में अजीब टाइप का कंपन देखा गया। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल युवक की हालत काफी गंभीर बनी रही। डॉक्टरों के अनुसार,उसे बार-बार दौरे (सीजर) पड़ रहे थे, जिसके कारण इलाज में कठिनाई हो रही थी। डॉ उमेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन उसकी स्थिति नाजुक होने के कारण उसे मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

लातेहार में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान का हुआ आगाज

● प्रभात फेरी के जरिए गूंजा 'सबके लिए न्याय' का संदेश

गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी कानूनी जानकारी

निःशुल्क सहायता और योजनाओं का मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देश पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) लातेहार द्वारा 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स ने भाग लिया। जागरूकता संदेशों से सजी तख्तियां लेकर प्रतिभागियों ने पूरे शहर में

रैली निकालकर लोगों को कानून के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-डालसा अध्यक्ष शेष नाथ सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक जानकारी पहुंचाना है, ताकि हर नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके। उन्होंने बताया कि पीड़ित मुआवजा योजना, निःशुल्क अधिवक्ता सुविधा, लोक अदालत, मध्यस्थता, प्री-लिटिगेशन मामलों के त्वरित निष्पादन समेत नालसा की विभिन्न योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जाएगा। यह अभियान लगातार 90 दिनों तक संचालित होगा। उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि जिले के दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी कानूनी मदद के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 का उपयोग करें। साथ ही उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जिले के हर गांव और पंचायत तक पहुंचकर 'सबके लिए न्याय' के लक्ष्य को साकार किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के कई न्यायिक पदाधिकारी, बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि, अधिवक्ता, मध्यस्थकर्ता, न्यायालयकर्मी एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स मौजूद रहे।

आईसीएसई बोर्ड से अच्छे अंक से अंशिका हुई उत्तीर्ण

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के कृष्णा नगर वार्ड के सेखुइया निवासी प्रधानाध्यापक हरिशंकर सिंह की पुत्री अंशिका सिंह इंटरमिडियट की परीक्षा 2026 में आईसीएसई बोर्ड से 81 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अंशिका जनपद मुख्यालय स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में अध्ययनरत थी । इसी संस्था से इंटर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। इनकी इस सफलता पर शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी, हेमन्त जायसवाल, रूपेश सिंह, संजय गुप्ता, विरेंद्र पाण्डेय, अनंत मिश्र, देवेंद्र श्रीवास्तव, अश्वनी मिश्र, धर्मेंद्र पाण्डेय, राहुल दूबे, सोमनाथ मिश्र, शिव पाल सिंह आदि ने खुशी व्यक्त की है।

पत्रकार पर हमले के खिलाफ लातेहार में एकजुटता

● काला बिल्ला लगाकर जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- हजारीबाग में पत्रकार के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में लातेहार प्रेस क्लब के पत्रकारों ने गुरुवार को काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और घटना की कड़ी निंदा की। पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष जांच, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी

और पीड़ित पत्रकार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई। पत्रकारों ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर विकास तिवारी, राजीव मिश्रा, आशीष वेद, मनीष सिंहा, विभूति सिंह, रूपेश कुमार, रामकुमार मिस्त्री, विवेक सिंहा, संतोष कुमार, निहित कुमार सहित कई पत्रकार मौजूद रहे और एकजुटता दिखाते हुए घटना की कड़ी निंदा की।

पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा में झामुमो कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

● स्क्ष्व जनगणना पर हुई विस्तृत चर्चा

भोले-भाले मतदाताओं का नाम सूची से न छूटे

बूथ स्तर पर सतर्कता जरूरीः विधायक हेमलाल मुर्मू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- लिट्टीपाड़ा प्रखंड के कड़ियोडिह आम बागान में झामुमो कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू तथा झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम उपस्थित रहे। बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली एवं केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू भी शामिल हुए। इस दौरान बूथ समिति के गठन तथा BLA-2 की नियुक्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक हेमलाल मुर्मू ने SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) और आगामी जनगणना के संबंध में जानकारी

देते हुए कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ पर समिति का गठन कर शीघ्र BLA-2 की नियुक्ति सुनिश्चित करें, ताकि जरूरतमंद लोगों के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रह सकें। जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन के प्रति समर्पण और सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और संगठन को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। वहीं पर्यवेक्षक हाजी समद अली एवं विकास मुर्मू ने भी कार्यकर्ताओं को स्क्र प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बूथ स्तर पर सतर्कता बनाए रखने और BLA-2 को सहयोग करने पर जोर दिया। बैठक में प्रखंड सचिव जावेद आलम, जिला सह सचिव तरुण मंडल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दानियल किस्कू, पूर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा, जाकिर अंसारी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनबाद में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे मैरिज हॉल और रिसॉर्ट्स पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

धनबाद। नगर आयुक्त आशीष गंगवार के निर्देश पर बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित बैंक्वेट हाल, लाज, हास्टल एवं रिजार्ट आदि प्रतिष्ठानों का रजिस्ट्रेशन संबंधी निरीक्षण इंफोर्समेंट टीम ने किया। निरीक्षण के दौरान पंचशील मैरिज हाल, तमाशा मैरिज हाल, आमंत्रण मैरिज हाल, ट्यूलिप मैरिज हाल, मिलानो मैरिज हाल, द रीत मैरिज हाल एंड रिजार्ट, गीता रानी मैरिज हाल, टीएमजी रिजार्ट एंड मैरिज हाल, सेलिब्रेशन मैरिज हाल एंड रेस्टोरेंट, एसबी इंटरनेशनल बैंक्वेट हाल एवं अन्य प्रतिष्ठान शामिल थे। जांच के दौरान पाया गया कि सभी प्रतिष्ठानों के पास आवश्यक रजिस्ट्रेशन उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में सभी संचालकों को आवश्यक रजिस्ट्रेशन शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैशाख पूर्णिमा पर संकट मोचन धाम पाथरोल में भव्य भजन संध्या

● महाआरती का आयोजन आज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाथरोल, करों, देवघर, झारखंडः- श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में प्रत्येक पूर्णिमा को आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की कड़ी में इस बार आज शुक्रवार को बैशाख पूर्णिमा के अवसर पर संकट मोचन धाम पाथरोल में भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर में संध्या 8:30 बजे से भजन-कीर्तन का शुभारंभ होगा, जिसमें स्थानीय एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु भाग लेकर भक्ति रस में सराबोर

होंगे। इसके पश्चात रात्रि 9:30 बजे बाबा की महाआरती संपन्न होगी। महाआरती के उपरांत भक्तों के बीच खिचड़ी प्रसाद सहित अन्य प्रसाद का वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा जानकारी दी गई कि यह आयोजन आप सभी भक्तों के सहयोग से निरंतर संचालित हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी सहभागिता निभाते हैं। मंदिर प्रबंधन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर भजन-कीर्तन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। कार्यक्रम में सहयोग या अधिक जानकारी के लिए मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल नंबर 9934531724 पर साझा किया है।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी संग छेड़छाड़ का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)– रात्रि में घर के अंदर घुस कर सो रही नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ किए जाने एवं शिकायत करने के लिए कोतवाली जाते समय रास्ते में आरोपी के बड़े भाई द्वारा धमकाए जाने का आरोप लगाते हुए महिला ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि बुधवार/गुरुवार की रात पड़ोसी युवक उसके आंगन में कूद कर आ गया। उक्त युवक सो रही उसकी 13 साल की बेटी के बगल में लेट गया और छेड़छाड़ करने लगा। अचानक से बेटी जाग गई और उसने शोर मचाया तो युवक ने बेटी का मुंह दबा दिया, इसी दौरान वह भी जाग गई और फिर शोरगुल सुनकर घर के अन्य लोग मौके पर आ गए जिसके बाद उक्त युवक को पकड़ लिया और डायल 112 पुलिस बुलाकर युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि रात में ही वह बेटी और देवर संग कोतवाली जा रही थी तभी गांव के बाहर रास्ते में युवक के बड़े भाई ने उसका रास्ता रोक लिया और समझौता करने का दबाव बनाने लगा, उसने जब समझौता करने से मना कर दिया तो वह देख लेने की धमकी देकर भाग गया। मामले को लेकर महिला ने कार्यवाही किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आज कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगी विधायक मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना आज शुक्रवार को निर्वाचन क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगी। वह दिन में ढ़ाई बजे लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगी। इसके बाद विधायक मोना यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगी। वह दिन में बारह बजे क्षेत्र के हरिहरपुर, चकिया, बहादुरपुर, पूरे शंकर, पूरे हृदय आदि स्थानों पर लोगों से मुलाकात भी करेंगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

ललितपुर में 19 वर्षीय युवती लापता

» परिजनों ने अपहरण की जताई आशंका

» मां की डांट के बाद घर से निकली थी युवती

» संदिग्ध युवक भी उसी दिन से गायब

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक 19 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने एक युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी 19 वर्षीय 26 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे घर से अचानक लापता हो गई। बताया गया कि घर के किसी काम को लेकर मां द्वारा डांटने पर वह घर से बाहर चली गई थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने पहले आसपास और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लगा। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि मोहल्ले का ही एक युवक लखवा उर्फ लववा बंजारा पर संदेह है, जो उसी दिन से लापता है। परिजनों का कहना है कि घटना वाले दिन उक्त युवक एक कार्यक्रम में मौजूद था, जहां युवती भी गई थी। इसके बाद से दोनों का कोई पता नहीं चल पाया है। इस आधार पर परिजनों ने युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 87 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस कल

तहसील ललितपुर में जनशिकायतें सुनेंगे जिलाधिकारी

ललितपुर। शासन के निर्देशानुसार पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से 02 मई 2026 शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान आयोजित किया जायेगा, जिसके क्रम में जिलाधिकारी तहसील ललितपुर में जनशिकायतें सुनेंगे, अपर जिलाधिकारी तहसील तालबेहट व सम्बंधित उप जिलाधिकारी अपनी अपनी तहसीलों में उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण करायेंगे। जनसामान्य से अपील की गई है कि अपने क्षेत्र की तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर अपनी समस्याओं का निस्तारण करायें।

सिद्धार्थनगर में जमीन विवाद में घायल युवक की मौत

● ग्रामीणों ने शव रख कर किया रास्ता जाम, एसओ लाइन हाजिर

13 लोगों पर केस दर्ज,8 नामजद 5 अज्ञात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्तनगर। जिले के लोटन कोतवाली क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल संदीप यादव(22) पुत्र शिवमूरत की इलाज के लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही बुधवार की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और गुस्साए परिजनों व ग्रामीणों ने शव को लोटन चौराहे पर रखकर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके चलते मुख्य मार्ग पूरी तरह ठप हो गया और तीनों दिशाओं में लंबा जाम लग गया।

मामला लोटन थाना क्षेत्र के धरनिहवा-कुल्हुआ गांव का है, जहां मेन सड़क से जुड़ी ढेड़ मंडी जमीन को लेकर दो पक्षों गदहमरवा निवासी राममिलन परिवार और संदीप यादव परिवार-के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। यह विवाद जमीन रास्ते और कब्जे को लेकर कई बार तनाव का कारण बन चुका था। परिजनों का कहना है कि संदीप यादव के पिता शिवमूरत ने पूर्व में स्टांप पेपर के जरिए जमीन का लेन-देन किया था, इसके बावजूद दूसरे पक्ष द्वारा लगातार कब्जे का प्रयास किया जा रहा था। इसी तनाव के चलते 24 अप्रैल को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई, जिसमें संदीप गंभीर रूप से घायल हो गए।

आरोप है कि घटना के बाद रास्ते में भी संदीप और उनके चाचा बबलू पर हमला किया गया। गंभीर हालत में उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। रास्ते में 29 अप्रैल की रात संदीप की मौत हो गई। मौत की खबर गांव पहुंचते ही माहौल बिगड़ गया। 30 अप्रैल को परिजन और सैकड़ों ग्रामीण शव लेकर लोटन चौराहे पहुंचे और मुख्य सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। सुबह सुबह 6बजे से 1.15 बजे तक प्रदर्शन चलता रहा, जिससे तीनों दिशाओं में लंबा जाम लग गया।

लोटन तिराहे से मोहाना जाने वाले हाईवे पर करीब 3-4 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं। वहीं कोल्हुई मार्ग पर लगभग 2 किलोमीटर और सोहास मार्ग पर भी करीब 2 किलोमीटर तक यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पूरे इलाके में अफरा-तफरी और अव्यवस्था का माहौल बना रहा। मामले को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने संज्ञान में लेते हुए लोटन थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज को लापरवाही बरतने के मामले में लाइन हाजिर कर दिया है। 13 लोगों पर हत्या का केस दर्ज । जिसमें 8 नामजद तथा 5 अज्ञात है।लगभग 7 घंटे बाद जाम खत्म हुआ।

चरित्र निर्माण के बूते युवा लोकतंत्र की मजबूती में दें योगदान-प्रो0 ओझा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर एवं विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरूवार को सहभागी लोकतंत्र-चुनौतियां एवं सम्भावनाएं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा एवं समाजसेवी चंद्रशेखर प्राण ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 संदीप कुमार मिश्र ने विषय का प्रतिपादन रखा। राजनीति शास्त्र के प्रो0 अमित सिंह ने कार्यशाला के उददेश्य पर प्रकाश डाला। छात्रा अनुष्का के मनमोहक सरस्वती वंदना व प्रभात तिवारी के स्वागत गान पर अतिथि मंत्रमुग्ध दिखे। अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा ने कहा कि देश के परिपक्व लोकतंत्र में हमें हर संभावनाओं व चुनौतियों से सावधान रहना होगा। प्रो0 ओझा ने भारतीय लोकतंत्र की खूबियों का वर्णन करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सशक्त सहभागिता का आहवान किया। विशिष्ट वक्ता डॉ0 गंगाधर ने मूल कर्तव्य व मूल अधिकार की विशद व्याख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन प्राचार्य डॉ0 अमित कुमार सिंह ने किया। संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 अम्बिकेश त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर डॉ0 ओपी द्विवेदी, डॉ0 आशुतोष शुक्ल, डॉ0 दुर्गेशचंद्र, डॉ0 अनीता त्रिपाठी, डॉ0 रोहिणी त्रिपाठी, मनोज पाल, अजय मिश्र, डॉ0 प्रकाश सिंह, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 रविकांत कौशल, संतोष प्रजापति आदि रहे।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला छत्रसालपुरा में चोरों के हौसले बुलंद हैं। बीती मंगलवार रात घर के बाहर खड़ी एक टीवीएस अपाचे बाइक को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला छत्रसालपुरा एसीआई कंप्यूटर के सामने निवासी निशिल जैन पुत्र धन्य कुमार जैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार की रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच उनकी मोटरसाइकिल संख्या जी.जे.06 एम.सी.3387 घर के बाहर खड़ी थी। रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर अज्ञात चोर वाहन ले उड़े। चोरी की घटना का पता बुधवार सुबह चला, जब बाइक अपने स्थान से गायब मिली। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 11.13 बजे प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला पंजीकृत किया है।

निरीक्षण में रेलवे स्टेशन पर तमाम खामियां मिलने पर डीआरएम ने लगाई कड़ी फटकार

● सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल) को किया निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मंडल रेल प्रबंधक, झांसी मंडल झांसी अनिरुद्ध कुमार ने गुरुवार शाम कोंच रेलवे स्टेशन सहित जारी रेलवे विस्तारीकरण योजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर में फैली अव्यवस्थाओं, जनसुविधाओं की बदहाल स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही मिलने पर डीआरएम का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर ही कई अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और स्टेशन के अंदर लगा अलार्म पैनल बंद मिलने पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल) अरविंद श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। डीआरएम सबसे पहले स्टेशन परिसर पहुंचे जहां उन्होंने प्लेटफार्म, यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, सुरक्षा उपकरणों और चल रहे रेलवे विस्तारीकरण कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें लगभग हर व्यवस्था में खामियां मिलीं, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। स्टेशन परिसर में जगह-जगह फैली गंदगी देखकर डीआरएम ने नाराजगी जताई। यात्री शौचालयों पर ताले लटके मिलने और पानी की समुचित व्यवस्था न होने पर उन्होंने इसे यात्रियों की सुविधा के साथ खिलवाड़ बताया। उन्होंने साफ कहा कि यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान स्टेशन के पास मंडी की ओर खुला पड़ा करीब सात फुट गहरा गड्ढा भी डीआरएम की नाराजगी का कारण बना। उन्होंने इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शुक्रवार तक इसे पूरी तरह सुरक्षित कराया जाए, ताकि कोई हादसा न हो सके। स्टेशन और प्लेटफार्म के बीच खुले में रखे जनरेटर पर भी उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई और इसे तत्काल व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। रेलवे विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन ट्रैक और अन्य कार्यों की धीमी प्रगति देखकर भी डीआरएम संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने निर्माण एजेंसियों और संबंधित इंजीनियरों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में अनावश्यक देरी बिल्कुल स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने और तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन भवन और टिनशेड की रगाई पुताई और रखरखाव पर भी डीआरएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्टेशन की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के आदेश दिए। स्टेशन कार्यालय के ठीक बगल में वर्षों से रखा लोहे के डिब्बा को तत्काल हटवाने के कड़े निर्देश उन्होंने दिए। स्टेशन के अंदर स्थापित अलार्म पैनल बंद मिला, जिसे उन्होंने गंभीर सुरक्षा लापरवाही माना। इस पर डीआरएम ने सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल) अरविंद श्रीवास्तव के खिलाफ तत्काल निलंबन की कार्रवाई कर दी। डीआरएम अनिरुद्ध कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसुविधाओं और जनसुरक्षा के मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोंच स्टेशन की वर्तमान स्थिति संतोषजनक नहीं है और यहां सुधार की काफी आवश्यकता है। सभी संबंधित अधिकारियों को सोमवार तक खामियां दूर करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

पालिकाध्यक्ष सहित सभासदों एवं व्यापारियों ने पार्क व ट्रेन विस्तार की उठाई मांग

कोंच(जालौन)– रेलवे स्टेशन कोंच का निरीक्षण करने पहुंचे डीआरएम का पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित सभासदों एवं व्यापारियों ने पट्टिका ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। वहीं पालिकाध्यक्ष एवं व्यापारियों ने कई अहम मांगों के क्रियान्वयन किए जाने को लेकर डीआरएम को ज्ञापन भी सौंपे। डीआरएम को सौंपे ज्ञापन में पालिकाध्यक्ष ने कहा कि यहां रेलवे स्टेशन के पास खाली भूमि पड़ी हुई है जिसका सदुपयोग न होकर कूड़ा एकत्रीकरण में दुरुपयोग हो रहा है, इस खाली भूमि पर नगर पालिका एक पार्क विकसित करना चाहती है ताकि नागरिकों को बीच बस्ती में सुंदर और स्वच्छ वातावरण का स्थान मिल सके। पालिकाध्यक्ष ने इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने की मांग की है। इस दौरान सभासद अनिल वर्मा, विनोद सोनी, दंगल सिंह यादव, माधव यादव, महेंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे। उप्र उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय लोहिया की अगुवाई में स्थानीय व्यापारियों ने कोंच-एट-सरसोखी ट्रेन का मिलान एट जंक्शन पर आने वाली प्रत्येक ट्रेन से कराए जाने की मांग करते हुए डीआरएम को ज्ञापन सौंपा। किराना व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गिरवासिया, मंत्री रामशंकर कनकने, कोषाध्यक्ष जगदीश आदि व्यापारियों ने ज्ञापन देकर झांसी एवं कानपुर के रास्ते जाने वाली गाड़ियों के मिलान हेतु कोंच-एट शटल ट्रेन की समय सारिणी परिवर्तित करने, कोंच स्टेशन पर आरक्षण, पार्किंग और पेयजल की चौबीसों घंटे सुविधा प्रदान किए जाने एवं शटल ट्रेन का झांसी/कानपुर तक विस्तार किए जाने की मांग की है।

आईसीएसई बोर्ड में आराध्या शुक्ला ने किया जिला टॉप

आईसीएसई बोर्ड में 98.40 प्रतिशत अंक हासिल

ललितपुर। जनपद की प्रतिभाशाली छात्रा आराध्या शुक्ला ने आईसीएसई बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 98.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जनपद और परिवार का नाम रोशन हुआ है। आराध्या शुक्ला, एसडीएस स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा हैं। वह अरविंद शुक्ला एवं नेहा शुक्ला की पुत्री हैं। आराध्या की इस सफलता पर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। अपनी सफलता के बारे में बताते हुए आराध्या ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य आईआईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करना है, जिसके लिए वह पूरी मेहनत और लगन से तैयारी करेंगी। आराध्या शुक्ला जिले के वरिष्ठ पत्रकार स्व.राकेश शुक्ला की भतीजी तथा जागेश शुक्ला एवं रविशंकर शुक्ला की भतीजी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

एएसपी ने कोतवाली का निरीक्षण कर अपराध समीक्षा बैठक में दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- बुधवार की देर शाम अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी ने कोंच कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोतवाली के विभिन्न पटलों का बारीकी से जायजा लिया और अभिलेखों, लंबित मामलों तथा कार्यालय व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक ने अपराध समीक्षा बैठक की जिसमें क्षेत्र में कानून व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं, अपराध नियंत्रण तथा गश्त व्यवस्था को लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कोतवाली परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और समयबद्ध पूर्णता को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए उन्हें जरूरी निर्देश दिए। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक ने नगर के व्यापारियों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपनी दुकानों और प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं ताकि किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में पुलिस को जांच में सहायता मिल सके और अपराधियों की पहचान आसानी से हो सके। उन्होंने कहा कि कैमरों से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और अपराधों पर अंकुश लगेगा। निरीक्षण और समीक्षा बैठक के बाद अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ कोतवाली से मुख्य मार्ग होते हुए सागर चौकी तक पैदल मार्च भी किया। पैदल मार्च का उद्देश्य नगर में सुरक्षा व्यवस्था का संदेश देना और आमजन में विश्वास कायम करना रहा। इस दौरान क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद, कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, सागर चौकी प्रभारी सुमित पांडेय, खेड़ा चौकी प्रभारी शिवनारायण, सुरही चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार आदि मौजूद रहे।

संग्रामगढ़ में एलएलबी कोर्स की मिली मान्यता, क्षेत्र में खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। कानून की पढ़ाई के लिए मेधावियों को संग्रामगढ़ स्थित पं0 सरयू प्रसाद तिवारी कालेज ऑफ लॉ में एलएलबी के पठन पाठन की सुविधा मुहैया हुई है। गुरूवार को इसकी जानकारी होने पर कालेज परिसर में खुशी का माहौल देखा गया। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना के विशेष प्रयास से लॉ कालेज में बार काउन्सिल आफ इण्डिया ने इन्द्रा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स के प्रस्ताव पर कालेज को त्रिवर्षीय एलएलबी पाठयक्रम की मान्यता प्रदान की है। सरयू इन्द्रा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रवीन सागर शुक्ल ने बताया कि इसी सत्र 2026-27 से प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भइया विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संग्रामगढ़ के लॉ कालेज में विधि स्नातक की कक्षाओं का संचालन शुरू होगा। भारतीय विधिज्ञ परिषद के सहायक सचिव नलिन राज चतुर्वेदी ने 12 अप्रैल को जारी अधिसूचना में लॉ कालेज में कक्षाओं के संचालन किये जाने के निर्देश दिये हैं। एलएलबी कक्षाओं के शीघ्र संचालन को लेकर पूर्व प्रमुख पुष्पा देवी, जिपंस रघुनाथ सरोज, लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल महेश, आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, पूर्व प्रधानाचार्य भगवती प्रसाद तिवारी आदि ने विधायक आराधना मिश्रा मोना व सांसद प्रमोद तिवारी के इस प्रयास को विधिक शिक्षा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय उपलब्धि कहा है।

स्वामी विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल के मेधावी बच्चे हुए पुरस्कृत

● सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्वामी विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल में बुधवार की शाम आयोजित ग्रेजुएशन डे प्रगति पर्व कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को वार्षिक परीक्षाफल वितरित कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, विधायक मूलचंद्र निरंजन के पुत्र आशु निरंजन, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के आतिथ्य में आयोजित किए गए कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर की, तदोपरांत स्कूल स्टॉफ के लोगों ने माल्यार्पण और बैज अलंकरण कर अतिथियों का स्वागत किया। बालिका श्रीजी रिछारिया, उन्नति, आरोही, अंशिका, नंदनी, अक्षरा, श्रृष्टि, संस्कृति मिस्टी, जागृति, यामी, नेहल, खुशी, कशिश आदि ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति अहाना, सरगम, तन्वी, आरू, अक्षिता, अन्वी, छवि, मिस्टी, फातिमा, वेदिका, क्रियांश, माही, अनुषा, सिमरन, राधिका, ओजस्वी, प्राची, सिद्धि, पंखुड़ी, देवोमय, मनन, अंश, राजुल, आयुष, अरनब, वेदांत, वंश, श्यामजी, सार्थक, सोम ने दी। वहीं घोषित परीक्षाफल में कक्षा नर्सरी में वंदित, आर्यन, शिवांश, एलकेजी में आयुष, वेदांत, अक्षांश, यूकेजी में तुषित, गार्गी, मिस्टी, क्रियांश, कक्षा प्रथम सेक्शन ए में शिवान्या, पार्थ श्रेयांश, सेक्शन बी में आदित्य, कृष्णा, नैतिक, द्वितीय में आरोही, अहाना, हार्दिक, तृतीय में आयुषी, गार्गी, युग, आकृति, चतुर्थ में मान्या, आरव, अनिका, पंचम में रुद्र राज, शौर्य वीर, श्रयश, षष्ठ सेक्शन ए में आदर्श, एंजल, आर्य, सेक्शन बी में शिखर, संस्कृति, आकृति ने क्रमशः स्थान प्राप्त किया। सप्तम में वेदांत, नंदनी, उन्नति ने संयुक्त रूप से प्रथम, अर्णव एवं आराध्य ने द्वितीय, अंश एवं देवांशी ने तृतीय, अष्टम में सिमरन एवं समीर, राधिका एवं ओजस्वी, तनुष एवं मेघा, नवम सेक्शन ए में सोमेंद्र, साहिल, मौलिक, सेक्शन बी में प्रियता, माही, आशी, सेक्शन सी में अमित, आयुष, हर्षित, एकादश विज्ञान संकाय में तंजिला फातिमा, सौम्या, स्वयं झा, कॉमर्स संकाय में गरिमा ल, अंशिका, अनस, मानविकी संकाय में अनुष्का, वैष्णवी, आशिका खान ने क्रमशः स्थान हासिल किया जिन्हें अतिथियों ने पुरस्कृत किया। वहीं सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में स्कूल के छात्र छात्राओं में शामिल सक्षम द्वारा 95.8, आकृति 92.6, आदित्य 92.2, श्रेया 91.2, जोया 90.6, अवंतिका एवं अंशुमन 90.4, अर्पिता 90.2, शुभ 90, कीर्ति एवं वंश 89.8, वंश गुप्ता 89.4, तनिष्का 89, रामजी 88.5, अंश 88, रिमझिम 87.8, शिवम 84.6, महेंद्र 86.4, रिया 86.2, कार्तिक 86, अर्पित 84.8, प्रियांशु 83.6, प्रखर 83.2, देवव्रत 82.4, तनुष्का 82, अपर्णा 81.2, कनिष्का 80.8, रितिक 80.4, शिवांगी 80.2, वैष्णवी 80 प्रतिशत अंक लाने पर अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस दौरान परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाने वाले सभी बालक बालिकाओं को आशीर्वचन देते हुए अतिथियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल के प्रबंधक सुरेंद्र निरंजन, निदेशक धीरेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्य मनीष निरंजन ने ने कहा कि स्कूल सदैव ही अनुशासन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, यह परिणाम बच्चों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त प्रतिफल है। संचालन छात्रा महक पटेल, इशिता गोस्वामी, शिक्षिका जिया वर्मा एवं शिक्षक हरिमोहन ने संयुक्त रूप से किया जबकि आभार प्रधानाचार्य मनीष निरंजन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता गौरी चबोर, ओपी कुशवाहा, विपिन पटेल, विकास पटेल, आर्य याज्ञिक सहित स्कूल स्टॉफ के सभी लोग व अभिभावकगण भारी संख्या में मौजूद रहे।

बुन्देली महोत्सव में सांस्कृतिक रंग, रात भर झूमे हजारों दर्शक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। नगर पँचायत के संयोजन में आयोजित भव्य बुन्देली महोत्सव में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। देर रात करीब 12 बजे तक हजारों दर्शक कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे और लोकगीत, भजन व हास्य प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद उठाया। महोत्सव में भजन गायक पवन तिवारी, लोकगीत गायक खनिज चौहान, सुमित दुबे, मुस्कान प्रजापति, अंजली कुशवाहा और अंकित परिहार ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं कॉमेडी कलाकार हल्ले दाऊ, गुड्डू भैया और काकू हरिया सहित अन्य कलाकारों ने हास्य का तड़का लगाकर माहौल को खुशनुमा बनाए रखा। कार्यक्रम के दौरान दर्शक जमकर थिरकते नजर आए।

इसी दौरान मंच पर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार एवं महाकवि डॉ. रामसेवक पाठक 'हरिकिंकर' की 29वीं काव्यकृति डॉ. हरिकिंकर का कुण्डलिया हजारा' का भव्य विमोचन भी किया गया। विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) संजय मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मुक्ता सोनी ने संयुक्त रूप से पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रख्यात साहित्यकार पं. बाबूलाल द्विवेदी शास्त्री ने कहा कि डॉ. हरिकिंकर की काव्यकृतियां हिन्दी साहित्य जगत की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने बताया कि 87 वर्ष की आयु में भी डॉ. हरिकिंकर निरंतर सृजनरत हैं और अपनी लेखनी से जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने एक हजार कुण्डलिया लिखकर हिन्दी साहित्य को एक बड़ी सौगात दी है, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। मुख्य अतिथि हरिश्चन्द्र रावत ने भी अपने संबोधन में डॉ. हरिकिंकर को नगर का गौरव बताते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संयोजक एवं 'बुन्देली बौछार' के संपादक सचिन चौधरी, सरस साहित्य संगम के अध्यक्ष विनोद कुमार अवस्थी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा कवि पंकज पंडित ने किया।

शादी से पहले किसान के घर में भीषण आग, गृहस्थी जलकर राख

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के रजावन गांव में एक गरीब किसान के घर अचानक भीषण आग लग गई, जिससे उसकी पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना उस समय हुई जब घर में शादी के कार्यक्रम के लिए खाना बनाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार अनिरुद्ध कुशवाहा पुत्र किशनलाल के परिवार में दो दिन बाद बेटी की बारात आनी है। इसी सिलसिले में घर पर तैयारियां चल रही थीं और खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और घर में रखा सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर का अधिकांश सामान जल चुका था। आग लगने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है, ताकि शादी का कार्यक्रम संपन्न हो सके। वहीं, गांव में घटना के बाद सहानुभूति का माहौल है।

लाखों की तीन भैंसें चोरी, अज्ञात बदमाशों की करतूत से किसान परेशान

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुरा गांव में अज्ञात बदमाशों द्वारा लाखों रुपये कीमत की तीन भैंसें चोरी कर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित किसान राहुल यादव पुत्र लखन ने बताया कि रात के समय अज्ञात व्यक्ति उनके घर के बाहर नींबू काटकर फेंक गए और उसी दौरान मौका पाकर तीनों भैंसें चुरा ले गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो भैंसें गायब मिलीं, जिससे हड़कंप मच गया। पीड़ित ने कोतवाली तालबेहट पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात बदमाशों की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

50,000 का ईनामिया वांछित अभियुक्त अवैध पिस्टल कारतूस के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना मानिकपुर पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम को विश्वसनीय मुखबिर से गुरुवार को सूचना प्राप्त हुई कि धारा 103(1) /70(1)/3(5) /61(2)/238(ए) बीएनएस) में वांछित 50,000 रुपये का इनामी अपराधी शुभम सोनकर अवैध असलहे के साथ जनपद कौशाम्बी की ओर से करेंटी गंगा पुल होते हुए अपने अधिवक्ता से मिलने जा रहे की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा ग्राम करेंटी तिराहे पर घेराबंदी कर सघन चेकिंग शुरू की गई। दोपहर करीब 1.45 बजे संदिग्ध अभियुक्त शुभम सोनकर को जब पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया, तो उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस बल पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम द्वारा अदम्य साहस दिखाते हुए आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा और वांछित इनामी अभियुक्त शुभम सोनकर को मुठभेड़ के उपरांत गिरफ्तार कर लिया गया है।घायल अभियुक्त को तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी कालाकांकर भेजा गया,जहां से उसे बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल प्रतापगढ़ रेफर किया गया है।

जिलाधिकारी ने गेहूं क्रय केंद्र का किया निरीक्षण, भुगतान में देरी पर सख्त चेतावनी

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा राजकीय गेहूँ क्रय केन्द्र नगर पंचायत उसका बाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने क्रय केंद्रों पर किसानों के पंजीकरण, तौल व्यवस्था, भुगतान प्रक्रिया तथा अभिलेखों के संधारण का गहनता से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों से सम्पर्क कर गेहूँ खरीद में प्रगति लाये। जिलाधिकारी ने केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, छाया एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा कि ई-तौल मशीनों का सही उपयोग किया जाए तथा तौल में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को गेहूं के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार श्रीवास्तव, एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की मांग पर न्यायालय द्वारा न्यायालय का समय 1मई से परिवर्तित

न्यायालय के आदेश का डीबीए सोनभद्र ने किया पूर्ण समर्थन , न्यायालय का समय सुबह 7.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट की ओर से समस्त सम्मानित अधिवक्ता बंधुओं को अवगत कराया कि 01 मई 2026, गुरुवार से मॉर्निंग कोर्ट का संचालन प्रारंभ हो रहा है। जहाँ न्यायालय का समय प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक रहेगा।ग्रीष्म ऋतु में भीषण गर्मी को देखते हुए मा. न्यायालय द्वारा प्रातःकालीन सत्र में कोर्ट संचालन का निर्णय अत्यंत सराहनीय एवं जनहित में है। इससे न केवल अधिवक्ता बंधुओं, बल्कि वादकारियों एवं न्यायालय कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी। न्यायालय के आदेश का डीबीए सोनभद्र ने निर्णय का पूर्ण समर्थन किया है। जिसके क्रम में पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने साथियों से अनुरोध किया है कि हम सभी इस व्यवस्था को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दें और समय का पालन करते हुए न्यायिक कार्य में गति प्रदान करें।

चकबंदी घोटाले का आरोप, 346वें दिन भी उबाल पर किसानों का गुस्सा

● जमीन बचाओ आंदोलन तेज, प्रशासन पर अनदेखी का गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- घोरावल ब्लॉक के भैसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर किसानों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। 'जमीन बचाओ' के नारे के साथ जारी धरना अब 346वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जिससे प्रशासनिक उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सेमरीहवा टोला स्थित बछनार बिरबाबा देवस्थान पर चल रहे इस आंदोलन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा कर रहे हैं। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

किसानों का आरोप है कि चकबंदी विभाग में भारी अनियमितताएं हुई हैं, जिससे उनकी जमीनों के साथ अन्याय किया जा रहा है। भाकियू (लोक शक्ति) के नेताओं ने बताया कि 24 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष कार्य अधिकारी द्वारा मिर्जापुर मंडल के आयुक्त, सोनभद्र के जिलाधिकारी और चकबंदी अधिकारी को 15 मार्च तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके, अब तक कोई ठोस कार्रवाई या रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक चकबंदी में हुई गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तब तक गांव में चकबंदी प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। यदि प्रशासन ने जल्द संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। भाकियू (लोक शक्ति) के जिला सचिव संजय कुमार यादव ने भी प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी हो रही है। उन्होंने मांग की कि भैसवार गांव के किसानों को न्याय और तत्काल राहत दी जाए। धरना स्थल पर प्रमुख रूप से बिरजू कुशवाहा, सचिन, संजय कुमार यादव, रामपाल, सीताराम मौर्य, बहादुर कोल, काशीनाथ मौर्य, जवाहीर और गुंजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन जागेगा या किसानों का संघर्ष और उग्र होगा?

फार्मर रजिस्ट्री अभियानः खातेदारों के अंश निर्धारण हेतु चार दिवसीय विशेष पहल प्रारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश -जनपद में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने फार्मर रजिस्ट्री एवं खातेदारों के अंश निर्धारण हेतु चार दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान दिनांक 30 अप्रैल से प्रारंभ होकर 3 मई तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करते हुए किसानों से संबंधित डाटा की शुद्धता सुनिश्चित करना है, जिससे उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके।

इस विशेष अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु राजस्व विभाग, कृषि विभाग, जिला पंचायत विभाग एवं विकास विभाग को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक लेखपाल के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनके आधार पर कार्य की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। अभियान के दौरान पीएम किसान योजना के अंतर्गत लाभार्थी कृषकों के डाटा में पाई गई त्रुटियों—जैसे मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार एवं खतौनी में मिसमैच—को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाएगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन सायं 6:00 बजे तक कार्य प्रगति की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न होने पर संबंधित कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।यह अभियान किसानों के अधिकारों की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

महिलाओं ने जन आक्रोश रैली निकाल कर किया विरोध प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर कस्बे में बृहस्पतिवार को पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी के नेतृत्व में 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' रैली का भव्य आयोजन किया गया। यह रैली निजी बस अड्डे के पास स्थित भाजपा कार्यालय से शुरू होकर परशुराम तिराहा पर संपन्न हुई। इस दौरान महिलाओं ने 'नारी शक्ति मैदान में, बदलाव के अभियान में' जैसे नारे लगाकर माहौल गुंजायमान कर दिया। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ. द्विवेदी ने महिला सुरक्षा और स्वावलंबन पर जोर देते हुए कहा कि बेटियों के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। रैली के माध्यम से महिलाओं ने अपने अधिकारों के प्रति अपनी बुलंद आवाज उठाई। इस मौके पर माया चौधरी, मोनिका गुप्ता, पूजा पटवा, कृष्णा मिश्रा, कुंवर मिश्रा, पिंकू मोदनवाल और मोनू गुप्ता अमन चौरसिया, मनोज यादव,सहित भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

डीएम ने संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए दिया आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में में संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु गुरूवार को जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक कलेक्टेऊट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ से पूर्व तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए समन्वित प्रयास एवं सर्तकता आवश्यक है। उन्होने अधिशासी अभियन्ता बाढ़ दिनेश कुमार को निर्देशित किया कि तटबंधो की मरम्मत, कटान संभावित स्थलों की पहचान तथा आवश्यक सुरक्षा कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाय। साथ ही निचले एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हॉकन करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सभी सीएचसी/पीएचसी को सक्रिय रखें, मेडिकल कैंप लगाने की व्यवस्था रखें तथा प्रत्येक बाढ़ चौकी पर स्वास्थ्य कर्मी तैनात करें। इस दौरान सांप काटने पर लगने वाले इंजेक्शन तथा अन्य जीवन रक्षक दवाएं, क्लोरीन की गोलियां, ओआरएस घोल की समुचित व्यवस्था रखें। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि समय से भूसा एवं चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा बाढ़ के समय में लगने वाले पशुओं के टीका की आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। साथ ही अस्थायी गोशालाओं के लिए स्थल चिन्हित कर लें। उन्होंने आपूर्ति विभाग को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप बाढ़ राहत सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बाढ़ के समय विद्युत आपूर्ति रोकने तथा उसे चालू करने में सतर्कता बरतने का विशेष निर्देश दिया है। समीक्षा में उन्होंने पाया कि जनपद में कुल 17 तटबंध है, जिनके मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य बाढ़ खंड प्रथम द्वारा किया जाता है।अधिशासी अभियन्ता दिनेश कुमार ने बताया कि जनपद में स्थित सभी तटबंधों के लिए बाढ़ खण्ड के सहायक अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता की तैनाती करते हुए उनका मुख्यालय निर्धारित कर दिया गया है।

बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति, डीएफओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार, उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक, मनोज प्रकाश, हिमांशु कुमार तथा सत्येन्द्र कुमार सिंह, डीएसओ विमल शुक्ला, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राम वन गमन की कथा सुन भावुक हुए श्रोता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर कस्बे से सटे बलरामपुर सीमा पर स्थित मधुपुर पकड़ी गांव में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम कथा में बुधवार की रात को कथावाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी ने प्रभु राम के वनवास का मार्मिक प्रसंग सुनाया । कथा वाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी ने जब राम-सीता और लक्ष्मण के अयोध्या त्याग का वर्णन किया तो पांडाल में उपस्थित सैकड़ों भक्तों की आंखे नम हो गई। कथा के क्रम को आगे बढ़ाते हुए कथावाचक जगत गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य जी ने कहा कि राम का वनवास केवल एक राजा के पुत्र का निष्कासन नहीं बल्कि अधर्म के विनाश की भूमिका थी। उन्होंने बताया कि कैसे पिता के वचनों को निभाने के लिए श्रीराम ने सहर्ष राजसी सुखों का त्याग कर दिया।

उधर भरत ने राज्य स्वीकार करने से इनकार कर दिया और राम की खड़ाऊं सिंहासन पर रखकर चौदह वर्ष तक राजकाज चलाया। कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल, जयवर्धन तिवारी, शिवकुमार वर्मा, धनीराम प्रजापति, पंकज प्रजापति, सीताराम प्रजापति, दयाराम प्रजापति, कालिया बाबा, संजय सिंह, अखंड पाल सिंह, रामनिवास उपाध्याय, महेश कुमार पांडे, मोना पांडे, रक्षा राम प्रजापति, मनीराम प्रजापति, प्रेम मोदनवाल, नगर अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल, राम नरेश पासवान, नगर अध्यक्ष बिस्कोहर अजय गुप्ता, राकेश सिंह पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बलरामपुर, राजेन्द्र ओझा, रामजी त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

व्यवसाई को मातृ शोक

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के प्रसिद्ध व्यवसाई राजीव छापड़िया की माता इंद्रा देवी छापड़िया 82 वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। इसकी सूचना प्रसारित होते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इनके निधन पर नरेंद्र छापड़िया,अनूप छापड़िया, सतीश तुलस्यान, निर्मल छापड़िया, हेमन्त कुमार जायसवाल, हरिशंकर सिंह, रूपेश सिंह, संतोष मिश्र, सोमनाथ मिश्र, अशोक अग्रहरी, शिव जायसवाल, महेश छापड़िया, राज नारायण पाण्डेय, अभिषेक मिश्र, योगेंद्र दूबे, संजय गुप्ता आदि ने शोक व्यक्त की है।

कांग्रेसियों ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व मे इंटर कॉलेज संग्रामगढ़ के भूतपूर्व प्रिंसिपल व नेता विपक्ष प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ला, लालगंज ब्लॉक प्रमुख ई. अमित सिंह, नगर पंचायत लालगंज अध्यक्ष पति संतोष द्विवेदी जिला पंचायत सदस्य रघुनाथ सरोज उर्फ रघुराई, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष केडी मिश्रा,लाल जी यादव, जिला पंचायत सदस्य अशोक धर द्विवेदी रामकृपाल सरोज सिंटू मिश्रा शैलेन्द्र मिश्रा मासूम हैदर आदि कांग्रेस विधान मण्डल दल नेता आराधना मिश्रा मोना के निर्देशानुसार गुरुवार को लालगंज स्थित पूर्व पीएम आयरन लेडी स्व इन्दिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत स्मार्ट मीटर प्रीपेड के विरोध मे हाथों मे तख्ती बैनर आदि लेकर दहाड़े मार नारेबाजी करते हुए तहसील लालगंज मे राज्यपाल संबोधित ज्ञापन एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा को सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का उल्लंघन करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं के ऊपर जबरन स्मार्ट प्रीपेड मीटर थोपे जाने का कांग्रेस दल पुरजोर विरोध करता है। कांग्रेस दल जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्षरत है और आगे भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी।इस दौरान समस्त कांग्रेसी उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, प्रयुक्त पिस्टल व कारतूस बरामद

प्रतापगढ़। बुधवार को वादी निवासी ग्राम जमेठी बंझोलिया, थाना कुण्डा, जनपद प्रतापगढ़ द्वारा थाना पर तहरीर दी गई कि आरोपी आनन्द शुक्ला, पत्रकार द्वारा वादी की पुत्री के विवाह कार्यक्रम में द्वारचार के दौरान अपनी पिस्टल से फायर किया गया, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई तथा पुनः फायर करने पर गोली वादी के रिश्तेदार निवासी कदिलाबाद मनगढ़ को लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार प्रयागराज में चल रहा है। इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना कुण्डा पर आनन्द शुक्ला पत्रकार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था।कुंडा पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमे से संबंधित अभियुक्त आनन्द शुक्ला पुत्र प्रदीप कुमार शुक्ला निवासी मोहल्ला प्रेम नगर कस्बा व थाना कुंडा उम्र करीब 39 वर्ष को घटना में प्रयुक्त पिस्टल 7.62 बोर व 03 जिन्दा कारतूस 7.62 के साथ थाना क्षेत्रान्तर्गत कुण्डा कस्बा के आगे मवई बाइपास रोड पर करमअली का पुरवा जाने वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार किया गया।

सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहायक लालमणि पाण्डेय को दी गयी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विकास भवन सभागार में गुरुवार को एक भावुक वातावरण के बीच 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये वरिष्ठ सहायक लालमणि पाण्डेय को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति, उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें माल्यार्पण, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया और उनके दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल को याद किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि लालमणि पाण्डेय ने अपने पूरे सेवाकाल में कर्त्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन का परिचय दिया। उन्होंने न केवल अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया, बल्कि सहकर्मियों के साथ हमेशा सहयोगात्मक और सकारात्मक व्यवहार बनाए रखा। उनके शांत स्वभाव और कार्य के प्रति समर्पण ने उन्हें कार्यालय में एक अलग पहचान दिलाई।जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कर्मठ और ईमानदार कर्मचारियों की सेवाएं प्रशासन के लिए अमूल्य होती हैं। उन्होंने लालमणि पाण्डेय के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। वहीं मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा व अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति ने भी उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और कार्यशैली आने वाले कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।ज्ञातव्य है कि लालमणि पाण्डेय ने 20 जून 2002 को कनिष्ठ लिपिक के पद पर अपनी सेवा की शुरुआत की थी। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में दक्षता हासिल की और 04 जनवरी 2016 को उनकी पदोन्नति वरिष्ठ सहायक के पद पर हुई। वे लगभग 9 वर्षों तक जिलाधिकारी के कैम्प कार्यालय में सम्बद्ध रहकर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते रहे। अपने लगभग 23 वर्ष 10 माह के सेवाकाल में उन्होंने कई प्रशासनिक कार्यों को सरल और प्रभावी ढंग से संपन्न कराया। उनकी कार्यशैली, समय पालन और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को सहकर्मी लंबे समय तक याद करेंगे।कार्यक्रम के अंत में लालमणि पाण्डेय ने सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने सेवाकाल के दौरान सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला, जिसे वे जीवन भर नहीं भूलेंगे। विदाई समारोह में कैम्प कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के उपरान्त जिलाधिकारी ने स्वयं गाड़ी चलाकर सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहायक लालमणि पाण्डेय को उनके निज निवास तक छोड़ने गये।

सोनभद्र में दो माह चलेगी मार्निंग कोर्ट

● इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक मई से 30 जून तक चलेगी प्रातःकालीन कोर्ट

जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ ही अत्यधिक गर्मी पड़ने के मद्देनजर प्रति वर्ष मार्निंग कोर्ट का होता है संचालन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चलेगी। एक मई शुक्रवार से प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में परिवर्तन करना पड़ेगा जिससे शुरुआत में परेशानी होगी।

बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया है। जनपद न्यायाधीश सोनभद्र राम सुलीन सिंह ने प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन एक मई से 30 जून तक प्रातः 7 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक करने का निर्देश दिया है। वहीं कार्यालय का समय प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक होगा। इसके अलावा मध्यावकाश का समय सुबह 10:30 बजे से पूर्वान्ह 11:00 बजे तक रहेगा। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू होगा।

भीषण गर्मी में प्यासे कंठ को राहत, नगर पंचायत ने लगाए वॉटर कूलर

तालबेहट। भीषण गर्मी के बीच नगरवासियों को राहत देने के उद्देश्य से नगर पंचायत द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर वॉटर कूलर स्थापित किए गए हैं। इन कूलरों के शुरू होने से राहगीरों और आमजन को ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। नगर के बरिया माता मंदिर, नए बस स्टैंड तिराहा, अस्पताल, तहसील और सरफयाना सहित करीब आधा दर्जन प्रमुख स्थानों पर वॉटर कूलर लगाए गए हैं। इनका शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, समाजसेवी सुरेन्द्र मोहन पाठक, पूर्व प्रवक्ता वीरेंद्र चतुर्वेदी और 'बुन्देली बौछार' के संपादक सचिन चौधरी ने अलग-अलग स्थानों पर किया। इस पहल से गर्मी में लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत के इस प्रयास की सराहना की है। नगर पंचायत अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार ने इस कार्य के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हत्या में दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा

● 11-11 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद

ढाई वर्ष पूर्व हुए नगीता हत्याकांड का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- ढाई वर्ष पूर्व हुए नगीता हत्याकांड के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक राम सुदीन धरिकार पुत्र लक्ष्मण धरिकार निवासी सलखन टोला बहिरहवां, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 28 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे उसका छोटा भाई चिनीलाल धरिकार हाथ में कुल्हाड़ी लेकर अपनी पत्नी रेशमी के साथ आया। घर पर उसकी पत्नी नगीता बच्चों के साथ घर का कामकाज कर रही थी। आवाज देकर उसकी पत्नी को भाई ने बुलाया और अपने साथ चलने को कहा तो नगीता ने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसपर उसका छोटा भाई कुल्हाड़ी से नगीता के सिर पर प्रहार कर दिया और वह गिर गई। उसे सिर में गम्भीर चोटें आई हैं। जब बचाने के लिए उसका बड़ा बेटा दौड़ा तो उसके सिर पर भी कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया। उसके बाद धमकी देते हुए छोटा भाई अपनी पत्नी के साथ भाग गया।

जब वह बाजार से घर लौट रहा था तो उसका छोटा भाई चिनीलाल अपनी पत्नी रेशमी के साथ हाथ मे कुल्हाड़ी लेकर जा रहा था और उसकी पत्नी नगीता व बड़ा बेटा उत्तम जमीन पर गिरे पड़े थे। दोनों को दवा इलाज के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी लेकर आया जहां पत्नी नगीता (40) वर्ष की सिर में कुल्हाड़ी से गम्भीर चोट लगने से मौत हो गई। जबकि बेटे उत्तम (13) वर्ष का दवा इलाज चल रहा है। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती चिनीलाल धरिकार व रेशमी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

तालबेहट हाईवे पर कार पलटी, तीनों सवार सुरक्षित

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर एक चार पहिया कार के पलटने की सूचना मिली। हादसा कडेसरा कलां हाईवे स्थित नहर के पास हुआ, जहां ललितपुर से झांसी की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में तीन लोग सवार थे। गनीमत रही कि हादसे में सभी सवार सुरक्षित रहे। एहतियात के तौर पर तीनों को प्राथमिक उपचार के लिए बबीना भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर पहुंच गई और राहत कार्य में सहयोग किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के द्वारका में बड़ा हादसा, गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत

दिल्ली। दिल्ली के द्वारका गोल्फ कोर्स में तीन बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस की शुरुआती जांच में चारदीवारी कूदकर प्रवेश करने व डूबकर मरने की बात सामने आई है। बताया गया कि तीनों बच्चे गोयला के रहने वाले थे। मरने वालों में रवि जायसवाल व वीर जायसवाल दो सगे भाई थे, जबकि तीसरे मृतक का नाम हर्ष बताया गया है। डीसीपी द्वारका के अनुसार, आज सुबह करीब 7:07 बजे पीएस सेक्टर-23 द्वारका को सेक्टर 24 गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चों के डूबने की सूचना एक पीसीआर से मिली। सूचना मिलते ही एसएचओ अपने स्टाफ के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को भी तुरंत सूचित किया गया। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि लगभग 8 से 10 साल के तीन बच्चे तालाब में डूबे हुए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से तीनों बच्चों को पानी से निकाला गया। उनके कपड़े तालाब के बाहर मिले। शक है कि बच्चे वहां नहाने गए थे और गलती से डूब गए। बच्चों की पहचान की जा रही है। अभी तक कोई गुमशुदा जानकारी नहीं मिली है।

शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया

उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके से सबूत इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक टीमों को भी बुलाया गया है। पुलिस ने कहा कि डूबने के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। डीडीए की ओर से इस घटना की जांच के लिए डायरेक्टर के अंडर तीन सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई है और उसे एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। जांच के आधार पर अगर जरूरी हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'दिल्ली में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति दिल्लीवासी है', बिहार के परिवार से मिलकर बोलीं CM रेखा गुप्ता

दिल्ली। जाफरपुरकलां में दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल ने पिछले दिनों पांडव नाम के एक युवक की हत्या कर दी थी। उसके स्वजन विधायक पवन शर्मा के साथ बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिले। मुख्यमंत्री ने युवक की हत्या पर शोक जताया और उसके स्वजनों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

दोषियों को कड़ी सजा का दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री ने मृतक के स्वजनों से मुलाकात की फोटो एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'एक बेटे का असमय चले जाना माता-पिता के लिए कितना बड़ा दुख होता है, इसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। इस कठिन घड़ी में हम पूरे परिवार के साथ खड़े हैं। दिल्ली सरकार उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराएगी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी।' उन्होंने कहा कि यह घटना अस्वीकार्य है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बिहार के एक बेटे के साथ हुई इस घटना पर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच में कोई लापरवाही न हो और दोषियों को कठोरतम दंड मिले। सीएम ने कहा कि देश के हर राज्य से आकर दिल्ली में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति दिल्लीवासी है। वह हमारा परिवार है। क्षेत्रीयता के आधार पर हिंसा और अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बाहरी दिल्ली में कूड़े के ढेर से हाहाकार, बीमारियों का खतरा बढ़ा; लोग परेशान

दिल्ली। बाहरी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बने डलावघरों के बाहर कूड़े के ढेरे के कारण गंदगी फैली हुई है। सुल्तानपुरी व मंगोलपुरी सहित विभिन्न क्षेत्रों के ढलावघरों के बाहर कूड़े का अंबार दिखाई दे रहा है। कई दिनों तक गंदगी के कारण आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो चुका है। कूड़े से आने वाली बदबू, मच्छर व मक्खियों की भरमार हो चुकी है। जिसकी वजह से बीमारी की आशंका भी बढ़ गई है। मंगोलपुर गांव के टेंपो स्टैंड के पास बने डलावघर के बाहर कूड़े का अंबार लगा हुआ है। आसपास गंदगी से बदबू आने के कारण लोग परेशान है। कूड़े में खाना तलाशते बेसहारा गोवंशी के कारण जाम की भीस्थिति बनी रहती है। ढलवा घर से कुछ दूरी पर स्कूल है। स्कूल में पढ़ने वाले 500 से अधिक छात्र-छात्रा गंदगी के पास से गुजरने को मजबूर है। सुल्तानपुरी के पी-3 ब्लाक बना डलावघर में क्षमता से अधिक कूड़ा इकठ्ठा होने के कारण सड़क पर कूड़े का ढेर लग गया। गंदगी की वजह से लगभग पांच हजार से अधिक लोग प्रभावित है। यहां आसपास तीन डलावघर हुआ करते थे। जिनमें से दो डलावघरों को बंद कर दिया गया और सुल्तानपुरी पी-1, पी-2, पी-2 व कृष्ण विहार सहित कई ब्लाक के बीच एक ही डलावघर रह गया। ऐसे में डलावघर के कूड़े का सड़क तक आ जाता है। लेकिन डलावघर से कचरा उठाने वाले लोगों के बाद स्थिति गंभीर हो चुकी है। ढलावघर के आसपास के 500 से अधिक मकान है। बदबू के कारण इन घरों के लोगों का रहना ही मुश्किल हो चुका है। एक हजार से अधिक स्कूली बच्चे गंदगी के बीच से गुजरते है। तकरीबन 50 मीटर के फासले पर स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों कक्षा में बैठना दूभर हो चुका है।

'मां, माटी और मानुष की सरकार बना रहे हैं'

● रिकॉर्ड वोटिंग के बाद ममता का पहला बयान, कहा- 226 सीटें जीतेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मां, माटी और मानुष की सरकार एक बार फिर बनने जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी 226 सीटों का आंकड़ा पार करेगी। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से स्ट्रॉग रूम की दिन-रात रखवाली करने के लिए भी कहा है। बता दें कि सीएम ममता ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में मुख्यमंत्री ममता ने जनता को संबोधन करते हुए आभार जताया और चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए घटनाक्रम पर गंभीर आरोप लगाए।

मतदाताओं का जताया आभार

सीएम ममता ने कहा, बंगाल के मां, माटी, मानुष को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी लोग अच्छे से रहे हैं और स्वस्थ रहें। आप सबके प्रति मैं कृतज्ञ हूं क्योंकि इतनी धूप में और इतने अत्याचार झेलकर आप लोगों ने जिस हिसाब से वोट दिया है, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपने कर्मियों का भी आभार जनाती हूं जिन्होंने तमाम अत्याचार को बर्दास्त करके, ना सिर्फ सेंट्रल फोर्स बल्कि यहां के फोर्स का भी अत्याचार सहन करके अपने काम किया।

मतगणना के दिन मेरी प्रेस वार्ता तक काउंटिग टेबल पर रहें कार्यकर्ता'

सीएम ममता ने आगे कहा, मैं जब तक प्रेस कॉन्फ्रेंस न कर लूं, काउटिंग एरिया को छोड़कर कोई न जाए। यह भी ध्यान रखना है कि ईवीएम की काउंटिंग के बाद उसका डाटा कम्प्यूटर में सही लिखा जा रहा है कि नहीं। ऐसा भी हो सकता है कि टीएमसी के नंबर भाजपा में जोड़ दिए जाएं।

'केंद्रीय बल भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं'

उन्होंने कहा, भारत सरकरार की पूरी मशीनरी, प्रधानमंत्री-गृह मंत्री से लेकर 19 भाजपा शासित राज्यों के नेताओं ने बंगाल के लोगों को कब्जाने की कोशिश की। मैं यह बताती हूं कि मतदाता पेटी में वोट जब्त हो गए हैं। मैं बहुत निश्चित होकर बोल रही हूं कि जो टीवी पर दिखा रहा है वो सब पैसों का खेल है। मैं स्पष्ट रूप से बोल रही हूं कि 2026 में हम 226 सीटों का आंकड़ा पार करेंगे। लोगों ने जिस तरह वोट दिया है उसके ऊपर मुझे पूरा भरोसा है। भाजपा ने प्रेस के जरिये ये (एग्जिट पोल) कराया है। ये लोग ईडी, सीबीआई के जरिये चमकाते हैं। ममता ने कहा कि अमित शाह के सीधे निर्देश पर पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान केंद्रीय बल भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं।

'2026 में तृणमूल कांग्रेस 226 सीट का आंकड़ा पार करेगी'

उन्होंने कहा, भारत सरकरार की पूरी मशीनरी, प्रधानमंत्री-गृह मंत्री से लेकर 19 बीजेपी शासित राज्यों के नेताओं ने बंगाल के लोगों को कब्जाने की कोशिश की। मैं यह बताती हूं कि मतदाता पेटी में वोट जब्त हो गए हैं। मैं बहुत निश्चित होकर बोल रही हूं कि जो टीवी पर दिखा रहा है वो सब पैसों का खेल है। मैं स्पष्ट रूप से बोल रही हूं कि 2026 में हम 226 सीटों का आंकड़ा पार करेंगे। लोगों ने जिस तरह वोट दिया है उसके ऊपर मुझे पूरा भरोसा है। भाजपा ने प्रेस के जरिये ये (एग्जिट पोल) कराया है। ये लोग ईडी, सीबीआई के जरिये चमकाते हैं।

एग्जिट पोल को ममता ने बताया गलत

सीएम ममता ने कहा, मैं दो दिन से सो नहीं पाई हूं। भाजपा तमात हथकंडे अपनाने के बाद भी लोगों से उनका अधिकार नहीं छीन पाई। यही कारण है कि उन्होंने इसके जरिये (एग्जिट पोल) अंतिम खेल खेला है जिससे हमारे कर्मियों का मनोबल टूट जाए।

अगर सच्चाई सामने आई तो शेयर मार्केट धड़ाम हो जाएगा। शेयर मार्केट को सांत्वना देने के लिए ये किया है। यह मेरे को विश्वस्त सूत्रों से पता चला है। पिछले एग्जिट पोल का हवाला देते हुए सीएम ममता ने कहा कि पहले भी 2016 और 2021 में एग्जिट पोल गलत साबित हुए हैं। उन्होंने एग्जिट पोल में बीजेपी के पक्ष में दिखाया है। यह एकतरफा दिखाया है। मैं अपने कर्मियों को बोलूंगी कि आज से ही काउंटिंग के लिए पहरा देना शुरू करें। जरूरत पड़ेगी तो मैं भी अपने इलाके में पहरा दूंगी।

'फिर बनेगी मां-माटी, मानुष की सरकार'

ममता ने कहा, एक बात और कहूंगी, सभी लोग शांत रहें और संगठित होकर रहें। दीदी के प्रति और बंगाल के लोगों के प्रति भरोसा रखें। हम अपनी मां, माटी, मानुष की सरकार बनाने जा रहे हैं। हमने आगे भी सरकार बनाई थी और आगे भी हम ही सरकार बनाएंगे।

'Harry Potter मूवीज में किया काम...' बॉलीवुड में आकर फ्लॉप हुआ करियर

● युवराज सिंह की पत्नी हेजल कीच ने खुलासा किया है कि बॉलीवुड में आने से पहले उन्होंने 'हैरी पॉटर' फ्रैंचाइजी की तीन फिल्मों में काम किया था। उन्होंने सेट पर अपने अनुभव और भारतीय फिल्मों में अपने शुरुआती संघर्षों के बारे में भी बताया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। क्रिकेटर युवराज सिंह (Yuvraj Singh) की पत्नी हेजल कीच (Hazel Keech) ने कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। हेजल एक टाइम पर भारत आई थीं और इंडस्ट्री में पैर जमाने के लिए स्ट्रगल कर रही थीं। उन्होंने साल 2007 में तमिल फिल्म बिल्ला से डेब्यू किया था। उन्होंने बॉडीगार्ड और मैक्सीमम जैसी फिल्मों में भी काम किया जहां वो सिर्फ डांस नंबर करती ही नजर आई। लेकिन क्या आपको पता है कि भारतीय फिल्मों में अपने डेब्यू से पहले हेजर हैरी पॉटर फ्रैंचाइजी में काम कर चुकी हैं? ओकट्री स्पोर्ट्स को दिए एक इंटरव्यू में हेजल ने हैरी पॉटर के सेट पर अपने अनुभव, अपनी भारतीय विरासत,जिस पर थोड़ा बहुत भोजपुरी का प्रभाव रहा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अपनी समस्याओं के बारे में बात की।

हैरी पॉटर फिल्म में कर चुकी हैं काम

हेजल ने खुलासा किया कि वह तीन हैरी पॉटर फिल्मों- चैंबर ऑफ सीक्रेट्स, प्रिजनर ऑफ अजकबान और गोब्लेट ऑफ फायर का हिस्सा थीं। उन्होंने हंसते हुए स्वीकार किया कि वो एक्स्ट्रा पार्ट थीं लेकिन उन्हें इसका कोई अफसोस नहीं।

सिलापथार महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीनाथ पेगु का बिदाई सम्मान समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। धेमाजी जिले के जाने-माने कॉलेजों में से एक सिलापथार महाविद्यालय, महाविद्यालय के द्वितीय स्थाई प्रिंसिपल, डॉ. लक्ष्मीनाथ पेगु ने 17 जनवरी 2012 को कॉलेज में योगदान किया कर अपने जीवन के 14 साल 4 महीने महाविद्यालय में सेवा कर आज अनुष्ठानिक रूप में सेवानिवृत्त हुए। महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आज महाविद्यालय के छात्रा एकता सभा , शिक्षक कर्मचारी समूह की तरफ से आयोजित ओर महाविद्यालय के वाइस-प्रिंसिपल लीला नेवार के संचालन में हुए बिदाई सम्मान समारोह में जिले की विभिन्न महाविद्यालय के अध्यक्ष, सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओं, छात्रा संगठनो, जन्मलग्न से महाविद्यालय के साथ जुड़े हुए लोगो, महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी छात्राओं ने फूलों की गुलदस्ते, गमुचा, मानपत्र से डॉ पेगू को सम्मानित किया। उनके चाहने वालों के साथ महाविद्यालय के परिवार के सभी ने उनके कार्यकाल के दौरान कॉलेज के लिए उनकी सेवाओं की भी तारीफ़ की और उनके रिटायरमेंट में उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। बिदाई के समय पत्रकारों को दिए उनके टिप्पणी में उन्होंने कहा15 अगस्त 1979 बृहत्तर सिलापथार इलाके के लोगों के आने वाले पोड़ी के उच्चशिक्षा के सपने को साकार करने में कामयाब रहे। ओर उनके अनुपस्थित में महाविद्यालय से जुड़े हुए सभी लोगों के प्रति आह्वान किया कि महाविद्यालय के विकास के हर कार्य ने सहयोग करे ताकि महाविद्यालय के साथ इलाके के नाम रोशन करे।वह आने वाले दिनों में समाज के लिए ओर लेखन में खुद को शामिल व्यस्त रखना पसंद करेंगे।

रोहित शर्मा: 39 की उम्र में भी कई रिकॉर्ड्स के बादशाह

● हिटमैन क्यों हैं क्रिकेट के असली G.O.A.T?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्रिकेट की दुनिया में कुछ खिलाड़ी आंकड़ों से बड़े होते हैं और कुछ खिलाड़ी खुद आंकड़ों को बदल देते हैं। रोहित शर्मा उन्हीं में से एक हैं। 39वें जन्मदिन पर हिटमैन सिर्फ एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि एक युग का नाम बन चुके हैं। उनके बल्ले ने जितने रिकॉर्ड तोड़े हैं, उतने शायद उन्होंने जन्मदिन भी नहीं मनाए होंगे। यही वजह है कि उन्हें आधुनिक क्रिकेट का G.O.A.T यानी ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कहा जाता है। हिटमैन टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से तो संन्यास ले चुके हैं, लेकिन वनडे में अब भी उनका जलवा बरकरार है।

छक्के लगाने में सबसे आगे

रोहित शर्मा का नाम आते ही छक्कों की बारिश याद आती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। उनके नाम टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 650 छक्के हैं। यह आंकड़ा बताता है कि रोहित ने सिर्फ रन नहीं बनाए, बल्कि खेल को एंटरटेनमेंट में बदल दिया। उनके बाद क्रिस गेल (553 छक्के) जैसे दिग्गज का नाम आता है।

आईसीसी टूर्नामेंट्स के असली हीरो

बड़े मंच पर बड़ा खिलाड़ी बनना हर किसी के बस की बात नहीं होती, लेकिन रोहित इसमें भी सबसे आगे हैं। आईसीसी टूर्नामेंट्स में सबसे ज्यादा (8) शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। दबाव जितना बड़ा, रोहित का प्रदर्शन उतना ही शानदार।

हर फॉर्मेट के मास्टर

रोहित शर्मा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में बतौर कप्तान शतक जड़ा है। बतौर कप्तान तीनों प्रारूप में शतक लगाने वाले वह पहले भारतीय और दुनिया भर में चौथे खिलाड़ी हैं। 2023 में नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। यह दिखाता है कि टेस्ट हो, वनडे या टी20, रोहित हर जगह फिट बैठते हैं।

मैच विनर की पहचान

रोहित शर्मा एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने सभी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स, जैसे कि वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 वर्ल्ड कप और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 'प्लेयर ऑफ द मैच' जीता है। इसका मतलब साफ है, जब टीम को जीत चाहिए होती है, रोहित सामने खड़े मिलते हैं।

वनडे रिकॉर्ड्स जो यकीन से परे

वनडे क्रिकेट में रोहित शर्मा के रिकॉर्ड्स किसी सपने जैसे लगते हैं। तीन डबल सेंचुरी लगाने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी, 264 रन की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी और 150+ स्कोर सबसे ज्यादा (8 बार) बार रोहित के नाम ही हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि वनडे में रोहित का कोई मुकाबला नहीं।

टी20 के बॉस

टी20 इंटरनेशनल में भी रोहित का दबदबा कायम है। उन्होंने पांच शतक लगाए, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। उनके नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा छक्के भी हैं। वह 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत का हिस्सा बनने वाले पहले खिलाड़ी। इसके अलावा वह 35 गेंदों में शतक जड़ चुके हैं, जो कि संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज है। हालांकि, वह सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने टी20 बल्लेबाजी को एक नई परिभाषा दी है।

क्यों हैं रोहित शर्मा 'G.O.A.T'?

रोहित शर्मा सिर्फ रिकॉर्ड्स का नाम नहीं हैं, बल्कि एक स्टाइल, एक क्लास और एक एरा का नाम हैं। उन्होंने हर फॉर्मेट में खुद को साबित किया, बड़े टूर्नामेंट्स में टीम को जीत दिलाई और कप्तान के रूप में भी इतिहास रचा। यही वजह है कि वह सिर्फ एक दिग्गज नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ियों में गिने जाते हैं।

अरोण कुमार चंद महाविद्यालय में हाईकोर्ट बेंच की मांग पर जागरूकता सभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: 30 अप्रैल गुरुबार को हाइकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति, असम के काछार जिला शाखा के आह्वान पर अरोण कुमार चंद महाविद्यालय में एक महत्वपूर्ण जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें छात्रों, अधिवक्ताओं एवं जागरूक नागरिकों की सक्रिय उपस्थिति से सभा अत्यंत प्रभावशाली एवं जीवंत रही। सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य अबू ताहेर तालुकदार, शिलचर शाखा के उपाध्यक्ष डॉ. बिभाष देव, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विष्णु देवनाथ, अधिवक्ता दीपक कुमार देव, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रसेनजित कुमार देव, समिति के उपाध्यक्ष अधिवक्ता शांतनु नायक, संयुक्त सचिव अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता ज्योतिर्मय नाथ एवं अधिवक्ता धर्मानंद देव उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य प्रस्तुतकर्ता अधिवक्ता धर्मानंद देव ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से बराक घाटी में हाईकोर्ट की स्थायी पीठ की आवश्यकता, न्याय प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों एवं भौगोलिक दूरी के कारण उत्पन्न समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आंकड़ों एवं वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से विषय को स्पष्ट किया। अधिवक्ता शांतनु नायक ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्देशों का उल्लेख करते हुए इस मांग की संवैधानिक एवं कानूनी महत्ता को रेखांकित किया। वहीं सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विष्णु देवनाथ ने अपने अनुभवों के आधार पर न्याय प्रणाली में देरी और आम जनता की समस्याओं पर गंभीर विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रसेनजित कुमार देव एवं अधिवक्ता दीपक कुमार देव ने भी स्थायी हाईकोर्ट बेंच की आवश्यकता को न्यायसंगत एवं जनहित में आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का संचालन अरोण कुमार चंद विधि महाविद्यालय के छात्र स्नेहांशु भट्टाचार्य ने कुशलतापूर्वक किया। सभा में लगभग सौ से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही, जिनकी सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी सफल एवं सार्थक बनाया। अंत में सभी वक्ताओं एवं उपस्थित जनों ने बराक घाटी में हाईकोर्ट की स्थायी पीठ स्थापित करने की मांग का जोरदार समर्थन किया और इसे क्षेत्र के न्यायिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

'नागरिकों का सम्मान करें', नाबालिग की प्रेग्नेंसी पर केंद्र की याचिका देख भड़का सुप्रीम कोर्ट

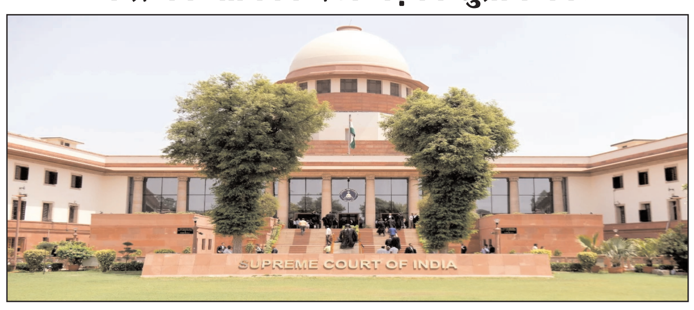

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत के उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मामला एक 15 साल की रेप पीड़िता की 31 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने से जुड़ा है। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में अंतिम निर्णय का अधिकार केवल पीड़िता और उसके परिवार को है, न कि सरकार को। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार द्वारा दायर की गई 'क्यूरेटिव पिटीशन' (उपचारात्मक याचिका) पर कड़ा ऐतराज जताया। सरकार ने कोर्ट के उस पिछले आदेश को चुनौती दी थी जिसमें नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी गई थी।

कोर्ट की टिप्पणी: चीफ जस्टिस ने सरकार की ओर से पेश वकील को टोकते हुए कहा, 'नागरिकों का सम्मान करें, मैडम... आपको इसे चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है। यह अधिकार सिर्फ पीड़िता या उसके परिवार के पास है। 'पीड़ा का अहसास: बेंच ने भावुक होते हुए कहा कि नाबालिग ने जिस सदमे और मानसिक यंत्रणा को सहा है, उसकी भरपाई दुनिया की कोई भी चीज नहीं कर सकती।

बेंगलुरु में भारी बारिश का कहर!, सड़कें बनीं नदियां, जारी हुई अलर्ट

बेंगलुरु में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने शहर में भारी तबाही मचाई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण दीवार गिरने और करंट लगने जैसी घटनाओं में अब तक आठ लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। भारी बारिश के चलते विधान सौध जैसी महत्वपूर्ण इमारतों और रिहायशी इलाकों में कमर तक पानी भर गया, जबकि दर्जनों स्थानों पर पेड़ उखड़ने से यातायात और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर शहर के बुनियादी ढांचे और ड्रेनेज सिस्टम की कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

पवन खेड़ा की जमानत याचिका पर असम पुलिस का कड़ा विरोध, 'जालसाजी' की जांच के लिए मांगी हिरासत

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर तीखी बहस हुई। असम पुलिस ने खेड़ा की याचिका का पुरजोर विरोध करते हुए उन पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पासपोर्ट के साथ 'छेड़छाड़ और जालसाजी' करने का गंभीर आरोप लगाया है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। पुलिस ने कहा कि खेड़ा ने जो किया वह एक गैर-ज़मानती अपराध है और इस बात की जांच होनी चाहिए कि उन्होंने दस्तावेज़ों में जालसाज़ी कैसे की।

श्रीभूमि जिले के फाकोआ गांव के छात्रों की शानदार सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फाकोआ गांव में हाल ही में घोषित असम उच्च माध्यमिक (HS) परीक्षा परिणामों के बाद खुशी और गर्व का माहौल छा गया है क्षेत्र में। गांव के छात्रों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि को यादगार बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक क्षेत्र के प्रतिनिधि नृपेन्द्र दास ने स्वयं छात्रों के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया। यह पहली बार है जब शेनबिल क्षेत्र में इस प्रकार का व्यक्तिगत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसे स्थानीय लोग एक ऐतिहासिक पहल मान रहे हैं। नृपेन्द्र दास ने कहा, 'यह सफलता केवल छात्रों की नहीं, बल्कि पूरे गांव की है। मेहनत और लगन से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं।' इस वर्ष की परीक्षा में बिथिका दास (92%), मामन दास (91%) और टुसु दास (90%) ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं सानी दास ने 76% अंक हासिल कर सराहनीय प्रदर्शन किया। विद्यालय का कुल परिणाम भी उत्कृष्ट रहा, जिसमें 86% पास प्रतिशत दर्ज किया गया। शिक्षा संस्थान के अनुसार, इस वर्ष 32 छात्र प्रथम श्रेणी, 29 द्वितीय श्रेणी और 14 तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इसके अलावा 4 छात्रों ने डिस्टिंक्शन तथा 13 छात्रों ने स्टार मार्क्स प्राप्त किए।विद्यालय के प्रधानाचार्य मोइनुद्दीन, शिक्षक विजय दास सहित सभी शिक्षकों और प्रबंधन समिति के प्रयासों की भी सराहना की गई। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह उपलब्धि आने वाले वर्षों में छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि यह सफलता भविष्य में और बेहतर परिणामों की नींव रखेगी और फाकोआ गांव शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ता रहेगा।

महुआडांड़ में दर्दनाक हादसा: स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा

● 12 वर्षीय छात्र की मौत, कई गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंड:- लातेहार जिले के महुआडांड़ प्रखंड में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें स्कूली बच्चों से भरा एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 12 वर्षीय छात्र अंकुर मिंज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। मृतक अंकुर मिंज, एलेसियुस मिंज का पुत्र था और ग्राम अकसी का रहने वाला था। वह संत मिखाईल स्कूल, साले में कक्षा सात का छात्र था। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ पहुंचाया। घायलों में आरसु मिंज, गोरीतिका केरकेट्टा, अनुज उरांव, रेशमा केरकेट्टा, सलमा बेक, अंशु मिंज, तुन एक्का, आस्था तिर्की, दीपासी केरकेट्टा, सोनू एक्का, अवेश कुजूर, शुभम खलखो सहित अन्य शामिल हैं। इनमें से अनुरूपा एक्का, अनुज कुमार, कौतिक बाड़ा, साक्षी कुमारी और नेहा कुमारी को गंभीर स्थिति में बाहर रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज डॉ. अमीत खलखो और उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी शिवपूजन बहेलिया और थाना प्रभारी मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद ऑटो चालक दीपक और वाहन मालिक प्रतीम उरांव फरार हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही प्रखंड प्रमुख कंचन कुजूर, अजीत पाल कुजूर और जेएमएम नेता परवेज आलम समेत कई जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। इस दौरान परिजनों और स्थानीय लोगों ने घायलों को जिले के सदर अस्पताल की बजाय गुमला रेफर किए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने महुआडांड़ और लातेहार में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग की। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने, ओवरलोडिंग पर सख्ती से रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।